www.akhandbharatsandesh.net

वर्ष 24, अंक 5, पृष्ठ 08, मूल्य: 3.00

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज से प्रकाशित, लखनऊ, कानपुर, चित्रकूट, कौशाम्बी, प्रतापगढ़, जौनपुर, वाराणसी, गाजीपुर में प्रसारित

नगर संस्करण प्रयागराज रविवार 19 जुलाई 2026 विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

सोनम वांगचुक के सपोर्ट में उतरे अन्ना हजारे

सरकार को दी नसीहत, सब्र की परीक्षा न लें

नई दिल्ली

नीट पेपर लीक और छात्रों के आत्महत्या के विरोध में जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक को दिल्ली पुलिस की तरफ से प्रदर्शन के 21वें दिन शनिवार (18 जुलाई, 2026) को सफदरजंग अस्पताल में भर्ती करने को लेकर अन्ना हजारे की प्रतिक्रिया सामने आई है. उन्होंने कहा कि सरकार उनके सब्र की परीक्षा न लें.

इसके साथ ही, अन्ना हजारे ने केंद्र सरकार को नसीहत भी दी है. उन्होंने कहा कि सरकार को किसी अप्रिय घटना के होने तक का इंतजार नहीं करना चाहिए. सिर्फ बातचीत करने में कोई नुकसान नहीं है. भले ही आप उनकी मांगों को मानें या न मानें, लेकिन सरकार को उठाए जा रहे मुद्दों पर बाचतीत जरूर करनी चाहिए.

महाराष्ट्र के रालेगन सिद्धी में न्यूज एजेंसी पीटीआई से बातचीत में अन्ना हजारे ने कहा, ह्यकिसी भी मुद्दे का समाधान सिर्फ चुप्पी साधकर बैठने से नहीं निकलता है. इसके लिए संवाद जरूरी है. सरकार को इस मामले पर अपनी चुप्पी को तोड़ना चाहिए. वह पिछले 20 दिनों से आमरण अनशन पर बैठे हुए हैं, ऐसे व्यक्ति की सब्र की परीक्षा नहीं लेना ठीक नहीं है. इस मामले पर सरकार संवाद स्थापित करें, अपनी बात भी रखे और सामने वाले पक्ष की भी बात सुने.

सफदरजंग अस्पताल में भर्ती हैं एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक

एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक नीट पेपर लीक के विरोध और अपनी मांगों को लेकर पिछले 20 दिनों से देश की राजधानी दिल्ली में स्थित जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी की तरफ से आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे थे, लेकिन शनिवार (21 जुलाई, 2026) को दिल्ली पुलिस ने सोनम वांगचुक की बिगड़ती स्वास्थ्य स्थिति को लेकर देखते हुए उन्हें तुरंत सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों की कड़ी निगरानी में उनका इलाज जारी है.

हालांकि, दिल्ली पुलिस की इस कार्रवाई के बाद प्रदर्शन कर रही कॉकरोच जनता पार्टी के साथ-साथ देश की कई राजनीतिक पार्टियों ने इस पर विरोध दर्ज कराते हुए दिल्ली पुलिस और केंद्र सरकार पर निशाना साधा है।

असत्य, हिंसा मोदी सरकार के मूल सिद्धांत, सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर से हटाने पर भड़के राहुल गांधी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को दिल्ली के जंतर-मंतर से हटाए जाने की आलोचना की, जहां वे भूख हड़ताल पर थे। उन्होंने केंद्र सरकार पर देश भर के छात्रों को प्रभावित करने वाले मुद्दों को उठाने वाली आवाजों को दबाने का आरोप लगाया। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार के मूल सिद्धांत असत्य और हिंसा हैं। गांधी ने कहा कि जब सोनम वांगचुक जी अहिंसक भूख हड़ताल पर थे, तब उन्हें जंतर-मंतर से हटाना गलत है। वांगचुक के विरोध को शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी व्यापक चिंताओं से जोड़ते हुए गांधी ने कहा कि पेपर लीक, शिक्षा की बढ़ती लागत और छात्रों की आत्महत्या भारत के भविष्य के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से हैं।

हैशटैग का इस्तेमाल करते हुए कहा कि कोई भी ताकत भारत के छात्रों को और हममें से उन लोगों को जो उनसे प्यार करते हैं और उनमें भरोसा रखते हैं। इन मुद्दों को उठाने से नहीं रोक सकती। यह बयान देहरादून में 'छात्रों की गूंज' रैली को गांधी के संबोधित करने के एक दिन बाद आया है, जहां उन्होंने भारत की शिक्षा और परीक्षा प्रणाली में बड़े सुधारों की मांग की थी। उन्होंने तर्क दिया था कि किसी भी

हाई अलर्ट पर फोर्स, बांग्लादेश बॉर्डर पर अमित शाह का बड़ा धमाका

बंगाल

शेख हसीना का तख्ता पलट होने के बाद से ही बांग्लादेश किस तरह से भारत विरोधी रास्ते पर चल रहा है उसके लगातार सबूत सामने आ रहे हैं। पहले तो पाकिस्तान के इशारों पर मोहम्मद यूनुस ने भारत के खिलाफ खूब जहर उगला और फिर ऐसे फैसले लिए जिसने दोनों देशों के रिश्तों में खटास पैदा करने का काम किया। लेकिन अब तारिक रहमान भी पीएम बनने के बाद भारत विरोधी एजेंडे पर काम करते हुए दिखाई दे रहे हैं। तारिक रहमान अब भारत के दुश्मनों से हाथ मिलाकर भारत को कमजोर करने वाले फैसले ले रहे हैं। पीएम तारिक रहमान ने भारत के साथ चली आ रही परंपरा को तोड़ते हुए पहली विदेश यात्रा के तौर पर चीन का चयन किया और अब तारिक चीन को बॉर्डर इलाके में मजबूत करने के लिए जमीन मुहैया कराने में जुटे हैं। फिर चाहे वह तीस्ता प्रोजेक्ट हो या लाल मॉडरहाट एयरबेस को डेवलप करने की योजना हो जो कि भारतीय सीमा से 20 किमी से भी कम दूरी पर है और भारत के संवेदनशील चिकन नेक के काफी करीब पड़ता है।

ऐसे में यहां चीन की मौजूदगी रणनीतिक रूप से ना केवल खतरनाक बल्कि चिंताजनक भी है। यानी कि तारीख की ओर से

चीन को बांग्लादेश को उस हर कोने में घुसाने की कोशिश हो रही है जो भारत के लिए खतरा बन सके। यह सब देखकर भारत भी अलर्ट पर है। बांग्लादेश में चीन की गतिविधियों पर पेन नजर बनाए हुए हैं और बॉर्डर पर हर साजिश का मुंहतोड़ जवाब देने की तैयारी शुरू हो गई है। चिकन नेक की सुरक्षा को पुख्ता करने के लिए हाल ही में भारत ने कई कदम उठाए हैं। कुछ दिन पहले ही भारतीय सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने चिकन नेक यानी सिलीगुड़ी कॉरिडोर का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा रणनीतियों और तमाम तैयारियों की बड़ी समीक्षा की थी। लेकिन अब खबर है कि गृह मंत्री अमित शाह भी चिकन नेक का दौरा करने जा रहे हैं। इस खबर ने बांग्लादेश में खलबली मचा दी है। अब हर जगह इस बात की चर्चा हो रही है कि क्या बांग्लादेश बॉर्डर पर कुछ बड़ा होने वाला है।

सिलगुड़ी में बीएसएफ की जुमागा सीमा चौकी का दौरा करेंगे। 18वीं बटालियन बॉर्डर आउटपोस्ट पर जवानों से बातचीत करेंगे। इस मौके पर बीएसएफ के अलग-अलग विकास कार्यों का उद्घाटन और शिलान्यास भी करेंगे। यही नहीं बल्कि शाह पश्चिम बंगाल में बॉर्डर से जुड़े मामलों पर बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इसके बाद वे पश्चिम बंगाल में तीन नए कानूनों की भी समीक्षा मीटिंग लेंगे। दरअसल चीन की लंबे समय से सिलुगुड़ी कॉरिडोर यानी कि चिकन नेक पर बोरी नजर रही है। ऐसे में बीजिंग का बॉर्डर के करीब आना खतरे की घंटी से कम नहीं है।

भारत भी इस बात को अच्छी तरह से जानता है। इसीलिए भारत चिकनेक और बांग्लादेश बॉर्डर से लगते इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था को लगातार मजबूत कर रहा है।

अहमदाबाद में पटाखा फैक्ट्री में भीषण धमाका

8 की मौत, 10 से ज्यादा मजदूर झुलसे

अहमदाबाद

अहमदाबाद के रामोल इलाके में शनिवार (18 जुलाई) दोपहर एक पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण धमाके ने बड़ा हादसा खड़ा कर दिया. रामोल-गताराड रोड पर टैलेंट स्कूल के सामने महमूदपुरा स्थित एक खुली पटाखा फैक्ट्री में अचानक जोरदार विस्फोट हुआ. धमाके के तुरंत बाद फैक्ट्री में भीषण आग लग गई, जिसने देखते ही देखते पूरे परिसर को अपनी चपेट में ले लिया. हादसे में अब तक 8 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 10 से ज्यादा मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए हैं. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक धमाका इतना तेज था कि उसकी आवाज करीब एक किलोमीटर दूर तक सुनाई दी. विस्फोट के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग डर के मारे घरों और दुकानों से बाहर निकल आए. कुछ ही मिनटों में फैक्ट्री से ऊंची-ऊंची आग की लपटें और धुएं का गुबार उठने लगा.

दमकल और एम्बुलेंस ने संभाला मोर्चा

घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया. साथ ही 108 एम्बुलेंस की मदद से घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया. दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाने की कोशिश शुरू की और आसपास के इलाके को भी सुरक्षित कराया. फायर विभाग की शुरूआती जानकारी के मुताबिक आग और विस्फोट में 8 लोगों की मौत हुई है. हालांकि कई घायल गंभीर रूप से झुलसे हुए हैं, इसलिए मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका भी जताई जा रही है. राहत और बचाव का काम लगातार जारी है और फैक्ट्री के अंदर फंसे लोगों की तलाश की जा रही है.

फिलहाल धमाका किस वजह से हुआ, इसका पता नहीं चल पाया है. पुलिस, फायर विभाग और अन्य संबंधित एजेंसियां मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई हैं।

सीएम ने किया मुआवजे का ऐलान

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अहमदाबाद में पटाखा फैक्ट्री में हुए हादसे में लोगों की मौत पर दुख जताया है. मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिवारों को 4-4 लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की आर्थिक मदद देने की घोषणा की है. स्थानीय प्रशासन पीड़ितों को हर जरूरी मेडिकल मदद और इलाज मुहैया करा रहा है.

BCCI ने अचानक किया टीम इंडिया में बदलाव, तीसरे ODI से पहले स्टार ऑलराउंडर की एंट्री

नई दिल्ली

इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे वनडे मैच के लिए भारतीय स्क्वाड में बदलाव हुआ है. इउउक ने घोषणा कर बताया कि तीसरे वनडे के लिए चोटिल वाशिंगटन सुंदर की जगह हर्ष दुबे को टीम इंडिया में शामिल किया गया है. सुंदर को दूसरे वनडे मैच के दौरान चोट आई थी, जिसके बाद उन्हें सीरीज से बाहर होना पड़ा था. हालांकि सुंदर की चोट कितनी गंभीर है, इस पर कोई स्पष्टता नहीं दी है.

हर्ष दुबे बाएं हाथ से ऑफ-स्पिन गेंदबाजी करते हैं और इसी साल अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे मैच में अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था. उन्होंने अब तक 2 वनडे मैचों में 4 विकेट चटकाए हैं.

भारत का अपडेटेड स्क्वाड: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बराड़, प्रिंस यादव, हर्ष दुबे

इतिहास रचने को तैयार भारत

भारतीय टीम जब 19 जुलाई को लॉर्ड्स मैदान पर उतरेगी तो 22 साल से चले आ रहे ।

टीएमसी के बागी गुट के नेताओं को अभिषेक बनर्जी ने दी चुनौती

मैं एक घंटे के भीतर पार्टी से दे दूंगा इस्तीफा: अभिषेक

पश्चिम बंगाल

एक तरफ शनिवार (18 जुलाई) को पश्चिम बंगाल में टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी के कार्यालय पर बुलडोजर कार्रवाई हुई है, तो वहीं पार्टी में फूट के बाद एक धड़े के निशाने पर आए नेताओं को चुनौती दी है. साथ ही ममता बनर्जी के पास वापस लौटने को कहा है. साथ ही कहा है कि अगर वह ऐसा करते हैं, तो खुद एक घंटे के अंदर पार्टी से इस्तीफा दे देंगे.

अभिषेक बनर्जी ने कहा कि जो लोग पार्टी छोड़कर आज मुझे भला बुरा कह रहे हैं, या मुझपर आरोप लगा रहे हैं. उन्हें मैं चुनौती देता हूं कि वे दीदी के पास वापस आ जाएं. अगर वे ऐसा करते हैं, तो मैं एक घंटे के अंदर पार्टी से इस्तीफा दे दूंगा. लेकिन वे ऐसा नहीं करेंगे. उन्होंने बीजेपी के साथ डील की है. पार्टी छोड़ो, बागी गुट या बीजेपी में शामिल हो जाओ. ईडी, सीबीआई और अन्य एजेंसियों से सुरक्षा लो. फिर अभिषेक बनर्जी पर आरोप लगाओ. उन्हें बुरा-भला कहो. इसके अलावा बनर्जी ने कहा है कि हर किसी को अपना फैसला लेने और जहां चाहे वहां जाने का अधिकार है. लेकिन अगर कोई ईडी का समन मिलते ही पाला बदल लेता है, तो साफ है कि वे लड़ना नहीं चाहते. वे डरे हुए हैं।

कार्तिक आर्यन और ममूटी बेस्ट एक्टर, यामी गौतम बेस्ट एक्ट्रेस, इस मूवी ने जीता बेस्ट फिल्म का अवॉर्ड

मुंबई

आखिरकार 72वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स का ऐलान कर दिया गया है. बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक और मलयालम सिनेमा के सुपरस्टार ममूटी को संयुक्त रूप से बेस्ट एक्टर चुना गया है. वहीं बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस यामी गौतम को बेस्ट एक्ट्रेस घोषित किया गया. वहीं राजकुमार राव की फिल्म 'श्रीकांत' को बेस्ट हिंदी फिल्म का अवॉर्ड मिला है ।

20 को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई, एसआईटी पेश करेगी अपनी स्टेटस रिपोर्ट

अयोध्या

सुप्रीम कोर्ट 20 जुलाई को अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले दान में कथित हेराफेरी की निष्पक्ष और समय-सीमा के भीतर जांच की मांग करने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई करेगा। कोर्ट की कॉज लिस्ट के अनुसार, इस मामले से जुड़ी चार अलग-अलग याचिकाओं पर चीफ जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की बेंच सुनवाई करेगी। 13 जुलाई को कोर्ट ने याचिकाओं पर सुनवाई करने पर सहमति जताई और मामले की जांच के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम से स्टेटस रिपोर्ट मांगी। बेंच ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को भी नोटिस जारी कर जवाब मांगा। 13 जुलाई के अपने आदेश में कोर्ट ने कहा चूंकि कुछ रिट याचिकाओं में यह कहा गया है कि कुछ त्रख्रक्र पहले ही दर्ज हो चुकी हैं और मामले की जांच के लिए एक रस्ळ बनाई गई है, इसलिए हम उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बनाई गई एसआईटी को निर्देश देते हैं कि वह इस कोर्ट के सामने एक स्टेटस रिपोर्ट पेश करे।

याचिकाकताओं में से एक, नरेंद्र कुमार गोस्वामी ने इस मामले की उइक जांच की मांग की है। उन्होंने 'श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट' के फाइनेंस की कंप्ट्रोलर एंड ऑडिटर जनरल से ऑडिट कराने की भी मांग की है; यह ट्रस्ट राम मंदिर के कामकाज को संभालता है। अजय कुमार राय और दिनेश कुमार यादव की ओर से दायर एक और याचिका में मंदिर ट्रस्ट के कामकाज और प्रशासन से जुड़ी कथित वित्तीय अनियमितताओं और अन्य गैर-कानूनी गतिविधियों की उइक के नेतृत्व वाली मल्टी-डिसिप्लिनरी रस्ळ से जांच कराने की मांग की गई है।

हम अब रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में एक नया इतिहास रचेंगे- राजनाथ सिंह

'ऑपरेशन सिंदूर'से दुनिया ने देखा भारत का दम

नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने भारत की "विश्व-स्तरीय" रक्षा तैयारियों को साबित किया है। उन्होंने इसकी सफलता का श्रेय केंद्र सरकार द्वारा सेना के आधुनिकीकरण और देश में ही रक्षा उपकरणों के उत्पादन को लगातार बढ़ावा देने को दिया। नई दिल्ली में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, सिंह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को भारतीय सशस्त्र बलों की क्षमता और वीरता का प्रमाण बताया और कहा कि उन्होंने आतंकवादियों और उनके समर्थकों को मुंहतोड़ जवाब दिया। सिंह ने कहा ऑपरेशन सिंदूर भारत की आधुनिक और बेहतरीन रक्षा तैयारियों का सबूत है। ये तैयारियाँ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की पिछले 12 सालों की लगातार कोशिशों से और बेहतर हुई हैं, जिसमें 'राष्ट्र पहले और सेना पहले' की भावना को प्राथमिकता दी गई है। सिंह के अनुसार, इस ऑपरेशन के दौरान आकाश तीर एयर डिफेंस सिस्टम, आकाश मिसाइल सिस्टम और ब्रह्मोस मिसाइल जैसे स्वदेशी सिस्टम के साथ-साथ अन्य आधुनिक सैन्य उपकरणों को भी प्रभावी ढंग से तैनात किया गया था। रक्षा मंत्री ने कहा इस ऑपरेशन के दौरान आकाश तीर, आकाश मिसाइल सिस्टम और ब्रह्मोस जैसे एडवांस्ड सिस्टम के साथ-साथ कई अन्य अत्याधुनिक उपकरणों का भी प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया गया। यह पिछले 12 वर्षों में तैयार की गई नींव की वजह से संभव हुआ है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए सरकार की कोशिशों का ज़िक्र करते हुए सिंह ने कहा कि सशस्त्र बलों की ओर से जारी स्वदेशीकरण की पाँच सकारात्मक सूचियों में अब 509 रक्षा आइटम शामिल हैं।

न कर्फ्यू, न दंगा, अब यूपी में सब चंगा

उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को गुलामी की मानसिकता को छोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सच्ची देशभक्ति सिर्फ. अधिकारों के लिए नारे लगाने में नहीं, बल्कि अपने कर्तव्यों को पूरा करने में है। बुलंदशहर में एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि लोग अक्सर अपने अधिकारों की मांग तो करते हैं, लेकिन ऐसी मांगें कभी भी देश, समाज या संस्थानों की कीमत पर नहीं होनी चाहिए। उनके अनुसार, एक अनुशासित शिक्षक जो समय पर शिक्षा पूरी करने के साथ-साथ अच्छे संस्कार भी देता है, वह नारों की तुलना में देश की कहीं अधिक सेवा करता है। सशस्त्र बलों का ज़िक्र करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि देश को सबसे ऊपर रखना ही एक सैनिक की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश के हितों के खिलाफ कोई भी कदम मंजूर नहीं है और कहा कि निस्वार्थ सेवा और त्याग की भावना ही भारत की सुरक्षा की रक्षा करती है और देश को मजबूत बनाती है। योगी ने हुंकार भरते हुए कहा कि 2017 से पहले प्रदेश में हर जिले में दंगा होता था, हर थाने में माफिया था, हर जिले में सिंडिकेट था, जो युवाओं के रोजगार को प्रभावित करता था। 2007 से 2017 तक प्रदेश की शुगर मिलों को बेचा गया। अब ऐसा नहीं है। आज प्रदेश में ना कर्फ्यू है ना दंगा है, अब सब चंगा है।

मुख्यमंत्री ने 2017 से पहले के हालात की तुलना मौजूदा हालात से भी की। उन्होंने दावा किया कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में कोई भी ज़िला ऐसा नहीं था जो दंगों से मुक्त हो।

डीएम मनीष कुमार वर्मा कोरॉंव तहसील दिवस में आये पहली बार?

भारी भीड़ के बीच सुनी शिकायतें, अनुपस्थित अफसरों के विरुद्ध कार्यवाही, गलत निस्तारण पर होगी सख्त कार्यवाही अधिकारीयों को दी चेतावनी

शहजादे

कोरॉंव, प्रयागराज। सम्पूर्ण समाधान दिवस कोरॉंव में समय से पहुंचे जिलाधिकारी प्रयागराज मनीष कुमार वर्मा एवं डी सी पी यमुना नगर विवेक कुमार यादव ने लम्बी कतार में दिखे फरियादियों की समस्याएं सुनी, और सम्बंधित अफसरों को चेतावनी भरे लहेजे में सरकारी गाइड लाइन के मुताबिक स्थलीय जांच कर फरियादियों को समस्याएं दूर करने का हुक्म दिया,

डीएम ने कहा कि यह तहसील जिला मुख्यालय से काफी दूर है, फरियाद करने वाले जब यहाँ से मेरे पास आते हैं तो लगता है कि जनता को तक लीफे होंती हैं यदि स्थानीय अधिकारी शिकायत को ईमानदारी से निस्तारण करते हैं तो समस्याएँ दूर हो जाएंगी, उन्होने कहा कि आज मैं किसी को दण्डित नहीं करना चाहता अगली तहसील दिवस में मुझे फिर आना पड़ेगा, दोषी कर्मचारी अफसर नहीं बख्से जायेंगें,

डीएम ने एसडीम कोरॉंव और तहसील दार को निर्देशित किया कि ग्राम समाज कि जमीनों नाली चकमार्ग बंजर नविन परती खलिहॉंन आदि की भूमि पर कत्तई अवैध कब्जा नहीं होने चाहिए अतिचारी चाहे जितनी पकड़ वाला हो उसे कब्जा मुक्त करायें और बाधा डालने वालों को जेल भेजा जाये, इस बावत पुलिस अधीकारियों थाना प्रभारियों को राजस्व विभाग का सहयोग और विधिक कार्यवाही के निर्देश दिए।

डीएम ने बेसिक शिक्छा विभाग एवं बाल विकास पुष्टांहार विभाग समाज कल्याण विभाग द्वारा लगे स्टाल का अवलोकन किया और होंशला आफजाई किया।

जनहित में सामाजिक कार्यकर्ता ने की मांग

सोशल एक्टिवष्ट वरिष्ठ पत्रकार ग्राम प्रधान शहजादे ने डीएम से मांग रखी कि कोरॉंव तहसील में नोटरी हलाफनामा की नियुक्ति नहीं है ब्यवस्था कराई जाए और ट्रेजरी के लिए लोगों को अयोध्या जाना पड़ता है इस लिए लोगों को सुविधा हेतु तहसील कोरॉंव में ही ब्यवस्था सुनिश्चित होनी चाहिए, डीएम ने आश्वाशन दिया।

विकलांग के पास बैठ कर डीएम ने सुनी समस्या

डीएम ने खीरी से आये एक गरीब विकलांग जो भूमि पर भीड़ के कारण बैठा था उसके पास डीएम बैठ गए और समस्या सुनी पीडी प्रयागराज को त्वरित समस्या निदान करने का आदेश दिया।

कर्मचारियों में दिखा हड़कंप

डीएम के प्रारंभिक आगमन सुन कर लेखपाल कानून गो आदि शिकायत फर्जी निस्तारण करने वाले भयभीत रहे, क्योंकि कोरॉंव तहसील में फर्जी निस्तारण ज्यादा हूए हैं पूर्व एसडीम पर डीएम ने नाराजगी भी ब्यक्त की थी और नोटिस दी थी, डीएम ने पुलिस राजस्व स्वस्थ शिक्छा विभाग विकास बिजली विभाग आदि को चेताया की मनमानी निस्तारण शिकायतों की हुई क्रास चेकिंग कराई तो खैर नहीं।

गौशाला नगर पंचायत कोरॉंव का किया आकस्मिक निरीक्षण

डीएम ने नगर पंचायत कोरॉंव में निमार्णाधिन कान्हा गौशाला का शिकायतोपरान्त निरिक्षण किया और गुणवत्ता पर नाराजगी जताई, ईंट और सामग्री को जांच हेतु साथ भी ले गए, और बीस प्रतिशत कटौती करने की बात कही।

अधिवक्ताओं, पत्रकारों व समाज सेवियों से मिले

डीएम तहसील में एसडीम के चेम्बर में बैठ कर पानी की टंकी और शौंचालय तथा तहसील में जल जमाव के बारे में ज्ञापन लिया और समस्या निदान का आश्वासन दिया, फिलहाल कुल मिला कर 642आवेदन प्राप्त हुए,जिसमें राजस्व विभाग टॉप पर रहा 235 शिकायतें दूसरे नंबर पर 80 आवेदन पुलिस विभाग विकास के 65,विद्युत के 11,बेलन नहर 06,पी डब्लू डी के 10,बेसिक शिकच्छा 02,माध्यमिक शिक्छा के 02,चकबंदी के 01,आपूर्ति के 15,अन्य विभाग के 209,शिकायतें दर्ज हुई।

मांडा के 193 गांवों में रातभर बिजली गुल : पेयजल आपूर्ति बाधित गर्मी में ग्रामीणों की बढ़ी परेशानी

मांडा, प्रयागराज। क्षेत्र में बिजली कटौती से जनजीवन प्रभावित हुआ है। गुरुवार रात 193 गांव पूरी तरह अंधेरे में रहे, जिससे पेयजल आपूर्ति भी बाधित हुई। गर्मी बढ़ने के साथ ही बिजली व्यवस्था चरमरा गई है। निर्धारित रोस्टर के बावजूद लगातार अघोषित कटौती हो रही है। निवासियों को रात में लगातार चार घंटे भी बिजली नहीं मिल पा रही है। कई स्थानों पर पंपिंग स्टेशन बंद होने से पेयजल संकट उत्पन्न हो गया है।

यह समस्या मांडा क्षेत्र की 69 ग्राम पंचायतों के लगभग 193 गांवों को प्रभावित कर रही है। इन गांवों को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए मांडारोड, भारतगंज, हाटा, सुर-वंदलापुर और नेवढ़िया में विद्युत उपकेंद्र स्थापित हैं। इसके बावजूद उपभोक्ताओं को पर्याप्त बिजली नहीं

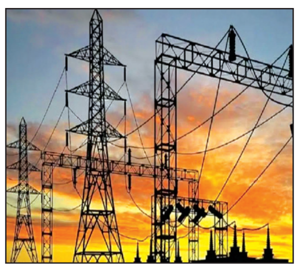

मिल पा रही है।

स्थानीय निवासियों महेन्द्र तिवारी, अजय कुमार,जय प्रकाश मिश्र, प्रमोद कुमार व रामेश्वर त्रिपाठी, अमन कुमार, कमलेश सिंह ने बताया कि बार-बार बिजली गुल होने से बच्चों की पढ़ाई, व्यापारिक गतिविधियां और दैनिक कामकाज प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने विद्युत विभाग से जल्द व्यवस्था सुधारने और अघोषित कटौती पर रोक लगाने की मांग की है।

2027 फतह के लिए घर-घर पहुंचाएं अपना दल की विचारधारा : डॉ. पल्लवी पटेल

करछना में अपना दल कमेरावादी का कार्यकर्ता सम्मेलन, संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर जोर

अखंड भारत संदेश

करछना। करछना विधानसभा क्षेत्र में शनिवार को अपना दल कमेरावादी की ओर से कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन कैथी चौराहे के पास स्थित एस.के. गेस्ट हाउस में किया गया। सम्मेलन की मुख्य अतिथि सिराथू विधायक डॉ. पल्लवी पटेल ने कार्यकताओं और पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम की शुरूआत अपना दल कमेरावादी के संस्थापक डॉ. सोनेलाल पटेल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के बाद हुई। इसके बाद डॉ. पल्लवी पटेल ने करछना विधानसभा सहित बारा, कोरांव और मेजा विधानसभा क्षेत्रों में विधानसभा अध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष तथा सेक्टर से लेकर बूथ स्तर तक संगठन के गठन की समीक्षा की। कुछ कार्य अधूरे पाए जाने पर उन्होंने संबंधित विधानसभा एवं ब्लॉक अध्यक्षों को फटकार लगाते हुए संगठनात्मक कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव में सफलता हासिल करने के लिए कार्यकताओं को दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ काम करना होगा। कार्यकर्ता घर-घर जाकर अपना दल कमेरावादी की नीतियों और विचारधारा से लोगों को अवगत कराएं, ताकि अधिक से अधिक लोग दल की विचारधारा से जुड़कर संगठन को मजबूत बनाने में सहयोग करें।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए डॉ. पल्लवी पटेल ने प्रदेश सरकार

पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश में लूट, हत्या, दुराचार और भ्रष्टाचार जैसी घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अपराध और भ्रष्टाचार पर प्रभावी अंकुश लगाने में विफल रही है। उन्होंने कार्यकताओं और आम जनता से सवाल करते हुए कहा कि जो सरकार जनता की सुरक्षा नहीं कर सकती, क्या ऐसी सरकार को दोबारा सत्ता में लाना चाहिए? उन्होंने कहा कि जनता को आगामी 2027 के चुनाव में ऐसी सरकार को सत्ता से हटाने का काम करना होगा।

उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश का किसान तथा मजदूर सरकार की नीतियों से परेशान है। उन्होंने पेट्रोल में कथित मिलावट का मुद्दा उठाते हुए कहा कि जनता पेट्रोल की कीमत चुकाती है, लेकिन उसे मिलावटी ईंधन मिलने से वाहनों में खराबी आ रही है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार चरम पर है और यही कारण है कि अधिकारी एवं सत्ता में बैठे लोग अपराधों पर प्रभावी ढंग से रोक लगाने में असफल साबित हो रहे हैं। सम्मेलन में बड़ी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं आम जनमानस मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान संगठन को मजबूत करने और आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर कार्यकताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष जमुनापार एडवोकेट रमेश चन्द्र पटेल ने किया संचालन प्रदेश सचिव उमेश पटेल ने किया। मंच पर राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अजय पटेल, बौद्धिक मंच प्रदेश अध्यक्ष अबरार अहमद, किसान मंच के प्रदेश सचिव , जिलाध्यक्ष सांस्कृतिक मंच प्रेमचंद पटेल, मंडल सचिव रामसागर पटेल, जिलाध्यक्ष युवा मंच अभय पटेल, जिला मिडिया प्रभारी रामबाबू पटेल, जिलाध्यक्ष महिला मंच दुर्बेश पटेल, विधान सभा अध्यक्ष करछना एडवोकेट देशराज पटेल, अरविंद पटेल, ओम जी पटेल, विधान सभा डॉ हीरालाल पटेल, जिला, महासचिव नन्दलाल पटेल, सोराव के पूर्व विधान सभा दिलीप पटेल विधान सभा अध्यक्ष बारा महिला मंच रेशमा बिंद, अंगूरा देवी, पूजा पटेल, नारी शक्ति महिला प्रदेश अध्यक्ष चन्द्रावती सहित हजारो की संख्या मे कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भारतगंज चौकी के सामने बंगलिया पहाड़ पर अवैध खनन

प्रशासन की नाक के नीचे चल रही गतिविधियां, विभागों की चुप्पी पर सवाल

अखंड भारत संदेश

मांडा, प्रयागराज। राजापुर में भारतगंज पुलिस चौकी के ठीक सामने स्थित बंगलिया पहाड़ पर पिछले कई दिनों से कथित तौर पर अवैध खनन जारी है। इस खुलेआम हो रहे खनन पर जिम्मेदार विभागों की चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि खनन माफिया बिना किसी भय के लगातार पहाड़ से खनिज निकाल रहे हैं। इस गतिविधि से पर्यावरण को गंभीर क्षति पहुँच रही है और प्राकृतिक संपदा का तेजी से क्षरण हो रहा है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि समय पर कार्रवाई नहीं हुई तो भविष्य में इसके गंभीर परिणाम होंगे।

एसडीएम मेजा ने दिया आश्वासन

इस संबंध में, एसडीएम मेजा अजीत प्रताप सिंह से बात करने पर उन्होंने बताया कि वे इस मामले का तत्काल संज्ञान लेंगे और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

प्रयागराज को मिली राष्ट्रीय विद्यालयीय वालीबाल प्रतियोगिता की मेजबानी

प्रयागराज। जनपद, मण्डल एवं प्रदेश स्तर की वार्षिक खेलकूद कार्यक्रम घोषित किया गया। जिला विद्यालय निरीक्षक, प्रयागराज डॉ सन्तोष कुमार राय ने बताया कि इस वर्ष राष्ट्रीय विद्यालीय वालीबाल अण्डर-19 आयु वर्ग (बालक/बालिका) प्रतियोगिता 2026-27 के आयोजन का दायित्व जनपद प्रयागराज को सौंपा गया है,साथ ही दो प्रदेश स्तर की प्रतियोगिताएं वालीबाल एवं एथलेटिक्स के भी आयोजन का दायित्व जनपद प्रयागराज को सौंपा गया है। प्रदेशीय प्रतियोगिता माह सितम्बर एवं नवम्बर तथा राष्ट्रीय प्रतियोगिता जनवरी, 2027 में सम्पन्न कराया जाना प्रस्तावित है। प्रतियोगिता के आयोजन से संबंधित समस्त तैयारियां जोर-शोर से प्रारंभ कर दी गयी है। जनपदीय खेल सचिव बृजेश चन्द्र श्रीवास्तव के अनुसार तहसील स्तर का वार्षिक खेल कार्यक्रम तहसील संयोजक अथवा तहसील क्रीड़ा सचिव पृथक रूप से जारी करेगें।

कांवड़ यात्रा की तैयारियों में जुटा प्रशासन, मार्गों से लेकर शिवालयों तक दुरुस्त होंगी व्यवस्थाएं

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। आगामी कांवड़ यात्रा को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। शनिवार को जिला पंचायत सभागार में अपर जिलाधिकारी (नगर) सत्यम मिश्र की अध्यक्षता में संबंधित विभागों और कांवड़ समिति के पदाधिकारियों के साथ बैठक हुई। इसमें यात्रा मार्गों, शिवालयों और स्नान घाटों पर सभी व्यवस्थाएं समय रहते पूरी करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में अपर जिलाधिकारी ने कहा कि कांवड़ मार्गों पर बैरिकेडिंग, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, मोबाइल शौचालय, पेयजल टैंकर, साफ-सफाई और घाटों पर लाइटिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही मार्गों पर जाम की स्थिति न बने, इसके लिए ट्रैफिक डायवर्जन की प्रभावी योजना तैयार करने के निर्देश दिए। प्रमुख स्थानों पर विभागवार शिफ्ट में कर्मचारियों की तैनाती भी सुनिश्चित करने को कहा गया।

उन्होंने लोक निर्माण विभाग को कांवड़ मार्गों को गड्ढामुक्त करने, नगर निगम को सड़क मरम्मत और जलभराव रोकने तथा विद्युत विभाग को जर्जर व लटके हुए तार तत्काल ठीक कराने के निर्देश दिए। राष्ट्रीय राजमार्गों पर बने अवैध कटों को कांवड़ यात्रा शुरू होने से पहले बंद कराने के लिए भी कहा गया।

अपर जिलाधिकारी ने पुलिस विभाग को यात्रा मार्गों पर कानून व्यवस्था बनाए रखने, प्रमुख चौराहों पर पुलिस बल तैनात करने तथा यात्रा मार्ग पर पड़ने वाली मीट-मांस की दुकानों को नियमानुसार बंद कराने के निर्देश दिए। वहीं, लंगर और भंडारों का आयोजन सड़क से सुरक्षित दूरी पर कराने पर भी जोर दिया गया।

स्वास्थ्य विभाग को कांवड़ मार्ग पर स्थित सीएचसी और पीएचसी में चिकित्सकों, आवश्यक दवाओं और एंबुलेंस की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही मंदिरों में प्रवेश और निकास के अलग-अलग मार्ग, पार्किंग व्यवस्था तथा डीजे की आवाज शासन के निर्धारित मानकों के अनुरूप रखने के निर्देश भी दिए गए। नियमों का उल्लंघन करने पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई।

दो पक्षों में मार पीट कई घायल दोनों ओर से मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम दुबाही में दो पक्षों में काफी दिनों से पुरानी रंजिश चली आ रही है। एक पक्ष के हबीबुन निशां पत्नी बरकत अली का आरोप है कि विपक्षी एक राय होकर घर पर चढ आए लाठी डंडा से मारे पीटे जिसमें परिवार के कई लोगों को चोटें आयी है। हबीबुन निशां ने मऊआइमा थाना में अमजद अली, अकरम, सगीर, जमाल, साबित, शहजाद, रिजवाना, अफसाना, मुस्कन, नूरजहां के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दी है। जबकि दूसरे पक्ष के जमाल उद्दीन पुत्र सिराज उद्दीन का आरोप है कि विपक्षी एक जुट होकर लाठी डंडा से परिजनों को मारे पीटे जिसमें कई को चोटें आयी हुई है। जमाल उद्दीन ने भी बरकत अली, असलम, आजाद, अरमान, शहरूख, हबीबुन निशां, सरवरी बानो, सूबी बानो, साबिर, सैफ, शबनम, गुड़िया के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

नेतृत्व की नई टीम तैयार, सेंट जोसेफ स्कूल में 12 छात्र-छात्राओं ने संभाली जिम्मेदारी

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़। सेंट जोसेफ सीनियर सेकेंडरी स्कूल, शंकरगढ़ में शनिवार को सत्र 2026-27 के लिए आयोजित इन्वेस्टिचर सेरेमनी में नई छात्र नेतृत्व टीम का गठन किया गया। मुख्य अतिथि एसीपी बारा वेदव्यास मिश्रा ने नवनियुक्त छात्र पदाधिकारियों को बैज एवं सैश पहनाकर पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। उन्होंने विद्यार्थियों से नेतृत्व, अनुशासन और सेवा भावना के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया।

समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और प्रार्थना के साथ हुआ। इसके बाद स्कूल कैबिनेट की घोषणा, हाउस फ्लैग हस्तांतरण, शपथ ग्रहण, कोयर

प्रस्तुति और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया।

मुख्य अतिथि वेदव्यास मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि आज के दौर में धन का महत्व जरूर है, लेकिन शिक्षा के बिना धन भी व्यक्ति के जीवन को सही दिशा नहीं दे सकता। पढ़ाई ही सफलता, सम्मान और अच्छे चरित्र की सबसे मजबूत नींव है। उन्होंने विद्यार्थियों से ईमानदारी, अनुशासन और कड़ी मेहनत के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया।विद्यालय के प्रधानाचार्य फादर विल्सन ने कहा कि इन्वेस्टिचर सेरेमनी केवल पद वितरण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, जिम्मेदारी और सेवा भावना विकसित करने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि छात्र परिषद विद्यालय और विद्यार्थियों के बीच एक मजबूत कड़ी के रूप में कार्य करेगी तथा अनुशासन और सकारात्मक माहौल बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

इस अवसर पर आलोक केसरवानी को हेड बॉय तथा अंजिल केसरवानी को हेड गर्ल बनाया गया। इसके अलावा अर्पित पाल (रेड हाउस कैप्टन), शिवानी पटेल (रेड हाउस वाइस कैप्टन), दिव्यांश केशरवानी (ग्रीन हाउस कैप्टन), निधि सिंह (ग्रीन हाउस वाइस कैप्टन), प्रांशुल साहू (येलो हाउस कैप्टन), जया सिंह (येलो हाउस वाइस कैप्टन), अमर गुप्ता (ब्लू हाउस कैप्टन), प्रतीक्षा त्रिपाठी (ब्लू हाउस वाइस कैप्टन), अनंत ओझा (स्पोर्ट्स कैप्टन) तथा अंजलि मिश्रा (स्पोर्ट्स वाइस कैप्टन) को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गईं।कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया। शिक्षकों, अभिभावकों एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की मौजूदगी में राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन हुआ।

10 अगस्त तक करें कृषि यंत्रों की बुकिंग, अनुदान का मिलेगा लाभ

प्रयागराज। कृषि विभाग ने किसानों से कृषि यंत्रीकरण योजनाओं का लाभ लेने के लिए 10 अगस्त तक ऑनलाइन कृषि यंत्रों की बुकिंग करने की अपील की है। विभागीय पोर्टल पर बुकिंग के माध्यम से किसानों को विभिन्न कृषि यंत्रों, कृषि ड्रोन, कस्टम हायरिंग सेंटर और फार्म मशीनरी बैंक जैसी योजनाओं में अनुदान का लाभ मिलेगा।उप कृषि निदेशक पवन कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि किसान विभाग की वेबसाइट पर जाकर या किसी भी जन सेवा केंद्र के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 10 अगस्त निर्धारित की गई है। अधिक जानकारी के लिए किसान उप कृषि निदेशक कार्यालय, मुंडेरा मंडी परिसर, प्रयागराज से संपर्क कर सकते हैं।उन्होंने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन (सीआरएम) योजना के तहत एकल कृषि यंत्रों पर अधिकतम 50 प्रतिशत और कस्टम हायरिंग सेंटर पर 80 प्रतिशत तक अनुदान दिया जाएगा। वहीं कृषि यंत्रीकरण योजना के तहत ग्रामीण उद्यमियों के लिए कस्टम हायरिंग सेंटर पर 40 प्रतिशत तथा एकल कृषि यंत्रों पर अधिकतम 50 प्रतिशत तक अनुदान का प्रावधान है। कृषि ड्रोन योजना का लाभ कृषि स्नातकों, एग्रीजंक्शन, ग्रामीण उद्यमियों और एफपीओ को मिलेगा, जबकि फार्म मशीनरी बैंक योजना केवल एफपीओ के लिए लागू होगी।यदि निर्धारित लक्ष्य से अधिक आवेदन प्राप्त होते हैं तो लाभार्थियों का चयन ई-लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा। आवेदन के समय किसानों को यंत्र के अनुसार निर्धारित जमानत राशि ऑनलाइन जमा करनी होगी। चयन न होने पर यह राशि वापस कर दी जाएगी।उप कृषि निदेशक ने किसानों से अपील की है कि अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय रहते ऑनलाइन बुकिंग कर योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करें।

मंत्री संजय निषाद बोले- हर निषाद बाहुल्य गांव में बनेगी डिजिटल लाइब्रेरी, शिक्षा से ही होगा समाज का उत्थान

पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करते मंत्री संजय निषाद, काम के दम पर मिला सम्मान, विरोधियों के आरोप बेबुनियाद

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। प्रयागराज में शनिवार को निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद ने कहा कि निषाद बाहुल्य गांवों में डिजिटल लाइब्रेरी, प्रशिक्षण केंद्र, मैरिज हॉल और अन्य सामुदायिक सुविधाएं विकसित करने की योजना बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही समाज के उत्थान का सबसे बड़ा माध्यम है, इसलिए गरीब बच्चों को गांव में ही पढ़ाई, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और ऑनलाइन सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।उन्होंने कहा कि निषाद पार्टी ने समाज को नई राजनीतिक पहचान दिलाई है और आज पार्टी के विधायक, जनप्रतिनिधि व पदाधिकारी सरकार में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। डॉ. निषाद ने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने का आह्वान करते हुए कहा कि मजबूत संगठन ही समाज को राजनीतिक भागीदारी, रोजगार और अधिकार दिला सकता है। उन्होंने 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा-निषाद पार्टी गठबंधन की ऐतिहासिक जीत का दावा करते हुए कार्यकर्ताओं से गांव-गांव तक पार्टी का संदेश पहुंचाने की अपील की। डॉ. संजय निषाद ने कहा कि निषाद समाज में उनकी स्वीकार्यता किसी व्यक्ति विशेष के दावे से नहीं, बल्कि वर्षों के संघर्ष और कार्यों के आधार पर बनी है। उन्होंने कहा कि निषाद पार्टी ने समाज को राजनीतिक पहचान दिलाई और भाजपा के साथ गठबंधन के जरिए निषाद समाज की भागीदारी बढ़ाई। हाल ही में दिए गए एक बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि समाज का नेतृत्व केवल दावा करने से नहीं, बल्कि आंदोलन, जेल यात्रा, संगठन निर्माण और समाज के हित में किए गए कार्यों से तय होता है। उन्होंने दावा किया कि निषाद पार्टी बनने के बाद समाज की राजनीतिक ताकत बढ़ी और आज पार्टी के विधायक व जनप्रतिनिधि सरकार में प्रभावी भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी का विस्तार कई राज्यों में हुआ है और कार्यकर्ताओं के दम पर आगे भी संगठन को मजबूत किया जाएगा।

रेलवे ओवरब्रिज पर महिला से पर्स लूटकर भागे बदमाश, सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। हंडिया थाना क्षेत्र के भेसकी रेलवे ओवरब्रिज पर शनिवार को दिनदहाड़े बाइक सवार दो बदमाशों ने ई-रिक्शा से जा रही महिला का पर्स झपट लिया और फरार हो गए। घटना से इलाके में दहशत फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, उतरांव थाना क्षेत्र के कहरा निवासी मोहम्मद मकसूद अपनी पत्नी तय्यबा बानो के साथ हंडिया स्थित ससुराल से ई-रिक्शा से घर लौट रहे थे। इसी दौरान रेलवे ओवरब्रिज पर पीछे से आए बाइक सवार दो युवकों ने झपट्टा मारकर महिला का पर्स छीन लिया और तेज रफ्तार से भाग निकले।

महिला के शोर मचाने पर आसपास के लोगों ने बदमाशों का पीछा करने का प्रयास किया, लेकिन वे फरार होने में सफल रहे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोनों बदमाशों ने अपने चेहरे कपड़े से ढक रखे थे, जिससे उनकी पहचान नहीं हो सकी।

घटना की सूचना मिलते ही सहायक पुलिस आयुक्त हंडिया शेषधर पांडेय पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और बदमाशों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। दिनदहाड़े हुई वारदात के बाद स्थानीय लोगों में नाराजगी है। लोगों ने रेलवे ओवरब्रिज और आसपास के क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ाने तथा सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

छिवकी गांव में तीन दिन से पेयजल संकट, ग्रामीण परेशान

नैनी। नैनी क्षेत्र के छिवकी गांव में पिछले तीन दिनों से पेयजल संकट गहरा गया है। पानी की आपूर्ति बाधित होने से ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि नियमित जलापूर्ति न होने के कारण दैनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं और पेयजल के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि पानी की समस्या के साथ-साथ क्षेत्र में बिजली की कटौती भी हो रही है। बिजली आने पर लोग टुल्लू पंप के सहारे पानी भरने का प्रयास करते हैं, लेकिन जलापूर्ति केवल एक-दो घंटे के लिए ही हो रही है जिससे सभी लोगों को पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से जल्द से जल्द नियमित जलापूर्ति और निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि लोगों को राहत मिल सके।

बारा समाधान दिवस : हाथ में गंदे पानी की बोतल लेकर पहुंचा कचरा गांव का युवक, भू-माफियाओं के कब्जे और चकमार्ग विवाद की भी रही गूंज

बारा,प्रयागराज। बारा तहसील सभागार में एसडीएम बारा चंदन सिंह यादव की अध्यक्षता में शनिवार को 'संपूर्ण समाधान दिवस' का आयोजन किया गया। इस बैठक में हमेशा की तरह जमीनी विवाद के मुद्दे छाए रहे, लेकिन इस बार जनता बुनियादी सुविधाओं जैसे साफ पानी और विकास कार्यों को लेकर भी बेहद मुखर दिखी।

अधिकारियों के सामने रखी प्रदूषित पानी की बोतल

समाधान दिवस में उस वक्त सभी का ध्यान आकर्षित हुआ जब विकास खंड जसरा के ग्राम पंचायत कचरा निवासी राहुल हाथ में प्रदूषित पानी से भरी एक बोतल लेकर अधिकारियों के सामने पहुंच गया। राहुल ने गांव में आ रहे दूषित पानी की समस्या को दिखाते हुए प्रशासन से हैंडपंप को तत्काल रिबोर कराने की मांग की, ताकि ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल मिल सके।

भू-माफियाओं के अवैध कब्जे और अटके चकमार्गों पर फूटा गुस्सा

जमीन से जुड़े मामलों में अधिकारियों के सामने पुरानी शिकायतों पर कार्रवाई न होने का मुद्दा प्रमुखता से उठा।?शिवराजपुर के पंचेश्वर त्रिपाठी ने शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया कि उनकी भूमिधरी जमीन पर भू-माफियाओं ने अवैध कब्जा कर लिया है। उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि वे इस संबंध में पहले भी शिकायत कर चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

गोबरा तरहार निवासी नरेंद्र बहादुर सिंह ने भी अपनी व्यथा सुनाई। उन्होंने बताया कि वे पिछले कई समाधान दिवसों से गांव का चकमार्ग खाली कराने के लिए चक्कर काट रहे हैं, परंतु प्रशासन के आश्वासनों के बावजूद जमीन पर स्थिति ज्यों की त्यों बनी हुई है।

पंचायत भवन निर्माण की उठी मांग

बुनियादी ढांचे की कमी को लेकर अकौरिया गांव के उदय भान सिंह ने अधिकारियों को शिकायती पत्र सौंपा। उन्होंने बताया कि उनके गांव में अब तक पंचायत भवन नहीं बन सका है, जिससे ग्रामीणों को प्रशासनिक कार्यों में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने जल्द से जल्द पंचायत भवन निर्माण की प्रक्रिया शुरू कराने की मांग की। जनता की शिकायतों को गंभीरता से सुनने और उनके मौके पर निस्तारण के लिए समाधान दिवस में तहसीलदार बारा अनिल कुमार पाठक, नायब तहसीलदार विजय कुमार, बीडीओ शंकरगढ़ सुनील कुमार सिंह, और बीडीओ जसरा शमा सिंह सहित विभिन्न विभागों के आला अधिकारी मौजूद रहे। एसडीएम ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों का समय सीमा के भीतर और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि फरियादियों को बार-बार चक्कर न काटना पड़े।

मेजा स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय तक जाने वाले मार्ग की दशा बदहाल, बढ़ी परेशानी

जिले के इकलौते विद्यालय में जाने के लिये घने जंगल के बीचों बीच दशकों पूर्व पत्थर युक्त बने इस मार्ग की हालत है जर्जर बड़े-बड़े गड्ढे दुर्घटना को दे रहे हैं दावत, छात्र छात्राओं, शिक्षकों और अभिभावकों को विद्यालय तक पहुंचने में हो रही भारी परेशानी

अखंड भारत संदेश

जोखिम भरा है जवाहर नवोदय विद्यालय तक जाने वाला मार्ग

मेजा। मेजा खास स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय तक पहुंचने वाली सड़क वर्षों से बदहाल अवस्था में पड़ी हुई है। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन संचालित इस प्रतिष्ठित विद्यालय तक आवागमन के लिए बनाई गई सड़क,छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, अभिभावकों और स्थानीय लोगों के लिए भारी परेशानी का कारण है। सभी को जंगल, झाड़ियों तथा गड्ढों से भरे उबड़-खाबड़ रास्ते से होकर गुजरना पड़ता है। सड़क की खराब स्थिति के कारण विद्यालय तक बाइक चार पहिया वाहन से पहुंचना भी बेहद कठिन है। स्थानीय लोगों का कहना है कि तीन दशक पहले विद्यालय का निर्माण जंगल के बीच सरकारी जमीन पर किया गया था, उसी समय वन विभाग की जमीन पर संपर्क मार्ग भी बनाया गया था, लेकिन समय के साथ सड़क पूरी तरह जर्जर हो गई। जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे, उखड़ी हुई सड़क और पत्थर आने-जाने वालों के लिए परेशानी का कारण बने हुए हैं। बरसात के दिनों में गड्ढों में पानी भर जाने से जहां स्थिति और अधिक खराब हो जाती है वहीं दुर्घटना की भी आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों के अनुसार विद्यालय में पढ़ने वाले छात्र छात्राओं के अभिभावकों और कर्मचारियों को प्रतिदिन इसी रास्ते से होकर गुजरना पड़ता है। कई बार वाहन बीच रास्ते में फंस जाते हैं, ऐसे में लोगों को पैदल चलकर ही विद्यालय तक पहुंचना पड़ता है।आपात स्थिति में भी इस मार्ग से आवागमन करना काफी मुश्किल भरा है। ग्रामीणों का कहना है कि जवाहर नवोदय विद्यालय देश के प्रमुख आवासीय शिक्षण संस्थानों में से एक है, जहां दूर-दराज के क्षेत्रों से छात्र-छात्राएं अध्ययन करने आते हैं। ऐसे महत्वपूर्ण संस्थान तक जाने वाली सड़क का वर्षों से बदहाल रहना विकास कार्यों पर सवाल खड़ा करता है। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन, लोक निर्माण विभाग तथा संबंधित अधिकारियों से विद्यालय तक जाने वाली सड़क की अविलंब मरम्मत कराकर गड्ढा मुक्त और सुगम सुरक्षित मार्ग बनाए जाने की मांग की है। उनका कहना है कि अच्छी सड़क बनने से छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों और आम नागरिकों को राहत मिलेगी तथा विद्यालय तक आवागमन भी आसान हो सकेगा।

कार्यालय नगर पंचायत शंकरगढ़, प्रयागराज

पत्रांकः 322/न0 पा0 शं0/2026-27

-: निविदा सूचना :-

दिनांक : 17.07.2026

एतद्वारा सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत शंकरगढ़, प्रयागराज को वित्तीय वर्ष 2026–27 में ''पं0 दीन दयाल उपाध्याय नगर विकास योजना अनुदान सं0–37 की प्राप्त धनराशि से नगर पंचायत शंकरगढ़ सीमान्तर्गत निर्माण कार्य कराये जाने हेतु पंजीकृत ठेकेदारों / फर्मो से निविदाएं दिनांक 12.08.2026 को अपरान्ह 01:00 बजे तक आन लाईन आमंत्रित की जाती है। तदोपरान्त उक्त निविदाएं दिनांक 12.08.2026 को अपरान्ह 02:00 बजे कार्यालय नगर पंचायत शंकरगढ़ प्रयागराज में अधोहस्ताक्षरी द्वारा खोली जायेगी, यदि उक्त तिथि में कोई सार्वजनिक अवकाश रहता है तो समस्त निविदाएं आगामी कार्य दिवस में खोली जायेगी। किसी एक अथवा समस्त निविदाओं को निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा।

क्र0	कार्य का नाम	आगणन धनराशि (रू0 में	निविदा शुल्क जी.एस.टी. सहित (रू0 में	धरोहर धनराशि (10%)	कार्य अवधि
1.	वार्ड नं0 02 डूडा कालोनी में वाहन वासिंग सेन्टर का निर्माण कार्य।	4.37	515.00	43700.00	1 माह
2.	वार्ड नं0 04 लाला का पुरवा में बबुआ पाण्डेय के घर से सचिन के घर तक सी0सी0 रोड व नाली का निर्माण कार्य।	9.94	1173.00	99400.00	1 माह
3.	वार्ड नं0 04 लाला का पुरवा में सचिन केसरवानी से धर्मराज हास्पिटल तक सी0सी0 सड़क का निर्माण कार्य।	9.37	1106.00	93700.00	1 माह
4.	वार्ड नं0 04 लाला का पुरवा में आशीष बीज भण्डार से राजेश यादव के मकान तक सी0सी0 सड़क का निर्माण कार्य।	9.37	1106.00	93700.00	1 माह
5.	वार्ड नं0 06 धरम नगर में दीपक के मकान से रविन्द्र के मकान तक कवर्ड आर0सी0सी0 नाली का निर्माण कार्य।	7.18	847.00	71800.00	1 माह

नियम व शर्तेः-

1. निविदा के साथ–साथ 10 प्रतिशत धरोहर धनराशि नकद/एफडीआर / एनएससी अथवा आर.टी.जी.एस. के माध्यम से यूनियन बैंक आफ इण्डिया शाखा शंकरगढ़ में नगर पंचायत शंकरगढ़ के खाता संख्या 694302010009539 **IFSC Code UBIN**0569437 में जमा की जा सकती है जो कि अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत शंकरगढ़ प्रयागराज के पदनाम बंधक होगी। धरोहर धनराशि के बिना निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा।
2. निविदादाता को निविदा प्रकाशित तिथि के उपरान्त की एफ.डी.आर. को संलग्न करना अनिवार्य होगा। प्रकाशित निविदा की तिथि के पूर्व की एफ.डी.आर. की प्रति लगाने पर निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा।
3. सम्बंधित निर्माण कार्य के अनुरूप निदेशक, स्थानीय निकाय निदेशालय उ.प्र. लखनऊ के शासनादेश संख्या तक0 सेल/07/निदे0/2019 दिनांक 28 जून 2019 के अनुसार हैसियत प्रमाण पत्र की स्व प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य होगा।
4. निविदा शुल्क एवं अर्नेस्टमनी की स्कैन कापी निविदा के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा एंव शासनादेश संख्या–1/2018/3070/78–2–2018/42 आई.टी./2017(22) दिनांक– 03 जनवरी 2018 का पालन विभाग द्वारा पूर्ण रूप से किया जायेगा।
5. निविदा शर्तो के विरूद्ध निविदा डालने वाले ठेकेदार की जमानती धनराशि जब्त करते हुये काली सूची मे दर्ज कर दिया जायेगा।
6. निविदा के साथ जिलाधिकारी महोदय द्वारा जारी वैध चरित्र प्रमाण–पत्र एंव हैसियत प्रमाण–पत्र की स्व प्रमाणित प्रति अपलोड करना अनिवार्य होगा।
7. निविदा के साथ जारी वैध आयकर, जी.एस.टी., श्रमिक पंजीयन, प्रमाण–पत्र की स्व प्रमाणित प्रति अपलोड करना अनिवार्य होगा।
8. निविदादाता द्वारा विभागीय लागत से कम की निविदा डालने की दशा में शासनादेश सं0–622/23–12–2012–2 आडिट/09 टी.सी./2 दिनांकः–08.06.2012 के अनुसार 10 प्रतिशत से अधिक कम दर पर प्रति 1 प्रतिशत कम दर पर परफोरमेन्स गारन्टी की अतिरिक्त धरोहर धनराशि जमा करने के उपरान्त अनुबन्ध गठित किया जायेगा। निविदादाता द्वारा उक्त धनराशि जमा न किये जाने पर उसकी धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी।
9. प्रशासक / अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत शंकरगढ़ प्रयागराज को बिना कारण बताए निविदा शर्तो के प्रतिकूल निविदा डालने वाले ठेकेदार की धरोहर धनराशि जब्त करने एवं काली सूची में दर्ज करने का अधिकार होगा।
10. प्रशासक / अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत शंकरगढ़ प्रयागराज को बिना कोई कारण बताये किसी निविदा को निरस्त/स्वीकृत एवं अस्वीकृत करने का अधिकार सुरक्षित होगा।
11. कार्य स्थल पर लगे श्रमिको का उप श्रमायुक्त कार्यालय मे पंजीकरण कराकर सम्बन्धित ठेकेदार निर्माण विभाग को सूचित करेगा।
12. सम्बन्धित निविदादाता को कार्यालय नगर पंचायत शंकरगढ़ से प्राप्त नो ड्यूज प्रमाण पत्र की स्व प्रमाणित प्रति निविदा के साथ अपलोड करना अनिवार्य होगा, अन्यथा की स्थिति में निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा।
13. अपठनीय/अस्पष्ट स्कैन कापी निविदा के साथ अपलोड होने पर निविदा निरस्त कर दी जायेगी।
14. निविदादाता द्वारा आगणन से उच्च/न्यून प्रतिशत में निविदा दरे डाली जायेगी।
15. साथ–साथ उसके अगले 01 वर्षो तक रख–रखाव करना अनिवार्य है। जिसमे जमानत राशि (5%) रख–रखाव अवधि बीतने के पश्चात सड़कों के समुचित रख–रखाव होने की दशा में रिलीज की जायेगी तथा शासनादेश संख्या–24 वी.आई.पी. (1)/ नौ–5–2017–120 बजट/2013 नगर विकास अनुभाग–5 दिनांकः–24 अगस्त 2017 का पालन ठेकेदार को अनिवार्य रूप से करना होगा।
16. नियमानुसार आयकर, जी.एस.टी., श्रमकर, रायल्टी एवं समय–समय पर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार द्वारा जारी करों की कटौती की जायेगी।
17. निविदा स्वीकृत होने के उपरान्त निर्धारित कीमत के स्टाम्प पेपर पर 07 दिवस में अनुवन्ध कराना अनिवार्य होगा तथा साथ ही एक बान्ड/शपथ पत्र भी देना होगा। ससमय अनुवन्ध न कराने पर विना सूचना दिए निविदा निरस्त करते हुए जमानत जब्त कर दी जायगी।
18. सी.सी. निर्माण कार्य में बाइब्रेटर चलाना अनिवार्य होगा।
19. स्थल का निरीक्षण निविदादाता को टेण्डर देने के पूर्व करना होगा, बाद में किसी प्रकार की आपत्ति मान्य नहीं होगी।
20. कार्य निर्धारित अवधि में पूर्ण करना होगा। विलम्ब की दशा मे ठेकेदार के अनुबन्ध निरस्तीकरण की कार्यवाही की जा सकती है. जिसके लिये ठेकेदार का कोई क्लेम मान्य नही होगा।
21. निविदादाता निविदा खुलने के समय उपस्थित रह सकते है। निविदा खोले जाने की स्थिति में यदि अवकाश होगा तो निविदाये अगले कार्य दिवस में खोली जायेगी।
22. शासनादेश सं. 6738/23–7–06–1760 (सा0) / 06 दिनांक 31.01.2007 का अनुपालन करते हुए 40.00 लाख की धनराशि तक 10 प्रतिशत की दर से जमानत धनराशि और इसके ऊपर समस्त अवशेष धनराशि पर 05 प्रतिशत की दर से जमानत धनराशि निविदा के साथ ही जमा करायी जायेगी।
23. निविदा के साथ प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार द्वारा जारी यू0पी0 इलेक्ट्रोनिक्स कॉरपोरेशन लिमिटेड पंजीयन प्रमाण–पत्र की स्व प्रमाणित प्रति अपलोड करना अनिवार्य होगा।
24. निविदाओं में अंकित कार्यो की मात्रा में परिवर्तन हो सकता है, जिसके लिए ठेकेदार / फर्म का कोई दावा मान्य नही होगा।
25. कार्य में मात्रात्मक बदलाव की स्वीकृति, अतिरिक्त मद की स्वीकृति समक्ष अधिकारी द्वारा प्रदान किया जायेगा।
26. निविदा के साथ जमा जमानत राशि कार्य पूर्ण होने के 06 माह पश्चात् 05 प्रतिशत मुक्त किया जायेगा। शेष 05 प्रतिशत का सेक्युरिटी 01 वर्ष के पश्चात् अवमुक्त किया जायेगा।
27. उ0प्र0 भवन और सन्निर्माण कर्मकार (नियोजन तथा सेवा शर्त विनियमय) नियमावली 2009 के अनुसार कार्यो के निर्माण लागत का 01 प्रतिशत की दर से उक्त कार्य (सेस) की धनराशि उ0प्र0 भवन और सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड को स्थानान्तरित की जायेगी। जिसका समाविष्ट करते हुये निविदादाता अपनी निविदा दर अंकित करे। ठेकेदार को उपश्रमायुक्त कार्यालय में प्रत्येक कार्य का पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा तथा सफल निविदादाता को कार्य पर लगे श्रमिको का उपश्रमायुक्त कार्यालय मे पंजीकरण कराकर विभाग को सूचित करना होगा।
28. निविदा के साथ जारी वैघ आयकर, जी0एस0टी0, श्रर्मिक पंजीयन, प्रमाण–पत्र की स्व प्रमाणित प्रति अपलोड करना अनिवार्य होगा।
29. निविदादाता/फर्म द्वारा इस आशय का शपथ–पत्र निविदा के समय प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है, कि हाटमिक्स प्लान्ट का संचालन प्रदूषण नियंत्रण सम्बन्धी नियमों के अन्तर्गत संचालित किया जा रहा है। उपरोक्त की समस्त जिम्मेदारी निविदादाता/फर्म की होगी।
30. निविदा हेतु नगर विकास विभाग द्वारा प्रेषित एस.ओ.पी. का पूर्ण पालन करना होगा।
31. निविदा के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार का विवाद उत्पन्न होने पर न्यायियक क्षेत्राधिकार प्रयागराज होगा।
32. प्रत्येक कार्य के लिए अलग–अलग निविदाएं मान्य होंगी।
33. सशर्त निविदायें स्वीकार नहीं की जायेंगी।
34. निविदा स्वीकृति के उपरान्त निविदादाता/फर्म को कार्यालय नगर पंचायत शंकरगढ में पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा।
35. जिस निविदादाता के पक्ष में निविदा स्वीकृत होगी उसको निर्माण कार्य प्रारम्भ से पूर्व, कार्य के मध्य एवं कार्य पूर्ण होने के उपरान्त फोटोग्राफी कार्यालय को उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा।
36. स्वीकृत किये जा रहे कार्यो के कार्य स्थल पर राज्य स्तरीय टास्क फोर्स द्वारा नियत डिस्प्ले बोर्ड पर योजना का पूर्ण विवरण, कार्यदायी संस्था एवं कार्य प्रारम्भ होने तथा कार्य पूर्ण होने की सम्भावित तिथि आदि का उल्लेख ठेकेदार / फर्म द्वारा किया जायेगा।

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत शंकरगढ़
प्रयागराज

पार्वती
अध्यक्ष
नगर पंचायत शंकरगढ़
प्रयागराज

पत्थर नसब की कार्रवाई में लापरवाही पर प्रभारी डीएम ने राजस्व निरीक्षक से मांगा स्पष्टीकरण

अखंड भारत संदेश

लालगंज। सम्पूर्ण समाधान दिवस में जमीन सम्बन्धी मामले के निस्तारण में लापरवाही को लेकर प्रभारी डीएम ने राजस्व निरीक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। वही समाधान दिवस में जमीन सम्बन्धी ज्यादातर मामले देखकर भी प्रभारी डीएम मातहतों पर तल्ख दिखे। डीएम की अध्यक्षता में यहां समाधान दिवस को लेकर बड़ी संख्या में सुबह से ही फरियादी जमे दिखे। हालांकि जनपद मुख्यालय से बाहर होने के कारण डीएम अभिषेक पाण्डेय समाधान दिवस में नही आ सके। प्रभारी डीएम के रूप में मुख्य विकास अधिकारी राम मोहन मीना ने शिकायतो की सुनवाई की। सर्वाधिक शिकायतें राजस्व विभाग की छान्नवे, पुलिस की बीस व विकास की दो, बेसिक शिक्षा एक, विद्युत नौ, आपूर्ति दो व अन्य विभाग की सत्ताईस रही। कुल एक सौ सत्तावन शिकायतों में अफसरों ने ग्यारह शिकायतों का निस्तारण कराया। सीडीओ के सामने अगई के एक फरियादी ने जमीन सम्बन्धी पत्थर नसब की कार्रवाई न होने को लेकर राजस्व निरीक्षक के द्वारा लापरवाही को लेकर शिकायती प्रार्थना पत्र दिया। सीडीओ ने सम्बन्धित राजस्व निरीक्षक को तलब किया तब वह गैरहाजिर मिले। इस पर नाराजगी जताते हुए क्षेत्रीय राजस्व निरीक्षक धर्मराज का स्पष्टीकरण तलब कर लिया। सीडीओ ने ज्यादातर जमीनी विवादों में दोबारा शिकायतें देखी तब उनका पारा चढ़ आया। उन्होने नवागान्तुक एसडीएम वाचस्पति सिंह व तहसीलदार रवि यादव को रैण्डम चेकिंग के निर्देश दिये। पुलिस से जुड़ी शिकायतें सीओ राजीव द्विवेदी ने सुनीं। सीओ ने छोटे मोटे विवाद से जुड़े प्रार्थना पत्रों पर सम्बन्धित थाना प्रभारियों को स्वयं मौके पर निस्तारण कराए जाने के निर्देश दिये। इस मौके पर जिला पूर्ति अधिकारी अनुभव त्रिवेदी, नायब तहसीलदार वीरेन्द्र कुमार मिश्र, वन क्षेत्राधिकारी प्रेमचंद्र मिश्र, नायब तहसीलदार पंकज कुमार, एसडीओ विद्युत आशुतोष कुमार, बीडीओ लालगंज मानवेन्द्र शर्मा, अधीक्षक डा0 अरविन्द गुप्ता, पूर्ति निरीक्षक अमित शुक्ला आदि रहे।

उचित दर की दुकान तक नहीं पहुंच पा रहे राशन के ट्रक, कोटेदार घर से कर रहे वितरण

कुंडा। विकास खंड बाबागंज की चैरंग ग्राम पंचायत में लाखों रुपये की लागत से निर्मित मॉडल शॉप (उचित दर की दुकान) पहुंच मार्ग के अभाव में उपयोग से वंचित पड़ी है। रास्ता संकरा होने के कारण राशन लेकर आने वाले ट्रक दुकान तक नहीं पहुंच पा रहे हैं, जिससे कोटेदार को अपने घर से राशन वितरण करना पड़ रहा है।

जानकारी के अनुसार बाबागंज-हीरागंज मार्ग से लगभग 100 मीटर अंदर स्थित पंचायत भवन के समीप मॉडल शॉप का निर्माण कराया गया था। लेकिन पंचायत भवन तक जाने वाले मार्ग के दोनों ओर कथित अतिक्रमण और मकानों के निर्माण से रास्ता इतना संकरा हो गया है कि बड़े वाहन वहां तक नहीं पहुंच सकते। कोटेदार रमाशंकर तिवारी ने बताया कि उनकी मंशा मॉडल शॉप से ही राशन वितरण करने की है, लेकिन ट्रक के वहां तक न पहुंच पाने के कारण राशन को बीच रास्ते में उतारकर छोटे वाहनों से ले जाना पड़ता है। अतिरिक्त खर्च और असुविधा के चलते फिलहाल राशन का वितरण उनके घर से किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि मॉडल शॉप के निर्माण से पहले पहुंच मार्ग और अतिक्रमण की स्थिति का सही आकलन किया गया होता तो सरकारी धन से बने भवन का पूरा लाभ ग्रामीणों को मिल सकता था। ग्रामीणों ने प्रशासन से अतिक्रमण हटवाकर रास्ता सुगम बनाने तथा मॉडल शॉप का नियमित संचालन सुनिश्चित कराने की मांग की है।

पट्टी-रानीगंज मार्ग पर जलभराव से राहगीर परेशान

पट्टी। तहसील क्षेत्र में शनिवार देर शाम हुई बारिश ने नगर पंचायत की नाला सफाई व्यवस्था की पोल खोल दी। पट्टी-रानीगंज मार्ग पर जलभराव होने से राहगीरों और स्थानीय लोगों को आवागमन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। सड़क पर जमा पानी के कारण दोपहिया वाहन चालकों को विशेष परेशानी हुई, जबकि पैदल निकलने वाले लोगों को भी पानी से होकर गुजरना पड़ा।स्थानीय लोगों का आरोप है कि लंबे समय से नालियों की नियमित सफाई नहीं कराई गई है। इसी वजह से हल्की बारिश में भी पानी की निकासी नहीं हो पाती और सड़कें तालाब का रूप ले लेती हैं। जलभराव के कारण लोगों को दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है।स्थानीय निवासी राजकुमार, कन्हैयालाल, अमृतलाल, संजय कुमार, गुड्डू, सुरेश और गुलाब ने बताया कि कई बार नालियों की सफाई कराने की मांग की गई, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। उनका कहना है कि बरसात शुरू होते ही हर वर्ष यही स्थिति बन जाती है, फिर भी स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा है।लोगों ने नगर पंचायत प्रशासन से तत्काल नालियों की सफाई कराकर जलनिकासी की समुचित व्यवस्था कराने की मांग की है, ताकि बरसात के दौरान लोगों को इस समस्या से राहत मिल सके।

मतदेय स्थलों के की सूची को अन्तिम रूप दिये जाने के सम्बन्ध में बैठक सम्पन्न

जनपद में सम्भाजन के बाद 2809 मतदेय स्थल तथा 1683 मतदान केन्द्र हुये

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। अपर जिलाधिकारी (वि0ध्रा0) आदित्य प्रजापति की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में मतदये स्थलों की सूची को अन्तिम रूप दिये जाने के सम्बन्ध में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में बताया गया कि मतदेय स्थलों के प्रस्ताव के सम्बन्ध में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से प्राप्त दावे और आपत्तियों का निस्तारण करते हुये आज अन्तिम रूप दिया जा रहा है। मतदेय स्थलों के सत्यापन के बाद जनपद में कुल 20 मतदेय स्थलों के भवनो में परिवर्तन किया गया है। 19 भवन जर्जर पाये गये तथा 01 भवन अनुपयुक्त पाया गया। जनपद के समस्त विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में सम्भाजन के पूर्व 2893 मतदेय स्थल तथा 1683 मतदान केन्द्र थे। सम्भाजन के पश्चात मतदाताओ की संख्या कम होने के कारण 89 मतदेय स्थलों का समायोजन किया गया है। 02 नये मतदान केन्द्र बनाये गये हैं तथा 02 मतदान केन्द्रों को समाप्त किया गया है। इसके अतिरिक्त 1200 से अधिक मतदाता होने के कारण 5 नये मतदेय स्थल बनाये गये है। सम्भाजन के बाद जनपद में 2809 मतदेय स्थल तथा 1683 मतदान केन्द्र हो गये है।

बैठक में बताया गया कि 244-रामपुरखास विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में सम्भाजन के पूर्व 373 मतदेय स्थल तथा 215 मतदान केन्द्र थे। सम्भाजन के पश्चात मतदाताओ की संख्या कम होने के कारण 14 मतदेय स्थलों का समायोजन तथा दूरी अधिक होने के कारण 01 मतदान केन्द्र नया बनाया गया है। सम्भाजन के बाद 359 मतदेय स्थल तथा 216 मतदान केन्द्र हो गये है। 245-बाबागंज (अ0जा0) विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में सम्भाजन के पूर्व 372 मतदेय स्थल तथा 224 मतदान केन्द्र थे। सम्भाजन के पश्चात मतदाताओं की संख्या कम होने के कारण 23 मतदेय स्थलों का समायोजन तथा 1200 से अधिक मतदाता होने के कारण 02 नये मतदेय स्थल बनाये गये। सम्भाजन के बाद

351 मतदेय स्थल तथा 224 मतदान केन्द्र हो गये है। 246-कुण्डा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में सम्भाजन के पूर्व 419 मतदेय स्थल तथा 217 मतदान केन्द्र थे। सम्भाजन के पश्चात मतदाताओ की संख्या कम होने के कारण 17 मतदेय स्थलों का समायोजन किया गया है। 04 मतदेय स्थलों के मतदान केन्द्र जर्जरध्उपयुक्त न होने के कारण उनके स्थान पर भवनों को परिवर्तित कर 04 मतदेय स्थलों के मतदान केन्द्र बनाये गये है तथा 01 मतदान केन्द्र समाप्त किया गया है। सम्भाजन के बाद 402 मतदेय स्थल तथा 216 मतदान केन्द्र हो गये है। 247-विश्वनाथगंज विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में सम्भाजन के पूर्व 473 मतदेय स्थल तथा 289 मतदान केन्द्र थे। सम्भाजन के पश्चात मतदाताओं की संख्या कम होने के कारण 09 मतदेय स्थलों का समायोजन तथा मतदाता कम होने के कारण 01 मतदान केन्द्र कम किया गया है। इसके अतिरिक्त 1200 से अधिक मतदाता होने के कारण एक नया मतदेय स्थल बनाया गया है। 01 मतदान केन्द्र जर्जरध्उपयुक्त न होने के कारण उसके स्थान पर भवन परिवर्तित कर दूर से मतदान केन्द्र शिफ्ट किया गया है। सम्भाजन के बाद 465 मतदेय स्थल तथा 288 मतदान केन्द्र हो गये है। 248-प्रतापगढ़ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में सम्भाजन के पूर्व 413 मतदेय स्थल तथा 218 मतदान केन्द्र थे। 249-पट्टी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में सम्भाजन के पूर्व 445 मतदेय स्थल तथा 295 मतदान केन्द्र थे। सम्भाजन के पश्चात मतदाताओं की संख्या कम होने के कारण 17 मतदेय स्थलों का समायोजन तथा 1200 से अधिक मतदाता होने के कारण 02 नये मतदेय स्थल बनाये गये है। इसी प्रकार बैठक में बताया गया कि 250-रानीगंज विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में सम्भाजन के पूर्व 398 मतदेय स्थल तथा 225 मतदान केन्द्र थे। सम्भाजन के पश्चात मतदाताओ की संख्या कम होने के कारण 02 मतदेय स्थलों का समायोजन किया गया है। सम्भाजन के बाद 396 मतदेय स्थल तथा 225 मतदान केन्द्र हो गये है। बैठक में विधायक रानीगंज डा0 आर0के0 वर्मा, समस्त उपजिलाधिकारी, मान्यता प्राप्त राजनैतिक दल के प्रतिनिधि व निर्वाचन कार्यालय के कर्मचारी उपस्थित रहे।

टैक्सी चालक की बेटी ने नीट में हासिल की शानदार सफलता

पट्टी। तहसील के गधियावां गांव की अंजली पटेल ने नीट (यूजी)-2026 परीक्षा में 720 में से 560 अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट सफलता हासिल की है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। अंजली के पिता शिव शंकर मुंबई में टैक्सी चालक हैं। सीमित आय के बावजूद उन्होंने अपनी बेटी की शिक्षा में कभी कोई कमी नहीं आने दी। वहीं उनकी माता सुनीता गृहिणी हैं, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में परिवार को संभालते हुए बेटी को हमेशा आगे बढ़ने का हौसला दिया। आर्थिक अभावों के बावजूद अंजली ने अपने लक्ष्य से कभी समझौता नहीं किया।कठिन परिश्रम के बल पर यह मुकाम हासिल किया। अंजली ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा महादेव इंटरमीडिएट कॉलेज, से प्राप्त की तथा इंटरमीडिएट तक की पढ़ाई वहीं पूरी की। इसके बाद बेहतर तैयारी के उद्देश्य से वह कानपुर चली गई। अंजली का कहना है कि उन्होंने हमेशा यह विश्वास रखा कि गरीबी संसाधनों की कमी ला सकती है,

लेकिन यदि इरादे मजबूत हों तो मंजिल जरूर मिलती है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता के त्याग, शिक्षकों के मार्गदर्शन और निरंतर मेहनत को दिया। पूर्व ब्लाक प्रमुख देवेंद्र नाथ पांडेय,ग्राम प्रधान प्रदीप पांडेय, रामस्लोक पांडे,तीर्थराज वर्मा राम प्यारेवर्मा, राम आसरे वर्मा,मुन्ना पटेल, अमरजीत पटेल,दीपक पटेल, शिक्षक शिवकुमार वर्मा, बैजनाथ वर्मा, सहित क्षेत्र के अनेक ग्रामीणों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

बहन के घर आए युवकों को पीटा, सात पर केस

कुंडा। बहन के घर आए युवकों को बहन के विपक्षियों ने पीटा, उनकी बाइकें तोड़ दी। शोर सुनकर आसपास के लोग दौड़े तो उन लोगों की जान बची। हथिगवां थाना क्षेत्र के सरांय सैद खां गांव निवासी सोनी बेबी पत्नी इमरान खान ने पुलिस को तहरीर दी। बताया कि 17 जुलाई की सुबह करीब दस बजे उसके पड़ोसी उसके घर आकर गालियां देने लगे। विरोध करने पर उसे मारा पीटा। प्रधान पहुंचे तो उन्होंने समझौता कराया। समझौता कराकर उनके जाने के बाद आरोपी फिर मारपीट करने लगे। उसके भाई मो. इमरान, मो. गुलफाम, मो. गुफरान, मो. इद्रीश पुत्र लालमियां निवासी संदीपन घाट कौशाम्बी को लाठी से मारा पीटा।उसके घर के बाहर खड़ी बाइकें तोड़ दी। शोर सुनकर आसपास के लोग दौड़े तो वह लोग जान से मारने की धमकी देते चले गए। पीड़िता सोनी बेबी की तहरीर पर पुलिस ने शोएब, परवेज, अब्दुल रहमान, कैफ, अलीम, गुलशन, आशिया निवासी सरायं सैद खां के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

जल संरक्षण का करें संकल्प, इसका नहीं है कोई विकल्प : बीडीओ

अखंड भारत संदेश

पट्टी। विकास खंड पट्टी परिसर में शनिवार को भूजल सप्ताह के तीसरे दिन भूजल संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग एवं भूजल संसाधनों के प्रति आम जनमानस विशेष रूप से जागरूक करने के लिए गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर इस वर्ष भूजल सप्ताह आयोजन के मुख्य विचार बिन्दु ह्लजल संरक्षण का करें संकल्प, इसका नहीं है कोई विकल्पह्न के दृष्टिगत उपस्थित लोगों से जल संरक्षण के छोटे-छोटे उपायों को अपनाकर जल संचयन का आह्वान किया गया।

खंड विकास अधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि जल है तो कल है। इसका अंधाधुंध दुरुपयोग करने से वर्तमान समय में पीने योग्य पानी का संकट खड़ा हो गया है। जल के बिना

मानव सभ्यता की कल्पना नहीं की जा सकती है। लघु सिंचाई विभाग के जेई एमआई रामबचन ने कहा कि जानकारी के अभाव में व अनदेखी के चलते लोग जल दोहन व जल का दुरुपयोग करते हैं जिसका मानव जीवन पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। धीरे-धीरे हम लोग बोतल में पानी की दशा में आ गए हैं। फसलों में उचित प्रशिक्षण के अभाव में सिंचाई हेतु जल का दुरुपयोग करते हैं। हम सभी छोटे-छोटे प्रयासों से जल की बचत कर सकते हैं। बरसात के समय जल संचयन की नितांत आवश्यकता है। इस अवसर पर एडीओ आईएसबी राजेश कुमार, बोरिंग टेक्नीशियन रामकरन, विपिन पांडेय, अनूप कसौधन, प्रमोद मौर्य, रोहित धुरिया आदि मौजूद रहे।

बस के चालक समेत स्टॉफ के साथ मारपीट को लेकर आरोपियों के खिलाफ केस

लालगंज। दिल्ली से बनारस आ रही निजी लग्जरी बस के चालक व स्टाफ के साथ मारपीट तथा गालीगलौज तथा धमकी को लेकर लीलापुर पुलिस ने दो नामजद तथा कुछ अज्ञात के खिलाफ गंभीर धाराओ मे केस दर्ज किया है। पुलिस ने मुकदमे मे नामजद एक आरोपी को हिरासत मे लेकर जेल भेज दिया। उन्नाव जिले के बांगरमऊ निवासी नूरआलम पुत्र जहूर अहमद ने पुलिस को दी गई तहरीर मे कहा है कि बीती सत्रह जुलाई को बस लेकर दिल्ली से बनारस जा रहा था। बस पर दो यात्री तौसीफ तथा फैज भी सवार थे। किसी बात को लेकर हुई कहासुनी के चलते इन दोनों आरोपियो ने लीलापुर थाना क्षेत्र के गहिरी मोड़ पर फोन करके कुछ लोगों को पहले से बुलवा रखा था। मोड़ पर बस पहुंचते ही दोनों आरोपियो के साथ अज्ञात लोगों ने पीड़ित नूरआलम सहित बस के स्टाफ कानपुर देहात के सिकंदरा थाना के रसधान गांव निवासी शिवम राजपूत पुत्र धर्मेन्द्र कुमार तथा बनारस जिले के लोता थाना निवासी सेबू आलम पुत्र विस्मिल्लाह को गाली देते हुए लोहे की राड से मारने पीटने लगे। चुटहिलों के शोर मचाने पर बस मे मौजूद यात्रियों तथा राहगीरों के हस्तक्षेप करने पर आरोपी जानलेवा धमकी देते चले गये। तहरीर के आधार पर पुलिस ने तौसीफ समेत दो नामजद तथा कुछ अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया। पुलिस ने शनिवार को दबिश देकर नामजद आरोपी जेठवारा थाना के नेवादा निवासी फैज पुत्र नसीम को हिरासत मे ले लिया। पूछताछ के बाद आरोपी को पुलिस ने जेल भेज दिया।

बारिश से जलभराव ने बढ़ाई मुश्किलें, किसानों के खिले चेहरे

प्रतापगढ़। शनिवार को हुई बारिश के बाद भीषण गर्मी और उमस से लोगों को राहत मिल गयी। वही कस्बे और आसपास के क्षेत्रों में जलभराव की समस्या भी खड़ी कर दी। तहसील परिसर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मुख्य बाजार तथा कई प्रमुख मार्गों पर पानी भर जाने से राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। तहसील परिसर में जगह-जगह पानी जमा होने से लोगों को कीचड़ और जलभराव के बीच होकर गुजरना पड़ा। उधर उमस से परेशान लोगों ने बारिश के बाद राहत की सांस ली। धान की रोपाई का इंतजार कर रहे किसानों के चेहरे भी खिल उठे। किसानों का कहना है कि बारिश से खेतों में खरीफ फसलों की बुवाई में तेजी आएगी।

लेखन व पत्रकारिता की रचनात्मकता से मजबूत होता है सामाजिक एवं राष्ट्रीय सरोकार : परियोजना निदेशक

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। विकास भवन स्थित सभागार में शनिवार को प्रेस क्लब प्रतापगढ़ के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का समारोहपूर्वक शपथ ग्रहण हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ परियोजना निदेशक दयाराम यादव तथा वरिष्ठ पत्रकार जगत बहादुर सिंह एवं नवनिर्वाचित अध्यक्ष सत्येन्द्र प्रताप सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। परियोजना निदेशक दयाराम यादव तथा विशिष्ट अतिथि राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी के मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने नव निर्वाचित अध्यक्ष सत्येन्द्र प्रताप सिंह, उपाध्यक्ष अजय यादव, महासचिव नवीन श्रीवास्तव, सचिव योगेन्द्र नारायण,

संगठन मंत्री अब्दुल मुहीब, कोषाध्यक्ष अंशुमान सिंह व प्रेस प्रवक्ता आसिफ सिददीकी को पद के उत्तरदायित्व का प्रतिज्ञान कराया। मुख्य अतिथि पीडी दयाराम यादव ने पत्रकारिता और लेखन को समाज एवं राष्ट्र के निर्माण में आधार स्तम्भ कहा। विशिष्ट अतिथि ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने कहा कि सामाजिक एवं राष्ट्रीय सरोकार की मजबूती में पत्रकारिता का अहम योगदान है। मुख्य वक्ता पूर्व अध्यक्ष दीपेन्द्र तिवारी ने मीडिया के समक्ष उत्पन्न वर्तमान चुनौतियों पर प्रकाश डाला। नव निर्वाचित अध्यक्ष सत्येन्द्र प्रताप सिंह ने निष्पक्ष एवं निर्भीक पत्रकारिता को समय की सबसे बड़ी आवश्यकता कहा। समारोह की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ पत्रकार जगत बहादुर सिंह ने कहा कि आज के समय में स्वस्थ पत्रकारिता तथा सदभावनापरक विचार सबसे बड़ी जरूरत है। परियोजना निदेशक के साथ निर्वाचन अधिकारी के रूप में जगत बहादुर सिंह ने नव निर्वाचित पदाधिकारियों को निर्वाचन प्रमाण पत्र सौंपा। वहीं आयोजन समिति द्वारा दयाराम यादव, ज्ञानप्रकाश शुक्ल व जगत बहादुर सिंह को बुकें एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया । कार्यक्रम मे मौजूद साथी पत्रकारों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का भी माल्यार्पण कर गर्मजोशी के स्वागत किया। समारोह का संचालन पूर्व अध्यक्ष हरिलाल विश्वकर्मा ने किया। निवर्तमान अध्यक्ष पंकज दुबे ने स्वागत भाषण तथा वासिफ खां ने आभार प्रदर्शन किया। समारोह को वरिष्ठ पत्रकार शिवशंकर तिवारी सोहगौरा, बीके शर्मा, प्रमोद श्रीवास्तव, अरविंद दुबे, लवलेश शुक्ला ने भी संबोधित किया। इस मौके पर जयवीर सिंह, प्रदीप मिश्र, निलेश मिश्र, प्रदीप वर्मा, अमित दुबे, आदर्श शुक्ला, लाल अंकित प्रताप सिंह, आशीष सिंह, देवेन्द्र मिश्र, अरविंद पाण्डेय, शैलेष मिश्र, मो0 शरीफ खां, जय बहादुर सिंह, मो0 रईस, मो0 इस्याक आदि मौजूद रहे।

न्यूज झरोखा

पत्रकार के भतीजे ने नीट परीक्षा में पाई सफलता खुशी की लहर

बेलखरनाथ धाम। पट्टी तहसील क्षेत्र के आशापुर गांव निवासी पत्रकार ज्ञान सिंह के भतीजे अभिनव सिंह ने नीट 2026 परीक्षा मे सफलता प्राप्त कर अपने परिवार क्षेत्र व जिले का मान बढ़ाया है। अभिनव ने 2266 वीं रैंक हासिल की है।उनकी इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है।उन्होंने सेंट जेवियर्स स्कूल पट्टी से हाई स्कूल की परीक्षा 80: प्रतिशत उसके बाद लखनऊ से इंटरमीडिएट की परीक्षा 90: प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण हुए थे।उनका सपना डॉक्टर बनने का था कड़ी मेहनत के साथ नीट की तैयारी की और पहले ही प्रयास में 2266 रैंक हासिल कर सफलता प्राप्त की। अभिनव सिंह ने इस उपलब्धि का श्रेय अपने माता-पिता,चाचा शिक्षकों और परिवार जनों को दिया। अभिनव सिंह की सफलता पर पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र प्रताप सिंह उर्फ मोती सिंह, पूर्व मंत्री प्रोफेसर शिवाकांत ओझा, पूर्व विधायक धीरज ओझा, ,विनोद पांडेय, रंजन त्रिपाठी,पंकज सिंह उर्फ राजू सिंह, शिव अचल सिंह, श्याम सुन्दर सिंह, अमरेन्द्र सिंह,राजेश्वर प्रसाद दुबे, रामानंद ओझा, प्रमोद दुबे,अमर सिंह, संजय सिंह, भूपेंद्र सिंह सहित लोगों ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

बैगलेस डे पर बच्चों ने बनाई और उड़ाई पतंगें, रचनात्मकता को मिला बढ़ावा

पट्टी। आसपुर देवसरा विकास खंड के उच्च प्राथमिक विद्यालय रसूलपुर-हैदरपुर में शनिवार को 10 बैगलेस दिवस कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों ने रंग-बिरंगी पतंगें बनाकर उन्हें उड़ाया। गतिविधि के माध्यम से बच्चों में रचनात्मकता, हस्तशिल्प कौशल,

टीमवर्क और अनुभवात्मक शिक्षा को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया।कार्यक्रम का आयोजन बेसिक शिक्षा विभाग और राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) के निर्देशन में किया गया। मार्गदर्शक शिक्षक योगेश प्रताप सिंह के नेतृत्व में कक्षा छह से आठ तक के विद्यार्थियों को समूहों में विभाजित कर रंगीन कागज, लकड़ी, गोंद और धागा उपलब्ध कराया गया। बच्चों को पहले तैयार पतंगों के नमूने दिखाए गए, जिसके बाद उन्होंने अपनी कल्पनाशक्ति का उपयोग करते हुए आकर्षक पतंगें तैयार कीं। पतंग निर्माण के दौरान विद्यार्थियों ने कागज काटने, लकड़ियों को संतुलित ढंग से चिपकाने और सुंदर डिजाइन बनाने का अभ्यास किया। तैयार पतंगों को विद्यालय परिसर में उड़ाकर बच्चों ने अपनी खुशी का इजहार किया। पूरे परिसर में उत्साह और रचनात्मक माहौल देखने को मिला।मार्गदर्शक शिक्षक योगेश प्रताप सिंह ने बताया कि एससीईआरटी के श्आनन्दमश मॉड्यूल के तहत आयोजित बैगलेस दिवस का उद्देश्य विद्यार्थियों को पुस्तकीय शिक्षा के साथ व्यावहारिक और कौशल आधारित सीखने का अवसर देना है। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा-2023 के अनुरूप संचालित की जा रही है। उन्होंने कहा कि ऐसी गतिविधियों से बच्चों में समस्या समाधान क्षमता, आत्मविश्वास, नेतृत्व, सहयोग की भावना और सृजनात्मक सोच का विकास होता है। विद्यालय परिवार ने बताया कि भविष्य में भी बैगलेस दिवस के तहत हस्तशिल्प, कला, विज्ञान, कृषि और जीवन कौशल से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन जारी रहेगा, ताकि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जा सके।

पारिवारिक विवाद के चलते तीन पर मारपीट धमकी देने का मुकदमा दर्ज

प्रतापगढ़। उदयपुर थाना क्षेत्र के पूरे पंडित जोगापुर निवासी आदर्श उपाध्याय पुत्र राम प्रताप उपाध्याय ने तहरीर देते हुए आरोप लगाया है कि उसके बड़े भाई मुकेश उर्फ जितेंद्र उपाध्याय ने तीन वर्ष पहले मारपीट कर उसको घर से भगा दिए। इसके बाद प्रार्थी अपने बहन के यहां जाकर रहने लगा। आरोप है कि आरोपी बहन के परिजनों को भी गाली गलौज मारपीट की धमकी देता है। पीड़ित के मुताबिक बृहस्पतिवार की शाम तीन बजे आरोपी भाई से कुछ बातचीत करने के लिए गया। इस दौरान आरोपी समेत उनके पुत्र नीरज उर्फ विद्युत उपाध्याय व पत्नी ऊषा देवी लाठी डंडा से मारापीटा। पीड़ित को मकान एवं जमीन में कहीं हिस्सा नहीं दे रहें हैं। हिस्सा माँगने पर भद्दी भद्दी गालियां एवं मारने पीटने की धमकी दिया करते हैं। उदयपुर थानाध्यक्ष दीप नारायण ने बताया कि आरोपियों पर मुकदमा दर्ज कर जाँच की जा रही है।

अज्ञात साइबर ठग के खिलाफ मुकदमा दर्ज

प्रतापगढ़। उदयपुर थाना क्षेत्र के पूरे कदीम राँकी गाँव निवासी मिठाई लाल पुत्र विंध्यादीन शर्मा ने पुलिस को तहरीर देकर कहा है कि स्टेट बैंक आफ इंडिया शाखा ननौती में उसका खाता है। खाते में लिंक मोबाइल नम्बर पर मैसेज आया कि लोन चाहिए तो पाँच हजार रुपये दिए गये क्यू आर कोड पर भेजिए। पैसा मैंने भेज दिया लेकिन लोन नहीं हुआ। उसके बाद इक्कीस हजार माँगा गया मैंने उसको भी भेज दिया। इसी तरह झांसा देकर कुल चार लाख रुपये ठग ने ले लिया, लेकिन कोई लोन अभी तक नहीं हुआ। उदयपुर एसओ दीप नारायण के अनुसार जाँच कर विधिक कार्यवाही की जायेगी।

कुंए में कूड़ा डालने से रोका तो मां-बेटे को पीटा, केस

कुंडा। संग्रामगढ़ थाना क्षेत्र के किधौली गांव निवासी शांति देवी पत्नी मानिकचन्द ने पुलिस को तहरीर दी। बताया कि 17 जुलाई को उसके पड़ोसी उसके कुंए में कूड़ा फेंक रहे थे। जब उसने कुंए में कूड़ा डालने से मना किया तो आरोपी उसे लाठी से मारने लगे। जब उसे बचाने उसका बेटा शेष कुमार अग्रहरि आया तो आरोपियों ने उसे भी मारा पीटा और जान से मारने की धमकी देते चले गए। पीड़िता शांति देवी की तहरीर पर पुलिस ने राधेश्याम अग्रहरि, उसकी पत्नी उर्मिला, बाबूलाल अग्रहरि को नामजद करते हुए कुछ अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

ई-रिक्शा पर बैठने से रोका तो परिवार को पीटा

कुंडा। संग्रामगढ़ थाना क्षेत्र के जलीलपुर कामापट्टी गांव निवासी फूलचन्द गौतम ने पुलिस को तहरीर दी। आरोप है कि 17 जुलाई को करीब एक बजे गांव के कुछ लोग उसके ई-रिक्शा पर आकर जबरन बैठ गए। जब उसने ई-रिक्शे पर बैठने से मना किया तो आरोपी गालियां देते हुए मारने पीटने लगे। बीच-बचाव करने आई उसकी पत्नी सरिता और भाई सरवन को भी लाठी से मारा पीटा। उसकी पत्नी सरिता ने शोर मचाया तो आसपास के लोग दौड़े तो उनकी जान बची।

जमीनी विवाद में खूनखराबा आधा दर्जन से अधिक घायल

लंबे समय से चल रहे जमीनी विवाद का पुलिस और राजस्व नहीं कर सकी निस्तारण

अखंड भारत संदेश

हर्रायपुर कौशाम्बी संदीपन घाट थाना क्षेत्र के मिट्ठुवापुर गांव में शनिवार को जमीन के विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हुई मारपीट में आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। सूचना मिलते ही संदीपन घाट थाना के मूरतगंज पुलिस चौकी प्रभारी कुमार शंकारम मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित कर घायलों को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मूरतगंज भिजवाया पुलिस के अनुसार,दोनों पक्षों के बीच जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। शनिवार शाम करीब पांच बजे विवाद बढ़ने पर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और कहासुनी के बाद मारपीट हो गई। घटना में फुल्की पत्नी फूलसिंह, फूलसिंह पुत्र स्वर्गीय श्यामलाल, विमल सिंह,कमल सिंह,कुँवर सिंह,दूसरे पक्ष कंधई लाल पुत्र नोखे लाल,महेंद्र पुत्र संगम लाल तथा संतलाल पुत्र महेंद्र सहित आठ लोग घायल हुए हैं। घायलों का चिकित्सीय परीक्षण एवं उपचार कराया जा रहा है पुलिस ने दोनों पक्षों से तहरीर लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के आधार पर विधिक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए मूरतगंज पुलिस तैनात कर दिया गया है पुलिस का कहना है कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

देवभीटा ककोढा में भी माफियाओं ने काट दिए हरे-भरे फलदार पेड़

कोखराज कौशांबी कोखराज थाना क्षेत्र के सिराथू रेंज इलाके के देवभीटा ककोढा गांव में भी शनिवार को हरे भरे फलदार पेड़ को माफिया बिना रोक-टोक के काट रहे थे शनिवार को भी इलाके में हरे भरे फलदार पेड़ बिना रोक-टोक लकड़ी माफियाओं और उनके मजदूर द्वारा काटे जा रहे थे मामले की शिकायत वन विभाग से लेकर पुलिस तक हुई लेकिन उसके बाद भी हरे-भरे पेड़ काटने पर अधिकारियों ने रोक नहीं लगाई है एक तरफ पर्यावरण सुरक्षा की बात अधिकारी कर रहे हैं वृहद पौधा रोपण की बात सरकार कर रही है पेड़ से होने वाले बड़े-बड़े फायदे अधिकारी और नेता बता रहे हैं लेकिन हरे भरे पेड़ को काटने से नहीं रोका जा रहा है बताया जाता है कि हरे-भरे फलदार पेड़ काटने का परमिट नियम विरुद्ध तरीके से वन विभाग द्वारा जारी कर दिया जाता है और इसी फर्जी परमिट के सहारे माफिया हरे भरे फलदार पेड़ को काटकर माफिया धरती से हरियाली को नष्ट कर रहे हैं हरे-भरे पेड़ काटने के बाद इलेक्ट्रॉनिक मशीन क्रेन से ट्रैक्टर में लकड़ी लादते मजदूरों को देखा गया है इस बात की भी शिकायत विभाग से हुई लेकिन उसके बाद भी हरे-भरे पेड़ को काटने से अधिकारी नहीं रोक सके हैं बेखौफ माफिया पेड़ की काटी गई लकड़ी को आराम से उठा ले गए हैं जिससे वन विभाग और पुलिस के कारनामों पर इलाके की जनता ने सवाल उठाने शुरू कर दिया है यदि मामले में अधिकारियों ने जांच कराई तो इलेक्ट्रॉनिक मशीन क्रेन चालक ट्रैक्टर चालक और उनके मालिकों के साथ-साथ लकड़ी माफिया और उनके मजदूरों पर भी मुकदमा दर्ज होगा लेकिन क्या हरे भरे फलदार पेड़ काटकर हरियाली नष्ट करने वाले पूरे रैकेट पर अधिकारी कार्यवाही कर हरियाली को बचाने का प्रयास करेंगे या फिर हरियाली पर इसी तरह लकड़ी माफिया भारी रहेंगे यह बड़ा सवाल खड़ा है

डीएम एवं एसपी ने तहसील मंझनपुर में सुनी जनशिकायतें

9 शिकायतों के निस्तारण के बाद शेष 135 शिकायती प्रार्थना पत्रों को अधीनस्थों को जांच कार्यवाही के लिए दे दिया गया है

डीएम एसपी के वाहन के पीछे-पीछे अन्य अधिकारियों के वाहनों का दौड़ता देखा गया काफिला

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी जिले के सभी तहसीलों में शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल एवं पुलिस अधीक्षक सत्य नारायण ने तहसील मंझनपुर में जनशिकायतों को सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण व समयान्तर्गत निस्तारित करने के निर्देश दिए। तीनों तहसीलों में 144 फरियादियों ने शिकायत कर अधिकारियों से त्वरित न्याय मांगा है लेकिन तीनों तहसीलों के संपूर्ण समाधान दिवस में केवल नौ फरियादियों को तत्काल न्याय मिल सका है जिससे अन्य फरियादियों को तत्काल न्याय न मिलने से फरियादी तत्काल न्याय के लिए मायूस हो गए हैं तीनों तहसीलों में कुल 9 शिकायतों के निस्तारण के बाद शेष 135 शिकायती प्रार्थना पत्रों को अधीनस्थों को जांच कार्यवाही के लिए दे दिया गया है मंझनपुर तहसील में जिला अधिकारी

पुलिस अधीक्षक 12 बज कर 45 मिनट में संपूर्ण समाधान दिवस छोड़कर किसी कारण से वापस लौट आए हैं डीएम एसपी के वापस लौटते ही संपूर्ण समाधान दिवस में उपस्थित संपूर्ण जिला स्तर के अधिकारी भी संपूर्ण समाधान दिवस को छोड़कर लौट आए हैं डीएम एसपी के वाहन के पीछे-पीछे अन्य अधिकारियों के वाहनों का काफिला दौड़ता देखा गया है जिलाधिकारी ने राजस्व से सम्बन्धित शिकायतों पर राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम को मौके पर भेजकर शिकायत को निस्तारित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों को तहसील दिवस में प्राप्त शिकायतों को गम्भीरता से लेते हुए गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारित करने के निर्देश देते हुए कहा कि यह सुनिश्चित किया जाय कि कोई भी शिकायत लम्बित न होने पाये। उन्होंने विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत प्राप्त प्रार्थना पत्रों पर संबंधित अधिकारियों को ऑनलाइन आवेदन कराकर पात्रता की स्थिति में लाभान्वित करने के भी निर्देश दिए। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 43 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 02 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। इसी प्रकार तहसील सिराथू कुल 77 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 02 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। चायल में कुल 24 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 05 शिकायत का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया।

जहरीले जंतु के काटने से अधेड़ की मौत

अखंड भारत संदेश

हर्रायपुर कौशाम्बी संदीपन घाट थाना क्षेत्र के गौसपुर गांव में शनिवार रात गंगा में मछली पकड़ने गए नरेश कुमार उम्र 50 वर्ष पुत्र दुखीलाल को आश्रम के चबूतरे पर सोते समय किसी जहरीले जंतु ने काट लिया।हालत बिगड़ने पर उन्होंने परिजनों को सूचना दी, लेकिन उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाने के बजाय झाड़-फूंक और घरेलू उपचार के भरोसे परिजनों ने रखा समय पर अस्पताल पहुंचते तो शायद जान बच सकती थी लेकिन अंधविश्वास ने एक परिवार से उसका सहारा छीन लिया।झाड़-फूंक और अंधविश्वास के चक्कर में जान चली गई घटना का वीडियो भी सामने आया है हालांकि इस तरह के मामलों में देसी दवाई जड़ी बूटी से कुछ अनुभवी लोग हजारों साल पुरानी आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति से तमाम लोगों की जान बचा भी लेते हैं लेकिन ग्रामीण इलाकों के सरकारी अस्पतालों में तो इस तरह के मामलों में मौत हो जाती है कभी सरकारी अस्पतालों में इलाज के लिए इंजेक्शन नहीं होता तो कभी डॉक्टर नहीं मौजूद होते तो कभी मरीजों पर दवा कारगर साबित नहीं होती और मौत हो जाती है इसी दौरान झाड़-फूंक का एक वीडियो भी सामने आया है,जिसमें इलाज के बजाय अंधविश्वास का सहारा लिया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि काफी देर तक यही सिलसिला चलता रहा।जब हालत बेहद गंभीर हो गई तब उन्हें अस्पताल ले जाया गया,जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया

सरकारी अस्पताल में डॉक्टर के न रहने से नहीं मिलता इलाज जिससे देसी दवा और झाड़ फूंक का सहारा लेते हैं ग्रामीण

जबकि गांव में ही सरकारी अस्पताल मौजुद है वहा न ले जाकर झाड़ फूंक के चक्कर में रात भर भटकते रहे हालांकि गांव में जो सरकारी अस्पताल है वहां कभी डॉक्टर नहीं रहते हैं इसी विश्वास में परिजन मरीज को सरकारी अस्पताल नहीं ले गए हैं मृतक नरेश कुमार मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। उनके परिवार में पत्नी ननकी देवी,तीन बेटियां नीता, मनीषा और रीता तथा दो बेटे अभिषेक और अमन हैं। घटना के बाद परिवार में चीख-पुकार मच गई और पूरे गांव में शोक का माहौल है।सूचना मिलने पर संदीपन घाट थाना पुलिस मौके पर पहुंची जांच पड़ताल में जुट गई है

पर्यावरण : हरे पेड़ के दुश्मन बने वन विभाग के अधिकारी धड़ाधड़ काटे जा रहे हैं हरे पेड़

अखंड भारत संदेश

कौशांबी हरे फलदार पेड़ काटने को परमिट देने का अधिकार सरकार ने वन विभाग के अधिकारियों को नहीं दिया है लेकिन उसके बाद भी वन विभाग के अधिकारी हरे फलदार पेड़ को कटवाने का फर्जी तरीके से परमिट जारी कर लकड़ी माफियाओं को संरक्षण दे रहे हैं वन विभाग के अधिकारियों के संरक्षण में फलने फूलने वाले 5 दर्जन लकड़ी माफिया हरे फलदार पेड़ों को काटकर उसकी लड़कियां उठा ले जाते हैं जिससे हरियाली नष्ट हो रही है सरकार के नियम के विपरीत हरे भरे फलदार पेड़ के परमिट देने वाले वन विभाग के अधिकारियों पर मुकदमा दर्ज कराकर इन अधिकारियों की गिरफ्तारी जिला प्रशासन भी नहीं कर रहा है ताजा मामला सिराथू रेंज क्षेत्र के कोखराज थाना के नौडिया ग्राम पंचायत का है जहां महुआ की पूरी हरे भरे फलदार बाग को लकड़ी माफिया 3 दिन से

काट रहे हैं महुआ के हरे भरे फलदार पेड़ों को पूरी रात कटाई होती है और दिन में वहां सन्नाटा हो जाता है शिकायत के बाद भी पेड़ काटने पर रोक नहीं लगी है वन विभाग सिराथू के रेंजर का कहना है कि पेड़ काटने का लकड़ी माफिया के पास परमिट है लेकिन हरे फलदार पेड़ काटने का परमिट देने का वन विभाग के पास किस अध्याय में निर्देश है इसका जवाब बन विभाग के अधिकारी नहीं दे सके हैं जिससे इन अधिकारियों की मनसा पर सवाल खड़ा है हरे भरे पेड़ों के फर्जी तरीके से वन विभाग द्वारा परमिट जारी कर हरे पेड़ काटने के मामले में वन विभाग के अधिकारियों पर मुकदमा दर्ज कराकर इन अधिकारियों को गिरफ्तार कर जेल भेजने की मांग आम जनता ने शासन प्रशासन से की है आखिर संविधान के विपरीत परमिट देने का अधिकार वन विभाग के अधिकारियों को किसने दिया है किस नेता और किस अधिकारी के संरक्षण में वन विभाग ने हरे फलदार पेड़ काटने का परमिट जारी कर दिया है यह बड़ी जांच का विषय है और यदि हरे भरे फलदार पेड़ को परमिट देकर कटवाने वाले वन विभाग के अधिकारियों के कारनामों की जांच हुई तो वन विभाग के अधिकारी जेल के सलाखों में होंगे हालांकि हरे फलदार पेड़ काटने के मामले में पुलिस को भी रोकने का अधिकार है लेकिन विभाग के परमिट का हवाला देकर पुलिस वसूली करने तक सीमित है

हाई वोल्टेज लाइन टूटकर गिरी,करंट से दो गाय और एक भैंस की मौत

कौशांबी सराय अकिल थाना क्षेत्र के पुरखास गांव में शनिवार को बिजली विभाग की बड़ी लापरवाही के चलते बड़ा हादसा हो गया। घर के बगल से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन अचानक टूटकर मैकू लाल के बाड़े में गिर गई। करंट की चपेट में आने से दो गाय और एक भैंस की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई मृत पशुओं के मालिक मैकू लाल खेती-किसानी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। इस हादसे से उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। घटना के बाद गांव में आक्रोश फैल गया और ग्रामीणों ने बिजली विभाग के खिलाफ नाराजगी जताई ग्रामीणों का आरोप है कि जर्जर हाईटेंशन लाइन और सुरक्षा के लिए जाल लगाने की मांग लंबे समय से की जा रही थी,लेकिन विभाग ने शिकायतों पर कोई ध्यान नहीं दिया। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते आवश्यक कदम उठाए गए होते तो यह हादसा टाला जा सकता था घटना की सूचना पर संबंधित विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। वहीं पीड़ित परिवार ने मृत पशुओं का उचित मुआवजा देने तथा लापरवाही के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

`कमिश्नर के निर्देश के बाद भी भू माफियाओं की नहीं जारी हुई सूची

कौशांबी जुलाई के पहले हफ्ते में कमिश्नर और आईजी ने मंडल की समीक्षा बैठक की जिसमें कौशांबी में 21 नए भू माफिया चिन्हित कर कौशांबी को माफियाओं की रैंकिंग में नंबर वन जिला बना दिया समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि अभिलेखों में हेरफेर कर सुरक्षित और नजूल की जमीनों पर कब्जा करने वालो के खिलाफ गैंगस्टर की कार्यवाही कर जमीनों को माफियाओं के चंगुल से मुक्त कराई जाए मंडलायुक्त ने यह भी कहा की माफियाओं को चिन्हित कर इनकी संपत्ति कुर्क की जाए लेकिन जैसे ही ये भनक माफियाओं तक पहुंची सभी में उआपोह की स्थित हो गई लेकिन कार्यवाही में हो रही देरी की वजह से माफिया फिर नई ऊर्जा के साथ अपने पुराने कामों में लग गए अब देखने वाली बात यह होगी कि सरकार कब नए और पुराने भू माफियाओं की सूची प्रकाशित कर उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही करती है

हरियाली की नई पहचान बना भवन्स मेहता विद्याश्रम भरवारी

सामूहिक वृक्षारोपण से दिया प्रकृति संरक्षण का संदेश

अखंड भारत संदेश

भरवारी कौशांबी पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करते हुए भवन्स मेहता विद्याश्रम,भरवारी में दिनांक 18 जुलाई को वन महोत्सव-2026 का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त विद्यार्थियों ने एक छात्र एक पौधा१तथा एक पेड़ मां के नाम१की थीम पर आधारित कार्यक्रम के अंतर्गत,अपने अपने कक्षाध्यापकों के साथ मिलकर स्कूल प्रांगण में 600 से अधिक पौधों का रोपण किया जो कि अत्यंत सराहनीय रहा। पूरे विद्यालय परिसर में हरियाली, उत्साह और प्रकृति प्रेम का अद्भुत वातावरण देखने को मिला।

कार्यक्रम के अंतर्गत एलकेजी, यूकेजी तथा कक्षा 1 एवं 2 के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों द्वारा प्रकृति एवं पर्यावरण आधारित फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें बच्चों ने पेड़, पौधे,फूल,पत्तियां एवं प्रकृति से जुड़े विभिन्न आकर्षक परिधानों में अपनी

मनमोहक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। उनकी मासूम अभिव्यक्तियों ने पर्यावरण संरक्षण का सशक्त संदेश दिया।इस सफल आयोजन के पीछे विद्यालय के प्रधानाचार्य गंगाराबोयिना बलैया का अथक प्रयास,कुशल नेतृत्व एवं सतत मार्गदर्शन रहा। उनके निर्देशन में कार्यक्रम अत्यंत सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।उन्होंने विद्यार्थियों को लगाए गए प्रत्येक पौधे की देखभाल करने का संकल्प भी दिलाया।विद्यालय के प्रधानाचार्य गंगाराबोयिना बलैया ने सभी विद्यार्थियों,शिक्षकों एवं अभिभावकों को वन महोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए इस हरित अभियान की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रकृति की रक्षा ही मानवता की रक्षा है और प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर उनका संरक्षण करना चाहिए।इस अवसर पर उप-प्रधानाचार्य सुधाकर सिंह भी उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के साथ मिलकर पौधरोपण किया और पर्यावरण संरक्षण के प्रति सभी को जागरूक किया विद्यालय के सभी अध्यापकों एवं कर्मचारियों ने विद्यार्थियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर वृक्षारोपण किया,जिससे सामूहिक सहभागिता का प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत हुआ।कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार ने संकल्प लिया कि लगाए गए सभी पौधों की नियमित देखभाल कर स्कूल के पूरे परिसर को और भी हरा भरा तथा आकर्षक बनाया जाएगा। वन महोत्सव-2026 का यह आयोजन पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता,सामाजिक उत्तरदायित्व और हरित भविष्य के निर्माण की दिशा में भवन्स मेहता विद्याश्रम भरवारी की एक उल्लेखनीय एवं प्रेरणादायी पहल साबित हुआ। प्रधानाचार्य ने समस्त छात्रों, अभिभावकों तथा अध्यापकों को कार्यक्रम की सफलता का श्रेय देते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर समस्त अध्यापक तथा अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

न्यूज झरोखा

रेलवे ट्रैक पर मिला युवक का शव पहचान में जुटी पुलिस

हर्रायपुर कौशाम्बी संदीपन घाट थाना क्षेत्र के अशरफपुर मरधरा मूरतगंज के पास 17 जुलाई को रेलवे ट्रैक पर एक युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई।जानकारी के अनुसार शनिवार दोपहर करीब 3:45 बजे सेंट्रल रूम से सूचना मिली कि रेलवे के पिलर संख्या 312/22 एवं 312/23 के बीच एक व्यक्ति ट्रेन की चपेट में आ गया है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू की।पुलिस के अनुसार,मृतक की उम्र लगभग 25 वर्ष प्रतीत हो रही है। काफी प्रयास के बावजूद उसकी पहचान नहीं हो सकी है। थाना पुलिस द्वारा आसपास के लोगों को बुलाकर शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया जा रहा है। मृतक के दाहिने हाथ की कलाई पर 'ॐ' का टैटू बना हुआ है,जिसे पहचान का महत्वपूर्ण आधार माना जा रहा है।पुलिस ने शव को रेलवे ट्रैक से हटाकर रेल मार्ग को सुचारु रूप से चालू करा दिया है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है मृतक की पहचान कराने और घटना के कारणों की जांच में पुलिस जुटी हुई है।

लकड़ी लदी पिकअप मिठाई दुकान में घुसी बाइक समेत दुकान को हुआ नुकसान

हर्रायपुर कौशाम्बी। संदीपनघाट थाना क्षेत्र के इमामगंज चौराहे पर शनिवार को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। मूरतगंज की ओर से आ रही लकड़ी से लदी एक पिकअप अचानक अनियंत्रित हो गई और प्रताप केशरवानी की नयन स्वीट हाउस के सामने खड़ी मोटरसाइकिल को रौंदते हुए सीधे दुकान के अंदर जा घुसी।हादसे में दुकान के सामने खड़ी मोटरसाइकिल पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई,जबकि दुकान के सामान और ढांचे को भी काफी नुकसान पहुंचा। घटना के समय आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। घटना की सूचना मिलते ही संदीपनघाट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया। पुलिस ने पिकअप को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों के अनुसार हादसा वाहन के अनियंत्रित होने के कारण हुआ। घटना के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई। पुलिस आगे की आवश्यक कार्रवाई में जुटी हुई है।

जल संरक्षण के प्रति छात्र छात्राओं को किया गया जागरूक

कौशांबी जनपद मुख्यालय मंझनपुर के नगर पालिका क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय ओसा प्रथम में शनिवार को जल संरक्षण के प्रति विद्यालय के शिक्षको ने छात्र-छात्राओं को जागरूक किया है इस मौके पर प्रधानाध्यापक अजय कुमार सिंह,ने विद्यालय के छात्र-छात्राओं को शपथ दिलाते हुए जल संरक्षण के लिए प्रेरित किया है सहायक अध्यापक गोविंद प्रसाद,सुनैना देवी पुष्पलता श्रीवास्तव,शोभादेवी एवं रसोइया ने ली जल संरक्षण करने की शपथ ली प्रधानाध्यापक ने कहा कि जल संरक्षण का अर्थ पानी की बबार्दी और प्रदूषण को रोकना है.यह इसलिए आवश्यक है क्योंकि पृथ्वी पर उपलब्ध कुल जल का केवल 3 प्रतिशत ही पीने योग्य मीठा पानी है.पानी बचाना, जीवन के अस्तित्व,पर्यावरण संतुलन और आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित भविष्य की सबसे बड़ी कुंजी है.पानी की बबार्दी को रोकना,उसका बुद्धिमानी से उपयोग करना और प्राकृतिक जल स्रोतों जैसे नदियाँ, झीलें और भूमिगत जल का संरक्षण करना है। इसका मुख्य उद्देश्य वर्तमान आवश्यकताओं को पूरा करते हुए भविष्य की पीढ़ियों के लिए स्वच्छ जल की उपलब्धता सुनिश्चित करना है मीठे पानी के महत्व को उजागर करने और जल संसाधनों के सतत प्रबंधन के लिए जागरूकता बढ़ाने हेतु इसे 1993 से प्रतिवर्ष मनाया जा रहा है

मंडलीय प्रतियोगिता में स्काउट गाइड ने कौशांबी का लहराया परचम

कौशांबी यू0पी0 स्काउट्स केयर नुक्कड़ नाटक स्किट मण्डलीय प्रतियोगिता में कौशाम्बी ने अपना परचम लहराया प्रादेशिक मुख्यायुक्त डॉ0 प्रभात कुमार के निर्देशन में जिला मुख्यायुक्त / जिला विद्यालय निरीक्षक एल0 बी0 मौर्य के मार्गदर्शन में और जिला संगठन कमिश्नर स्काउट श्याम बाबू के संचालन में यू0पी0 स्काउट्स केयर कार्यक्रम के अन्तर्गत मण्डल स्तरीय नुक्कड़ नाटक स्किट प्रतियोगिता का आयोजन प्रादेशिक प्रशिक्षण केंद्र मम्फोर्डगंज प्रयागराज में आयोजित हुआ जिसमे जनपद कौशाम्बी के टीआरएस इंटरनेशनल स्कूल एण्ड कालेज के कब और बुलबुल ने पर्यावरण संरक्षण,सड़क सुरक्षा,एवं यातायात अनुशासन,भ्रष्टचार रोकथाम,सार्वजनिक संसाधनों एवं सार्वजनिक सम्पत्ति की सुरक्षा जैसे विषयो पर प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक का मंचन कर उपस्थित अतिथियों एवं निर्णायकों का भरपूर सराहना प्राप्त कर टीआरएस.इंटरनेशनल स्कूल एण्ड कालेज के कब और बुलबुल दोनों टीमो ने प्रथम स्थान प्राप्त कर जनपद का परचम लहराया इस प्रतियोगिता में कौशाम्बी से श्री दुर्गा देवी इण्टर कालेज ओसा 10 स्काउट,धर्मा देवी इण्टर कालेज केन कनवार 10 स्काउट 10 गाइड और टी.आर.एस.इण्टरनेशनल स्कूल एण्ड कालेज सराय अकिल से 12 कब, 12 बुलबुल और 10 स्काउट ने प्रतिभाग किया टीम इंचार्ज स्काउट मास्टर ललित कुमार,गाइड कैप्टन सुश्री तनु अग्रहरि आदि उपस्थित रहे जिला मुख्यायुक्तजिला विद्यालय निरीक्षक एल.बी.मौर्य,जिला सचिव चुन्नी लाल,जिला कमिश्नर स्काउट डॉ0 राम किरण त्रिपाठी, जिला कमिश्नर गाइड डॉ0 संगीता ने विजेता टीम कब और बुलबुल को बधाई और उज्वल भविष्य की शुभ कामनाएं दी

आदेश के बाद भी एक माह से पैमाईश के लिए तहसील का चक्कर काट रहा किसान

कौशांबी चाहे जितना भी कौशाम्बी के जिलाधिकारी सख्ती करे लेकिन राजस्व विभाग के कर्मचारियों पर कोई असर नही होता है।उनको अपने मनमानी तरीके से कार्य करना है अधिकारियों का कोई भय नही है।बगैर सुविधा शुल्क के तहसील में एक भी फाइल आगे नही बढ़ती है।यही कारण है कि किसान परेशान रहता है और अपने कार्य के लिये इनकी जी हुजूरी करता रहता है ताजा मामला ग्राम भगवानपुर बहुंगरा निवासी रामचंद्र कुशवाहा ने धारा 24 के तहत अपनी जमीन की पैमाईश के लिये दिया था जिसपर 25 जून 2026 से पहले पैमाईश के लिये कानूनगो को आदेशित किया गया है।कानूनगो द्वारा बार बार किसान को तहसील बुलाया जाता है लेकिन पैमाईश के लिये कोई तैयार नही होता है।आखिर राजस्व विभाग के जिम्मेदार किसान को क्यों परेशान कर रहे है उनकी क्या मनसा है। किसान ने इसकी शिकायत जिलाधिकारी करने की बात कही है।

लापता चचेरी बहनों के शव कुएं में मिले, अपहरण के केस के बाद मौत से फैली सनसनी

अखंड भारत संदेश

शिवपुरी। तेंदुआ थाना क्षेत्र के डेहरवारा गांव में लापता दो चचेरी नाबालिग बहनों के शव शनिवार सुबह घर से करीब 300 मीटर दूर स्थित एक कुएं से बरामद होने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। दोनों बहनें दो दिन पहले घर से अचानक लापता हो गई थीं। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू की थी। अब शव मिलने के बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर मौत के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, डेहरवारा गांव निवासी राजेंद्र धाकड़ की 16 वर्षीय बेटी कीर्ति धाकड़ और उनके भाई सुघर सिंह धाकड़ की 17 वर्षीय बेटी पूनम धाकड़ 16-17 जुलाई की रात भोजन करने के बाद सोने चली गई थीं। देर रात परिजनों की नींद खुली तो दोनों अपने बिस्तर पर नहीं थीं। काफी तलाश के बाद भी उनका कोई पता नहीं चलने पर पुलिस को सूचना दी गई।

पुलिस ने 17 जुलाई को अपहरण का मामला दर्ज कर दोनों की तलाश शुरू की। शनिवार सुबह घर से करीब 300 मीटर दूर एक कुएं के पास एक चप्पल मिलने पर पुलिस ने कुएं की तलाशी ली। लगभग 70 फीट गहरे कुएं से मोटर की मदद से पानी निकाला गया, जिसके बाद ग्रामीणों के सहयोग से दोनों बहनों के शव बरामद किए गए।

पुलिस के अनुसार, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि दोनों की मौत किन परिस्थितियों में हुई। मामले में हत्या, आत्महत्या या किसी अन्य कारण की सभी संभावनाओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वजह स्पष्ट हो सकेगी।

तेंदुआ थाना प्रभारी नीतू सिंह धाकड़ ने बताया कि दोनों बच्चियों के लापता होने पर पहले अपहरण का मामला दर्ज किया गया था। अब शव मिलने के बाद मर्ग कायम कर लिया गया है और हर पहलू से मामले की जांच की जा रही है।

सौतेले पिता पर नाबालिग से दुष्कर्म का आरोप :

24 घंटे के भीतर गिरफ्तार, कोर्ट में पेश कर भेजा गया जेल

अखंड भारत संदेश

शिवपुरी। जिले के नरवर थाना क्षेत्र की मगरौनी चौकी पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी सौतेले पिता को घटना दर्ज होने के 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। जानकरी के अनुसार, पीड़िता की शिकायत पर 17 जुलाई को मामला दर्ज किया गया। शिकायत में आरोप लगाया गया कि 15 जुलाई की दोपहर घर में अकेली होने के दौरान उसके सौतेले पिता ने उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। शिकायत के आधार पर नरवर थाने में अपराध क्रमांक 130/26 दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) तथा बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की संबंधित धाराओं में मामला पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की गई।

24 घंटे के भीतर आरोपी गिरफ्तार : पुलिस अधीक्षक शिवपुरी यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले एवं एसडीओपी पिछोर प्रशांत शर्मा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी नरवर निरीक्षक विनय यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई। टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी सौतेले पिता को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को आवश्यक वैधानिक कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

पानी से भरे गड्ढे में मिला युवक का शव, शिनाख्त नहीं; डूबने की आशंका

अखंड भारत संदेश

शिवपुरी। कोतवाली थाना क्षेत्र के कठमई इलाके में पानी से भरे एक गहरे गड्ढे से मिले अज्ञात युवक के शव की शनिवार शाम तक पहचान नहीं हो सकी। पुलिस जिले और आसपास के थानों के गुमशुदगी रिकॉर्ड का मिलान कर मृतक की शिनाख्त का प्रयास कर रही है। प्रारंभिक जांच में युवक की डूबने से मौत होने की आशंका जताई गई है।

पुलिस के अनुसार, शुक्रवार दोपहर कठमई क्षेत्र में पानी से भरे गड्ढे में शव होने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाकर जिला अस्पताल की मोच्यूरी में रखवाया। मृतक की उम्र करीब 25 से 30 वर्ष के बीच बताई जा रही है। उसके शरीर पर केवल अंडरवियर था और पहचान से जुड़ा कोई दस्तावेज या सामान नहीं मिला। प्राथमिक जांच में आशंका है कि युवक नहाने के दौरान गहरे पानी में डूब गया होगा। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। स्थानीय लोगों के अनुसार, जिस गड्ढे से शव मिला है वह मुरम खनन के बाद बना था, जिसमें बारिश के कारण पानी भर गया था। ऐसे गहरे गड्ढे पहले भी हादसों का कारण बन चुके हैं। कोतवाली पुलिस ने मृतक की पहचान के लिए जिले सहित आसपास के थानों से गुमशुदगी का ब्योरा मंगवाया है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति के लापता होने की जानकारी हो तो तत्काल पुलिस को सूचना दें, ताकि शव की शिनाख्त कर आगे की कार्रवाई की जा सके।

धान के खेत में पहुंचा छह फीट लंबा मगरमच्छ रोपाई कर रहे मजदूरों में मची भगदड़

अखंड भारत संदेश

शिवपुरी। जिले में लगातार हो रही बारिश के बीच नदी-नालों का जलस्तर बढ़ने से वन्यजीव अब खेतों तक पहुंचने लगे हैं। शुक्रवार को अकोदा गांव में धान के खेत में करीब छह फीट लंबा मगरमच्छ दिखाई देने से रोपाई कर रहे मजदूरों में भगदड़ मच गई। सभी मजदूर काम छोड़कर सुरक्षित स्थान पर पहुंच गए। सूचना मिलते ही मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण भी एकत्र हो गए।जानकारी के अनुसार, शुक्रवार दोपहर करीब दो बजे नदी किनारे स्थित खेत में मजदूर धान की रोपाई कर रहे थे। इसी दौरान पानी में तेज हलचल दिखाई दी। पहले मजदूरों को किसी बड़े जीव का आभास हुआ, लेकिन पास जाकर देखने पर खेत के बीच मगरमच्छ दिखाई दिया। इसके बाद मजदूर तत्काल खेत से बाहर निकल आए। ग्रामीणों का कहना है कि लगातार बारिश के कारण नदी का जलस्तर बढ़ने से मगरमच्छ बहकर खेत तक पहुंच गया होगा। घटना की सूचना फैलते ही आसपास के गांवों से भी लोग मौके पर पहुंच गए। शाम होने के बाद मगरमच्छ कुछ देर तक खेत में ही सक्रिय रहा, लेकिन बाहर नहीं निकला। देर रात तक लोग सुरक्षित दूरी से उसे देखते रहे।

बारिश के मौसम में नदी-नालों का जलस्तर बढ़ने पर मगरमच्छ और अन्य वन्यजीव आबादी व कृषि क्षेत्रों की ओर आ सकते हैं। ऐसे में लोगों को सतर्क रहने और किसी भी वन्यजीव के दिखाई देने पर उसके पास जाने के बजाय तुरंत वन विभाग या संबंधित अधिकारियों को सूचना देने की सलाह दी गई है।

कोलारस में एक रात में दो दुकानों के ताले टूटे, नकदी और हजारों का सामान चोरी

शिवपुरी। कोलारस कस्बे में चोरों ने एक ही रात में दो दुकानों को निशाना बनाकर नकदी और हजारों रुपये का सामान चोरी कर लिया। शनिवार सुबह दुकानदारों के पहुंचने पर घटना का पता चला। दोनों ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस अज्ञात चोरों की तलाश में जुटी है। पहली वारदात पुराने पुल के पास जगतपुर रोड स्थित ईरशाद खान की पंचर दुकान में हुई। दुकानदार के अनुसार, शुक्रवार शाम दुकान बंद कर घर चले गए थे। शनिवार सुबह लौटे तो गुमटी का ताला टूटा मिला। अंदर से करीब 30 मोटरसाइकिल ट्यूब, दो पैकेट राजश्री, सिगरेट के पैकेट और करीब 700 रुपये नकद गायब थे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

दूसरी घटना पुराने पुल के पास स्थित सतीश जाटव की इलेक्ट्रिक मरम्मत की दुकान पर हुई। शनिवार सुबह दुकान खोलने पहुंचे तो एक ताला टूटा मिला। जांच करने पर मरम्मत के लिए आई दो एचपी की पानी की मोटर और करीब सात किलो तांबे का तार चोरी मिला। चोरी गया सामान एक ग्राहक का बताया गया है। कोलारस थाना पुलिस ने दोनों मामलों में शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के साक्ष्य जुटाने के साथ क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपियों की पहचान कर चोरी की वारदात का खुलासा किया जाएगा।

धान रोपाई के बीच बिजली संकट से परेशान किसानों ने अधिकारियों को सौंपा ज्ञापन

22 घंटे बिजली, सुजानपुर रजबहा नियमित चलाने समेत आठ मांगें उठाई

अखंड भारत संदेश

असोथर (फतेहपुर)। धान की रोपाई के पीक सीजन में बिजली संकट से जूझ रहे किसानों ने भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के बैनर तले बिजली विभाग के अवर अभियंता (जेई) कमल कुमार विश्वकर्मा और सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता (एई) कमल किशोर सिंह को ज्ञापन सौंपकर बिजली और सिंचाई व्यवस्था में तत्काल सुधार की मांग की। भाकियू (अराजनैतिक) के ब्लॉक महामंत्री दिनेश प्रताप सिंह के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में कहा गया कि असोथर के 33/11 केवी पावर हाउस से पर्याप्त बिजली आपूर्ति नहीं मिल रही है। धान की रोपाई के सबसे महत्वपूर्ण समय में किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त बिजली न मिलने से खेती प्रभावित हो रही है। ज्ञापन में सभी फीडरों पर पर्याप्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने, पावर हाउस असोथर से 22 घंटे निर्बाध बिजली देने, बिना कारण कटौती बंद करने, जर्जर तारों व खंभों को बदलने, गांवों में खराब पड़े ट्रांसफार्मरों को तत्काल बदलने तथा 100 केवी क्षमता वाले ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाने की मांग की गई। इसके साथ ही सुजानपुर रजबहा को नियमित रूप से संचालित किए जाने की मांग उठाई गई, ताकि किसानों की धान की रोपाई समय से पूरी हो सके और सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध रहे। किसानों ने पावर हाउस में खराब मशीन तथा पिछले दो वर्षों से बंद पड़े कैपेसिटर बैंक को भी तत्काल दुरुस्त कराने की मांग की, जिससे लो-वोल्टेज की समस्या समाप्त हो सके। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द बिजली और सिंचाई व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया तो आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान भाकियू (अराजनैतिक) के संरक्षक शिव बदन सिंह भदौरिया, उपाध्यक्ष प्रमोद सिंह, मीडिया प्रभारी नरसिंह मौर्य, कौहन ग्राम अध्यक्ष प्रमोद दुबे, ग्राम उपाध्यक्ष अंशुमान सिंह, युवा अध्यक्ष अजय सिंह, नगर अध्यक्ष पवन वर्मा, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के लल्ला खान, सचिव रजत मिश्रा, तहसील सचिव कैलाश चंद्र शुक्ला, बेरूई न्याय पंचायत अध्यक्ष आशीष पांडेय, छोटी सरकंडी ग्राम पंचायत अध्यक्ष हरिओम सिंह, ग्राम उपाध्यक्ष महेश निषाद, समाजसेवी रोशन सिंह, बेसड़ी ग्राम अध्यक्ष रमन तिवारी, कौड़र ग्राम अध्यक्ष कपूर सिंह सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

मिशन शक्ति अभियान में महिलाओं को किया जागरूक, हेल्पलाइन नंबरों की दी जानकारी

फतेहपुर। मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण के तहत फतेहपुर पुलिस ने शनिवार को जिलेभर में महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को लेकर जागरूकता अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में सभी थाना क्षेत्रों में मिशन शक्ति और एंटी रोमियो टीमों ने बाजारों, सार्वजनिक स्थलों और गांवों में पहुंचकर महिलाओं व बालिकाओं को उनके अधिकारों और सुरक्षा उपायों की जानकारी दी। अभियान के दौरान ग्राम चौपाल आयोजित कर ग्रामीणों से संवाद किया गया और महिला सुरक्षा से जुड़े मामलों में त्वरित एवं विधिसम्मत कार्रवाई की जानकारी दी गई। पुलिस टीमों ने महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों की रोकथाम, आत्मरक्षा और कानूनी अधिकारों के प्रति भी जागरूक किया। इस दौरान महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, एंबुलेंस सेवा 108, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 तथा साइबर हेल्पलाइन 1930 की जानकारी दी गई। साथ ही साइबर अपराध की शिकायत दर्ज कराने के लिए राष्ट्रीय साइबर क्राइम पोर्टल के उपयोग के बारे में भी लोगों को जागरूक किया गया।

न्यूज झरोखा

शादी का झांसा देकर 99 हजार ठगे, कथित दुल्हन समेत दो गिरफ्तार

शिवपुरी। पिछोर थाना पुलिस ने शादी कराने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का पदार्फाश करते हुए कथित दुल्हन समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों को न्यायालय में पेश करने के बाद उप जेल पिछोर भेज दिया गया है, जबकि मामले के अन्य आरोपी अभी फरार हैं। पुलिस के अनुसार, हरियाणा के गुरुग्राम जिले के सोहना क्षेत्र निवासी प्रीति फोगाट ने 13 जुलाई को शिकायत दर्ज कराई थी।

फोनपे से कराए रुपये ट्रांसफर, फिर की मारपीट : शिकायत के मुताबिक आरोपियों ने पहले फोनपे के जरिए 99 हजार रुपये अपने खाते में ट्रांसफर करा लिए। इसके बाद तय स्थान पर पीड़ित पक्ष को रोककर दोबारा पैसों की मांग की। विरोध करने पर आरोपियों ने प्रीति फोगाट के साथ मारपीट की, वाहन में तोड़फोड़ की और कथित दुल्हन को भी अपने साथ ले गए। साथ ही पुलिस में शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी भी दी।

पूछताछ में कबूला जुर्म, फरार आरोपियों की तलाश : पुलिस ने मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर शनिवार को मुख्य आरोपी कल्ला उर्फ प्रेमकुमार लोधी और शिवानी लोधी को गिरफ्तार कर लिया। एसडीओपी प्रशांत शर्मा ने बताया कि पूछताछ में दोनों ने घटना में अपनी भूमिका स्वीकार की है। दोनों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है। वहीं, नामजद आरोपी प्राण सिंह यादव समेत अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

खाद्य विभाग की टीम ने नेशनल हाइवे के रेस्टोरेंट-ढाबों का किया निरीक्षण, 4 नमूने लिए गए

फतेहपुर। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उ०प्र० और जिलाधिकारी के आदेश पर सहायक आयुक्त बी०एस० कुशवाहा के नेतृत्व में आज फतेहपुर के नेशनल हाइवे किनारे स्थित रेस्टोरेंट व ढाबों का निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान स्वच्छता संबंधी कमियों को तत्काल सुधारवाया गया।गुणवत्ता के संदेह पर 2 ढाबों से नमूने लिए गए।दुग्ध वाहन से भी 1 दूध का नमूना संग्रहित किया गया।इस प्रकार कुल 4 नमूने लिए गए।महाराजा होटल से आटा, रामदरबार रेस्टोरेंट से अरहर की दाल, आईजीआरएस पोर्टल की शिकायत पर ग्राम गुरवल खागा से मैक्रोनी और किशनपुर रोड स्थित योगेश पाल के दुग्ध वाहन से दूध का नमूना लिया गया।सभी नमूनों को जांच हेतु खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला भेजा गया है।जांच रिपोर्ट आने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।टीम में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजेश कुमार दीक्षित, खाद्य सुरक्षा अधिकारी सिद्धार्थ कुमार, दिनेश चन्द्र, धीरज कुमार दीक्षित, अनुराधा कुशवाह और देवेश मिश्रा उपस्थित रहे।

शांति भंग में 26 गिरफ्तार, 432 वाहनों का चालान

फतेहपुर। पुलिस ने जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में शांति भंग की आशंका में कुल 26 लोगों को धारा 170/126/135 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया।थाना गाजीपुर से 5, ललौली से 6, खागा से 2, सुल्तानपुर घोष से 11 और किशनपुर से 2 अभियुक्तों के विरुद्ध कार्रवाई की गई।वांछित/वारंटी गिरफ्तारी में थाना हथगांव पुलिस ने 1 वारंटी और 3 वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया।यातायात अभियान के तहत 432 वाहनों का चालान किया गया, 1 वाहन से 2000 रुपये शमन शुल्क वसूला गया और 1 वाहन सीज किया गया।

मारपीट के मामले का वारंटी गिरफ्तार, न्यायालय में किया गया पेश

फतेहपुर। वांछित और वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत हथगांव थाना पुलिस ने शनिवार को एक वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी दीपू लोधी, निवासी ग्राम लाल का पुरवा, थाना हथगांव, वर्ष 2022 में दर्ज मारपीट के एक मामले में न्यायालय से जारी वारंट पर वांछित चल रहा था। पुलिस टीम ने उसे गिरफ्तार कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया। गिरफ्तारी की कार्रवाई उपनिरीक्षक अभिमन्यु सिंह और आरक्षी प्रवीण यादव की टीम ने की।

ट्रेन में मोबाइल लेकर उड़ाए 9 हजार, यूपीआई पिन देखकर मजदूर को बनाया शिकार

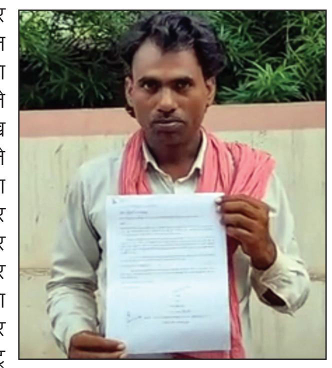

शिवपुरी। महाराष्ट्र से मजदूरी कर अपने गांव लौट रहे एक युवक से ट्रेन में 9 हजार रुपये की साइबर ठगी का मामला सामने आया है। आरोपी ने पहले युवक का यूपीआई पिन देख लिया, फिर मां की तबीयत खराब होने का बहाना बनाकर मोबाइल लिया और खाते से रकम ट्रांसफर कर फरार हो गया। पीड़ित ने साइबर क्राइम प्रकोष्ठ में शिकायत दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। नरवर थाना क्षेत्र के काली पहाड़ी मेड़ा श्यामपुर निवासी धनवंत सिंह बघेल महाराष्ट्र के सोलापुर में एक धागा फैक्ट्री में काम करते हैं। 16 जुलाई को वह ट्रेन से अपने घर लौट रहे थे। यात्रा के दौरान एक स्टेशन पर उन्होंने यूपीआई से भुगतान किया। इसी दौरान पास में मौजूद युवक ने उनका यूपीआई पिन देख लिया।कुछ देर बाद वही युवक उनके पास आकर बैठ गया और बातचीत के दौरान मां की तबीयत खराब होने की बात कहकर जरूरी कॉल करने के लिए मोबाइल मांग लिया। भरोसा होने पर धनवंत सिंह ने अपना मोबाइल उसे दे दिया। आरोप है कि युवक ने मोबाइल मिलते ही यूपीआई पिन का इस्तेमाल कर दोपहर 2:42 बजे रविकांत चौबे के यूपीआई खाते में 9 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद उसने मोबाइल वापस किया और पानी लेने का बहाना बनाकर ट्रेन से उतरकर फरार हो गया। कुछ समय बाद खाते से रुपये कटने का संदेश मिलने पर पीड़ित को ठगी का पता चला। काफी तलाश के बाद भी आरोपी का पता नहीं चल सका। इसके बाद धनवंत सिंह ने शिवपुरी साइबर क्राइम प्रकोष्ठ में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और आरोपी की तलाश की जा रही है।

असोथर रोड पर जलभराव से मिलेगी राहत, अध्यक्ष ने किया निरीक्षण; दो दिन में नाली निर्माण शुरू कराने के निर्देश

अखंड भारत संदेश

असोथर (फतेहपुर)। नगर पंचायत क्षेत्र में लंबे समय से लोगों के लिए परेशानी का कारण बने असोथर रोड स्थित पावर हाउस के सामने जलभराव की समस्या के समाधान की दिशा में शनिवार को पहल की गई। नगर पंचायत अध्यक्ष नीरज सिंह सेंगर ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को दो दिन के भीतर नाली निर्माण का कार्य शुरू कराने के निर्देश दिए।

बताया गया कि लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा असोथर से हरनावा मार्ग का निर्माण कराया गया था, लेकिन सड़क के किनारे जलनिकासी के लिए नाली का निर्माण नहीं कराया गया। नतीजतन हल्की बारिश होने पर भी पावर हाउस के सामने पानी भर जाता है और यह समस्या स्थायी रूप ले चुकी है। जलभराव के कारण राहगीरों, वाहन चालकों और आसपास के दुकानदारों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों को होती है, जिन्हें प्रतिदिन इसी मार्ग से विद्यालय आना-जाना पड़ता है। सड़क पर भरे पानी के बीच से गुजरने की मजबूरी के चलते कई बार फिसलने और दुर्घटना का भी खतरा बना रहता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार संबंधित विभाग का ध्यान इस समस्या की ओर दिलाया गया, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं हो सका। शनिवार को निरीक्षण के दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष नीरज सिंह सेंगर ने मौके पर जलनिकासी व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक स्थान पर पुरानी नाली को तोड़कर नई नाली का निर्माण कराने तथा जल निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत क्षेत्र में लोगों की मूलभूत सुविधाओं से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और जहां भी जलभराव जैसी समस्याएं हैं, उनका प्राथमिकता के आधार पर समाधान कराया जाएगा। अध्यक्ष ने स्पष्ट निर्देश दिए कि दो दिन के भीतर नाली निर्माण का कार्य शुरू कराया जाए, ताकि वर्षों से चली आ रही जलभराव की समस्या से लोगों को राहत मिल सके। निरीक्षण के दौरान स्थानीय लोगों ने भी समस्या के शीघ्र समाधान की मांग करते हुए नगर पंचायत की पहल का स्वागत किया और उम्मीद जताई कि जल्द ही इस मार्ग पर जलभराव से निजात मिलेगी।

तहसीलों में हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन, डीएम-एसपी ने सुनी समस्याएं

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए शनिवार को जनपद की सभी तहसीलों में ह्यसम्पूर्ण समाधान दिवसह्न का आयोजन किया गया। जिसमें पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों ने समस्याओं को सुनकर सम्बन्धितों को निस्तारण के निर्देश दिए। मुख्य समाधान दिवस मऊ तहसील सभागार में जिलाधिकारी पुलकित गर्ग की अध्यक्षता और पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। यहां विद्युत, चकबंदी, पैमाइश (पत्थरगड़ी), चकरोड और जलभराव से जुड़ी शिकायतें प्रमुख रूप से सामने आईं।

सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी ने भू-राजस्व अधिनियम की धारा-24 (पैमाइश) के तहत पत्थरगड़ी उखाड़ने के मामलों को गंभीरता से लेते हुए स्पष्ट किया कि विधिक पैमाइश के बाद पत्थरगड़ी उखाड़ने वालों पर तत्काल एफआईआर दर्ज कराई जाए। पूर्व में प्राप्त दो ऐसे मामलों पर उन्होंने तुरंत मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिए। समस्त एसडीएम को निर्देश दिए कि जिन लेखपालों के क्षेत्रों से अधिक शिकायतें आ रही हैं, उनकी जवाबदेही तय की जाए। भूमि विवादों में राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर पहुंचकर पारदर्शी निस्तारण सुनिश्चित करे। एसपी अरुण कुमार सिंह ने थाना प्रभारियों को निर्देश दिए कि महिला संबंधी शिकायतों का प्राथमिकता से निस्तारण करें। साथ ही जनपद में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए जनपद में पूरी मुस्तैदी के साथ ड्यूटि करने के निर्देश दिए। कहा कि इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान प्राप्त कुल 101 प्रार्थना पत्रों में से आठ का निस्तारण मौके पर किया गया। इस मौके पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. महेंद्र कुमार त्रिपाठी, बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी मनोहर लाल धर्मन, एसडीएम मऊ आरआर रमन समेत संबंधित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

इसी प्रकार मानिकपुर में मुख्य विकास अधिकारी देवी प्रसाद पाल की अध्यक्षता में समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें सीडीओ ने फरियादियों की समस्याओं को सुनकर सम्बन्धितों को निस्तारण के निर्देश दिए। इस दौरान प्राप्त कुल 86 प्रार्थना पत्रों में से दो का मौके पर निस्तारण कराया गया। इस मौके पर तहसीलदार दयाशंकर वर्मा, खंड विकास अधिकारी पवन सिंह, एडीओ पंचायत मोहन लाल, खंड शिक्षा अधिकारी मिथलेश कुमार, प्रभारी निरीक्षक अजीत कुमार पाण्डेय मानिकपुर, मुन्नी लाल मारकुंडी, वंश नारायण सिंह चैकी सरैया, सुनील कुमार राय रैपुरा के अलावा जल संस्थान, सिंचाई विभाग, विद्युत विभाग वन विभाग आदि मौजूद रहे।

इसी प्रकार जनपद की अन्य तहसीलों में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों ने जनसमस्याओं को सुना तथा सम्बन्धितों को निस्तारण के निर्देश दिए। जिसमें क्रम में कर्वी में प्राप्त कुल 94 प्रार्थना पत्रों में से आठ और तहसील राजापुर में प्राप्त कुल 61 प्रार्थना पत्रों में से पांच का मौके पर निस्तारण किया गया। साथ ही शेष प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए गए। इस मौके पर सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

मंदाकिनी अतिथि गृह का डीएम-एसपी ने किया संयुक्त निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग और पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने शनिवार को ग्राम कालूपुर स्थित मंदाकिनी अतिथि गृह का संयुक्त स्थलीय निरीक्षण कर वहां उपलब्ध सुविधाओं और कराए गए मरम्मत कार्यों का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान अवगत कराया गया कि चित्रकूट विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण द्वारा 15.72 लाख रुपये की लागत से अतिथि गृह की मरम्मत, अनुरक्षण और सौंदर्यीकरण का कार्य कराया गया है। इसमें खिड़कियों-दरवाजों की पॉलिश, क्षतिग्रस्त कांच और दरवाजों का प्रतिस्थापन, ट्यूबलाइट व पंखों का नवीनीकरण, क्षतिग्रस्त बाउंड्री वॉल का निर्माण, भवन की रंगाई-पुताई, साइन बोर्ड का प्रतिस्थापन तथा मुख्य प्रवेश द्वार की बाउंड्री वॉल पर मधुबनी पेंटिंग का कार्य कराया गया है। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि अतिथि गृह में उपलब्ध कुर्सियों और डाइनिंग टेबल की उच्च गुणवत्ता के साथ पॉलिश कराई जाए। उन्होंने परिसर में नियमित साफ-सफाई, स्वच्छता और समुचित रखरखाव सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए, ताकि आगंतुकों को बेहतर वातावरण मिल सके। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि अतिथि गृह की बुकिंग और उपयोग से संबंधित मासिक प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से प्रेषित की जाए। साथ ही अतिथि गृह पर स्पष्ट और आकर्षक साइन बोर्ड स्थापित कराने के निर्देश भी दिए। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील की कि विभिन्न सामाजिक, पारिवारिक और शासकीय आयोजनों के लिए मंदाकिनी अतिथि गृह की उपलब्ध सुविधाओं का अधिकाधिक उपयोग करते हुए इसकी बुकिंग कराएं।

मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना समेत अन्य योजनाओं का लेने के लिए 31 जुलाई तक करें आवेदन

चित्रकूट। मत्स्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने के लिए विभागीय पोर्टल पर 16 जुलाई से 31 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन किए जाएंगे। मत्स्य निरीक्षक शेषनाथ ने बताया कि राज्य सेक्टर की मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना, सघन मत्स्य पालन के लिए एरियेशन सिस्टम की स्थापना, मोती संवर्धन योजना और विशिष्ट प्रजाति की मत्स्य हैचरी स्थापना के लिए आवेदन किए जा सकते हैं। इसके साथ ही मत्स्य पालक कल्याण कोष के अंतर्गत मोपेड विद आइस बॉक्स और केज संवर्धन के लिए भी आवेदन मांगे गए हैं। प्रत्येक योजना के लिए अलग-अलग आवेदन करना होगा। जनपद की समस्त ग्राम सभाओं में स्थित तालाबों के पट्टा धारक, मत्स्य पालक और मछुआ समुदाय के व्यक्ति इसमें आवेदन कर सकते हैं। योजना में संशोधन होने पर संशोधित प्रावधान लागू होंगे। पूर्व वर्षों में जिनके आवेदन निरस्त या प्रतीक्षारत रह गए थे, वे भी दोबारा आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के लिए मत्स्य विभाग की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी की जा सकती है।

अहमदगंज के भूस्वामियों ने आवास विकास परिषद को जमीन देने से किया इंकार

जबरन अधिग्रहण पर आंदोलन की चेतावनी

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद इकाई बांदा द्वारा आज चित्रकूट के सर्किट हाउस में अहमद गंज के भूमि स्वामियों को बुलाया गया और जनसुनवाई की गई। जिसमें अहमदगंज के भूमि स्वामियों ने एक स्वर में अपनी जमीन आवास विकास परिषद को देने से मना कर दिया।

भूस्वामियों ने कहा कि जिस भूमि को आवास विकास परिषद भूमि अधिग्रहित करने का प्रस्ताव कर रहा है वह मौजा अहमदगंज में स्थित है, यह ना तो बंजर है और न ही कृषि योग्य भूमि है। यह क्षेत्र पूरी तरह से व्यावसायिक गतिविधियों का केंद्र बन चुका है। भूमि स्वामियों ने अधिकारियों को बताया कि इस क्षेत्र में बहुमंजिला भवन, पर्यटकों के लिए होटल, रेस्टोरेंट, पेट्रोल पंप, विद्यालय और कई व्यावसायिक प्रतिष्ठान संचालित हैं। इस भूमि के अधिग्रहण से भविष्य में जिले से बड़े निवेश और व्यावसायिक परियोजनाओं के लिए उपयुक्त जमीन उपलब्ध नहीं हो पाएगी। उन्होंने कहा कि चित्रकूट बहुत ही तेजी से पर्यटन और व्यावसायिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है यदि मुख्य मार्ग से लगी व्यावसायिक भूमि को आवासीय योजना में शामिल किया गया तो नए उद्योग, होटल और अन्य निवेश प्रभावित होंगे इससे स्थानीय लोगों के लिए रोजगार का संकट खड़ा हो जाएगा। उन्होंने इस व्यावसायिक भूमि को अधिग्रहण से मुक्त रखने तथा परिषद के लिए दूसरी जगह उपयुक्त भूमि चयनित करने की मांग की है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर आवास विकास परिषद द्वारा जबरदस्ती उनकी जमीन का अधिग्रहण किया गया, तो विशाल जनांदोलन किया जाएगा। इस मौके पर राकेश भारद्वाज, उमाशंकर तिवारी, आनंद कुमार मिश्रा, अरुण कुमार अग्रहरि ,मनोज कुमार अग्रहरि, राजीव श्रीवास्तव, बृजेंद्र कुमार शुक्ला, विवेक मिश्रा, रानी पांडेय, वंदना देवी, आशुतोष तिवारी, हरिओम शुक्ला, नीतू पांडेय, कविता गर्ग, साधना अग्रहरि ,रानी मिश्रा, प्रिया मुदगिल, संगीता पांडेय, कृति प्रकाश वर्मा, मंजू वर्मा, सौनक शुक्ला, राम सुमिरन पांडेय आदि ने अपनी आपत्ति दर्ज कराई।

अग्रिम जमानत प्रार्थना पत्र निरस्त

चित्रकूट। अभिलेखों में गड़बड़ी के मामले में नामजद दो लेखपालों की अग्रिम जमानत सत्र न्यायाधीश शेषमणि ने खारिज कर दी है। जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी श्यामसुंदर मिश्रा ने बताया कि मानिकपुर तहसील में खतौनी कम्प्यूटर कार्यालय में खाताधारकों की भूमि के श्रेणी परिवर्तन के मामले में लेखपाल कल्पना कनौजिया और काशीनाथ त्रिपाठी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। जिसमें दोनों आरोपियों ने अधिवक्ता के जरिए न्यायालय में अग्रिम जमानत प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया था। बचाव और अभियोजन पक्ष के अधिवक्ताओं की दलीलें सुनने के बाद सत्र न्यायाधीश शेषमणि ने इस मामले की गंभीरता के दृष्टिगत दोनों के प्रार्थना पत्र निरस्त कर दिए।

जिला उद्योग व व्यापार बंधु की बैठक कल

चित्रकूट: जिला उद्योग बंधु और जिला व्यापार बंधु की बैठक जिलाधिकारी पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में 20 जुलाई सोमवार की दोपहर 12 बजे कलेक्टरेट सभागार में आयोजित की जाएगी। उप आयुक्त उद्योग चंद्र प्रकाश ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अद्यतन विभागीय प्रगति के साथ समय से बैठक में प्रतिभाग करें।

विवाहिता की संदिग्ध हालत में मौत

चित्रकूट। चित्रकूट के रैपुरा थाना क्षेत्र के बसीला का पुरवा गांव में विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका के मायके पक्ष ने सास और ननद पर हत्या कर शव को फंदे से लटकाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है और मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, ग्राम बसीला का पुरवा निवासी अभिलाष कुमार की पत्नी सविता (22) की शुक्रवार शाम करीब 9 बजे संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई। सविता का मायका रैपुरा थाना क्षेत्र के ही ग्राम खोह में है। घटना की सूचना मिलते ही मायके पक्ष के लोग मौके पर पहुंचे। मृतका के परिजनों का आरोप है कि सविता की हत्या कर उसे आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को साड़ी के फंदे से लटकाया गया।

डीएम के नहीं पहुंचने से मायूस लौटे फरियादी, संपूर्ण समाधान दिवस में 122 शिकायतें आईं, 20 का मौके पर निस्तारण

बाँदा। पैलानी तहसील परिसर स्थित महर्षि पायल सभागार में शनिवार को आयोजित जिला स्तरीय संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी के नहीं पहुंचने से कई फरियादी मायूस नजर आए।अपनी समस्याओं के समाधान की उम्मीद लेकर पहुंचे लोगों ने अधिकारियों को शिकायतें सौंपीं,लेकिन जिलाधिकारी की अनुपस्थिति चर्चा का विषय बनी रही।पडोहरा निवासी अरुण सिंह चौहान ने शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि गांव के सार्वजनिक शौचालय पर प्रधान ने ताला लगा रखा है।उन्होंने कहा कि इस संबंध में पहले आईजीआरएस पोर्टल और जिलाधिकारी को भी प्रार्थना पत्र दिया जा चुका है, लेकिन अब तक शौचालय का ताला नहीं खुलवाया गया।अमलोर गांव की सुमन पत्नी रविंद्र ने बताया कि नया राशन कार्ड बनवाने के लिए कई बार आवेदन करने के बावजूद अब तक उनका राशन कार्ड जारी नहीं किया गया।वहीं गौरी कला गांव के इंद्रजीत पुत्र जयकरण ने आरोप लगाया कि भूमि की पैमाइश के लिए आवेदन देने के बाद भी लेखपाल ने आज तक उनकी जमीन की नाप नहीं कराई।सम्पूर्ण समाधान दिवस में मुख्य रूप से उप जिलाधिकारी अंकित वर्मा रहे।इस दौरान तहसीलदार राधेश्याम सिंह,नायब तहसीलदार कृतिका अवस्थी, नायब तहसीलदार वेद प्रकाश सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।समाधान दिवस में कुल 122 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 20 मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को समयबद्ध कार्रवाई के लिए भेज दिया गया।

किसान के बेटे ने रचा इतिहास, NEET में 667 अंक; ऑल इंडिया रैंक 600 से बांदा का बढ़ाया मान

बांदा। सीमित संसाधनों में बड़े सपने देखने वाले किसान के बेटे ने अपनी मेहनत और लगन के दम पर ऐसा मुकाम हासिल किया है,जिस पर पूरे बांदा जिले को गर्व है।अतर्रा क्षेत्र के ग्राम रीगा निवासी शैलेन्द्र कुमार ने NEET-2026 परीक्षा में 667 अंक हासिल कर ऑल इंडिया रैंक 600 तथा उत्तर प्रदेश में 183वीं रैंक प्राप्त की है। शैलेन्द्र के पिता रामनाथ किसान हैं। आर्थिक चुनौतियों के बावजूद उन्होंने बेटे की पढ़ाई में कोई कमी नहीं आने दी। शैलेन्द्र ने अपनी शुरूआती शिक्षा पूरी करने के बाद प्रयागराज के कर्नलगंज इंटर कॉलेज से इंटरमीडिएट उत्तीर्ण किया।इसके बाद उन्होंने प्रयागराज में रहकर पूरी लगन और अनुशासन के साथ ठएएळ की तैयारी की, जिसका परिणाम आज पूरे जिले के सामने है।अपनी सफलता का श्रेय शैलेन्द्र ने अपने माता-पिता, परिवार और विशेष रूप से कर्नलगंज इंटर कॉलेज के भौतिक विज्ञान के प्रवक्ता सुनील कुमार तिवारी को दिया।उन्होंने कहा कि तिवारी सर के मार्गदर्शन,प्रेरणा और निरंतर सहयोग ने उन्हें लक्ष्य तक पहुंचने का आत्मविश्वास दिया।शैलेन्द्र की इस उपलब्धि से गांव रीगा ही नहीं,पूरे अतर्रा क्षेत्र में खुशी की लहर है।ग्रामीणों और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि किसान परिवार के इस होनहार बेटे ने साबित कर दिया है कि कठिन परिश्रम, दृढ़ संकल्प और सही मार्गदर्शन के बल पर किसी भी मंजिल को हासिल किया जा सकता है।

संपूर्ण समाधान दिवस में उमड़ी फरियादियों की भीड़, 133 शिकायतों में से 11 का मौके पर निस्तारण

बबेरू/बांदा। बबेरू तहसील सभागार में शनिवार को आयोजित 'संपूर्ण समाधान दिवस' का आयोजन मुख्य विकास अधिकारी बांदा, अजय कुमार पांडे और उप जिलाधिकारी बबेरू, अवनीश कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। दोपहर तक चले इस कार्यक्रम में फरियादियों ने अपनी समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष रखा। समाधान दिवस के दौरान तहसील क्षेत्र के विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में लोग अपनी फरियाद लेकर पहुंचे। इस दौरान कुल 133 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। इनमें से अधिकांश मामले जमीनी विवादों और विकास विभाग से संबंधित योजनाओं के थे। अधिकारियों ने गंभीरतापूर्वक एक-एक फरियादी की बात सुनी और मौके पर मौजूद संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। प्राप्त कुल शिकायतों में से 11 शेष लंबित प्रार्थना पत्रों को संबंधित विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों को सौंपते हुए सीडीओ अजय कुमार पांडे ने कड़े निर्देश दिए कि शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध तरीके से किया जाए, ताकि फरियादियों को बार-बार तहसील के चक्कर न काटने पड़े इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम के दौरान प्रशासन की पूरी टीम मुस्तैद रही। मौके पर नायब तहसीलदार मनोहर सिंह, बबेरू क्षेत्राधिकारी कृष्णकांत त्रिपाठी, खंड विकास अधिकारी ओमप्रकाश द्विवेदी सहित तहसील स्तरीय अन्य सभी विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

खलीफा की डॉल्फिन आर्मी मचाएगी तबाही ! अमेरिकी कैंप में फैली सनसनी

अमेरिका

स्टेट ऑफ हार्मोस की 3 महीने तक नाकेबंदी के बावजूद अमेरिकी नौसेना ईरान की घेराबंदी क्यों नहीं तोड़ पाई? जिसकी वजह है वो सीमा आइं यानी समुद्र के भीतर बारूदी सुरंग जिसके आगे दुनिया की सबसे ताकतवर नेवी के पसीने छूट गए। अब ईरानी नेवी ने इसी स्टेट ऑफ हॉर्मोस में डॉल्फिन की ऐसी फौज तैनात की जिसके बारे में अमेरिकी नौसेना को पिछले 4 महीने से पता नहीं था। स्ट्रेट ऑफ हॉर्मोस में ईरानी नसेना ने चप्पे-चप्पे पर सी माइनस बिछाने के बाद अब कामिकाजे डॉल्फिनस को पूरे हॉर्मोस में तैनात किया है। ईरान का यह डॉल्फिन वेपन अब तक किसी ने नहीं देखा। अमेरिका को लगता है कि सिर्फ वही डॉल्फिनस को आर्मी ट्रेनिंग देता है। लेकिन ईरान की डॉल्फिन आर्मी देखकर अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन की होगी। होर्मुज में तैनात ईरान की कामिकाजे डॉल्फिन आ गई।

ये डॉल्फिन यूएस की युद्ध और टैंकर्स को उड़ाने में सक्षम है। तो क्या अब अकेले अपनी सेना के दम पर स्टेट ऑफ हॉरमोस से ईरान का कब्जा हटाएंगे ट्रंप? अगर ऐसा हुआ तो ट्रंप हॉर्मोस में वेपन क्या इस्तेमाल करेंगे? यह वही ट्रेन डॉल्फिन जो यूक्रेन के साथ समुद्री जंग में रूस इस्तेमाल कर चुका है और अब ईरानी नेवी हॉर्मूस में करने को तैयार है। ईरान से जंग के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने दावे बहुत किए। मसलन ईरान में कुछ बचा नहीं। हमने सब कुछ तहसनहस कर दिया। ईरान घुटनों पर आ गया। सीजफायर हो गया। लेकिन अपनी मांगों को मनवाने के लिए ट्रंप छटपटाते हुए दिखाई पड़ रहे हैं। ईरान इस जंग के एक ऐसे मुहाने पर खड़ा है जहां ट्रंप हलकान दिखाई पड़ रहे हैं।

कामिकाजे डॉल्फिनस क्या होती हैं?

ईरान के समुद्री सीमा वाले स्टेट ऑफ हार्मोस में कामिकाजे डॉल्फिन किसी सुसाइड बमबर की तरह काम कर रही है। इस खबर ने दुनिया भर के सिक्योरिटी एक्सपर्ट के होश उड़ा दिए। इंटरनेशनल डिफेंस गलियारों में दावा यह कि ईरान समंदर में अमेरिकी नौसेना और कमर्शियल तेल टैंकरों को तबाह करने के लिए इंसानी सुसाइड बमबर्स के तर्ज परमिकाजे डॉल्फिन का पूरा बीड़ा तैयार हो चुका है। इन डॉल्फिन को आत्मघाती हमलों की मिलिट्री ट्रेनिंग दी। कई रिपोर्ट्स में दावा यह कि ईरान इन डॉल्फिन मछलियों के शरीर पर भारी-भरकम बारूद बांध चुका है। इसके साथ विस्फोटक और घातक समुद्री माइस के साथ अमेरिकी युद्धपोतों की तरफ छोड़ देता है। जैसे ये डॉल्फिन जहाजों के निचले हिस्से से टकराती है ।

अड़चनों और बढ़ते कर्ज से कंगाली की राह पर इस्लामाबाद

इस्लामाबाद

पाकिस्तान एक और फ्यूल सप्लाई संकट का सामना कर रहा है। पेट्रोल का घटता स्टॉक, इम्पोर्ट में देरी और पॉलिसी से जुड़ी अड़चनों ने देश की एनर्जी सिक्योरिटी को लेकर चिंता बढ़ा दी है। 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' के अनुसार, इंडस्ट्री के अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि पेट्रोल का स्टॉक घटकर लगभग 379,000 टन रह गया है (इसमें लोकल रिफाइनरियों से मिलने वाली सप्लाई भी शामिल है)। खपत की मौजूदा दर को देखते हुए यह स्टॉक सिर्फ.दो हफ़्ते के लिए ही काफी है। जुलाई के पहले पखवाड़े में पेट्रोल की मांग में जबरदस्त उछाल आया है; रोजाना पेट्रोल की बिक्री अनुमान और पिछले साल के आंकड़ों से ज्यादा रही है, जिसकी वजह फ्यूल की कीमतों में एक और बढ़ोतरी की उम्मीद है। खपत बढ़ने से पहले से ही सीमित स्टॉक पर दबाव और बढ़ गया है, जबकि तय समय पर

फ्यूल इम्पोर्ट न हो पाने से अनिश्चितता और बढ़ गई है। हालांकि आने वाले दिनों में लगभग 1,53,000 टन पेट्रोल की खेप आने की उम्मीद है, लेकिन पिछले महीने कम से कम एक तय कार्गो को मंजूरी नहीं मिल पाई और कई तेल मार्केटिंग कंपनियों से जुड़ी एक और इंपोर्ट डील कथित तौर पर रद्द कर दी गई, जिससे सप्लाई और भी तंग हो गई। होर्मुज जलडमरूमध्य और बाब अल-मंडेब के आसपास तनाव के कारण इंटरनेशनल शिपिंग में रुकावटों ने भी स्थिति को मुश्किल बना दिया है, जिससे ग्लोबल तेल की कीमतें और माल ढुलाई का खर्च बढ़ गया है। हालांकि, इंडस्ट्री के प्रतिनिधियों का तर्क है कि घरेलू प्रशासनिक और वित्तीय चुनौतियां ही इस संकट को और गंभीर बनाने वाले मुख्य कारण हैं।

तेल मार्केटिंग कंपनियों ने सरकार से लगभग 66.7 अरब रुपये के बकाया 'प्राइस डिफरेंशियल क्लेम' का तुरंत भुगतान करने की अपील की है। उनका कहना है कि भुगतान में देरी के कारण नए ईंधन आयात के लिए फंड जुटाने की उनकी क्षमता कमजोर हो गई है।

अजित डोभाल ने बिम्सटेक बैठक में दी चेतावनी, कहा- क्षेत्रीय स्थिरता के लिए ठोस कदम उठाना जरूरी

नेपाल

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने गुरुवार को इक्टरळएउ के राष्ट्रीय सुरक्षा प्रमुखों की पांचवीं बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में बंगाल की खाड़ी क्षेत्र के देशों के शीर्ष खुफिया और सुरक्षा अधिकारी शामिल हुए, ताकि क्षेत्रीय स्थिरता को मजबूत किया जा सके। इस उच्च-स्तरीय बैठक में 'बे ऑफ बंगाल इनिशिएटिव फॉर मल्टी-सेक्टरल टेक्निकल एंड इकोनॉमिक कोऑपरेशन' (इक्टरळएउ) के सात सदस्य देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इन देशों में बांग्लादेश, भूटान, भारत, म्यांमार, नेपाल, श्रीलंका और थाईलैंड शामिल हैं। प्रतिनिधियों ने एक संयुक्त फोटो खिंचवाई और आतंकवाद-रोधी उपायों, साइबर सुरक्षा तथा क्षेत्रीय समुद्री सहयोग को मजबूत करने जैसे मुद्दों पर चर्चा की। इक्टरळएउ के महासचिव इंद्र मणि पांडे ने सभी सदस्य देशों के प्रतिनिधिमंडलों के साथ इस बैठक में हिस्सा लिया। इतिहास नेपाल का प्रतिनिधित्व गृह सचिव राज कुमार श्रेष्ठ ने किया। थाईलैंड के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सेक्रेटरी जनरल चतचाई बांगचौड ने किया। बांगचौड ने बुधवार को ठरअ डोभाल के साथ द्विपक्षीय बातचीत भी की, जिसमें इंटेलिजेंस शेयरिंग और कानून लागू करने में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया गया। श्रीलंका का प्रतिनिधित्व रक्षा मंत्रालय के सचिव एयर वाइस मार्शल संपत थुयाकोंथा ने किया। बांग्लादेश के प्रतिनिधिमंडल का

नेतृत्व बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के सलाहकार डॉ. शम्सुल इस्लाम ने किया और इसमें भारत में बांग्लादेश के उच्चायुक्त एम. रियाज हमीदुल्लाह भी शामिल थे। म्यांमार का प्रतिनिधित्व राष्ट्रपति कार्यालय के मंत्री टिन आंग सान ने किया।

भूटान के प्रतिनिधिमंडल में गृह सचिव सोनम वांग्येल और भारत में भूटान के राजदूत मेजर जनरल वेट्सोप नामग्येल शामिल थे। इस बीच, डोभाल ने सुरक्षा से जुड़ी उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए क्षेत्रीय सहयोग को और मजबूत करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मौजूदा वैश्विक हालात झ जिनमें टकराव, भू-राजनीतिक अनिश्चितताएँ और तकनीकी बदलाव शामिल हैं झ को देखते हुए इक्टरळएउ सदस्य देशों के लिए जरूरी है कि वे आपसी फायदे के लिए मिलकर काम करें और "फैसले लेने वाले ठोस कदम" उठाएँ।

चीन की दोस्ती से चिढ़े ट्रंप ने फोड़ा पुल, ईरानियों ने फिर गजब कर दिया

ईरान

ईरान और अमेरिका में बढ़ते सैन्य तनाव के बीच 9 जुलाई की रात एक ऐसा हमला हुआ जिसने सैन्य रणनीति और युद्ध के लक्ष्यों को लेकर नई बहस छेड़ दी। ईरान के उत्तरी गोलस्तान प्रांत में अक काला के पास स्थित अक टेके खान रेलवे पुल पर अमेरिकी क्रूज मिसाइलों से हमला किए जाने की खबर सामने आई। यह पुल ना तो कोई सैन्य अड्डा था और ना मिसाइल साइलो और ना ही वायु रक्षा प्रणाली का हिस्सा था। सबसे अहम बात यह है कि यह स्थान संघर्ष के मुख्य केंद्र माने जाने वाले होमस जलडमरू मध्य से करीब 700 मील दूर स्थित है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर इस नागरिक रेलवे पुल को निशाना क्यों बनाया गया?

ईरानी अधिकारियों के अनुसार हमले में सात क्रूज मिसाइलें दागी गई जिसमें गोरगन इंची बोरुण रेलवे लाइन का अहम हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। विशेषज्ञों का मानना है कि इस पुल का महत्व केवल एक रेलवे संरचना तक सीमित नहीं था। अटेकी खान पुल गोरगन इंचे बोरुन रेलवे लाइन का मुख्य मार्ग है जो ईरान को तुर्कमेनिस्तान कजाकिस्तान और आगे मध्य एशिया के देशों से जोड़ता है। यह रेलवे नेटवर्क अंतरराष्ट्रीय उत्तर दक्षिण परिवहन गलियारे और अन्य यूरेशियाई व्यापार मार्गों के लिए भी महत्वपूर्ण माना जाता है। इसके जरिए ईरान, रूस, मध्य एशिया और चीन जैसे देशों के साथ व्यापारिक संपर्क मजबूत कर पाता है। यही वजह है।

सुनामी की चेतावनी को घटाकर सिर्फ.एक सलाह में बदल दिया

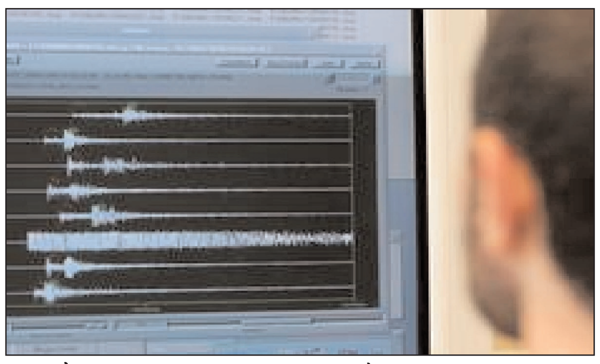

न्यूजीलैंड

न्यूजीलैंड में 5.9 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप साउथ आइलैंड के 'टे अनाउ' शहर के पास आया था, जिसके बाद अधिकारियों ने पहले जारी की गई सुनामी की चेतावनी को घटाकर सिर्फ.एक सलाह में बदल दिया। भूकंप 'टे अनाउ' से लगभग 40 किलोमीटर उत्तर में आया था। अधिकारियों ने शुरू में इसकी तीव्रता 6.3 आंकी थी

और साउथ आइलैंड के पश्चिमी तट पर 'मिलफोर्ड साउंड' से 'पुइसेगुर पॉइंट' तक सुनामी की चेतावनी जारी की थी। बाद में, स्थिति का दोबारा आकलन करने के बाद इस चेतावनी को कम कर दिया गया। हालांकि सुनामी का अलर्ट हटा लिया गया है, लेकिन न्यूजीलैंड की नेशनल इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी ने चेतावनी दी है कि तटीय इलाकों में अभी भी "तेज और असामान्य लहरें और अप्रत्याशित रूप से पानी का स्तर बढ़ने" जैसी स्थितियां हो सकती हैं। निवासियों और पर्यटकों को सलाह दी गई है कि वे पानी से दूर रहें, समुद्र तटों पर न जाएं और बंदरगाहों, मरीना और नदियों के मुहाने से दूर रहें।

न्यूजीलैंड के जियोनेट मॉनिटरिंग सिस्टम ने इलाके में "तेज" झटके महसूस होने की जानकारी दी। ते अनाउ के फियोर्डलैंड होटल की ड्यूटी मैनेजर, मेलीन पुयात ने रॉयटर्स को बताया कि झटके लगभग एक मिनट तक महसूस किए गए। उन्होंने कहा झटके थोड़े तेज थे।

अमेरिकी सेना में अब 'मेल स्टैंडर्ड' पर जोर, पीट हेगसेथ ने अमेरिकी सैनिकों के लिए टेस्टोस्टेरोन टेस्ट अनिवार्य किया

अमेरिका

अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने एक नई पहल की घोषणा की है, जिसके तहत 30 साल और उससे ज्यादा उम्र के सैनिकों की हर साल टेस्टोस्टेरोन स्क्रीनिंग की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस कदम का मकसद यह पक्का करना है कि सैनिक घातक क्षमता में सबसे आगे बने रहें। द हिल के अनुसार, 30 साल और उससे ज्यादा उम्र के सैनिकों के लिए टेस्टोस्टेरोन स्क्रीनिंग को सेना की समय-समय पर होने वाली हेल्थ जांच में

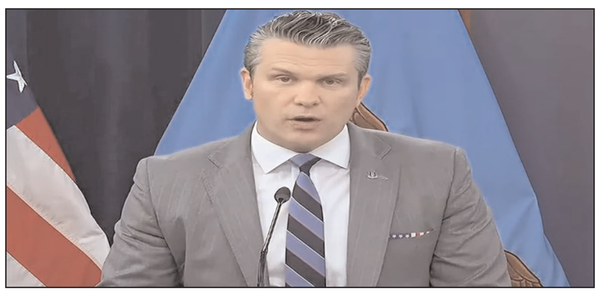

शामिल किया जाएगा, जबकि 30 साल से कम उम्र के सैनिकों के पास अपनी मजी से यह टेस्ट करवाने का विकल्प होगा। एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो मैसेज में हेगसेथ ने कहा कि हालांकि हम अपने हथियार सिस्टम, प्लेटफॉर्म और साजो-सामान पर बहुत ज्यादा निवेश करते हैं, लेकिन हमारा सबसे निर्णायक रणनीतिक फायदा हमेशा व्यक्तिगत सैनिक ही होगा। वीडियो घोषणा के साथ, हेगसेथ ने वीडियो को यह शीर्षक दिया हाई-टी डिपार्टमेंट ऑफ वॉर। उन्होंने कहा कि उस बढ़त को बनाए रखना हमारा पवित्र कर्तव्य है, इसलिए हमें आपकी परफॉर्मेंस, आपकी सहनशक्ति और आपकी लंबे समय की सेहत को बेहतर बनाने के नए तरीके लगातार खोजने होंगे।

अमेरिका-ब्राजील व्यापार युद्धः ब्राजील पर अमेरिका का 25% टैरिफ

ब्राजील

ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा के प्रशासन ने आज घोषणा की कि वह औपचारिक जवाबी कार्रवाई शुरू करेगा, क्योंकि संयुक्त राज्य अमेरिका ने बहुपक्षीय व्यापार नियमों के उल्लंघन का हवाला देते हुए ब्राजील के सामानों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। राष्ट्रपति कार्यालय के सामाजिक संचार सचिवालय द्वारा जारी एक बयान में यह बात कही गई है। आर्थिक प्रभाव के संदर्भ में ब्राजील सरकार ने कहा कि अमेरिका का ब्राजील के साथ ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण व्यापार अधिशेष रहा है।

ब्राजील सरकार, 1974 के व्यापार अधिनियम की धारा 301 के आधार पर ब्राजीलियाई उत्पादों पर 25% टैरिफ लगाने के अमेरिकी सरकार द्वारा आज घोषित निर्णय का खंडन करती है। हमारे देश के विरुद्ध एकतरफा उपायों का कोई औचित्य नहीं है। स्वयं अमेरिकी सरकार के आंकड़ों के अनुसार, पिछले 15 वर्षों में अमेरिका ने ब्राजील के साथ वस्तुओं और सेवाओं में 424.5 अरब डॉलर का अधिशेष अर्जित किया है।

प्रशासन ने अमेरिकी जांच की वैधता को खारिज करते हुए तर्क दिया कि इन उपायों को बहुपक्षीय व्यापार नियमों का समर्थन प्राप्त नहीं है। 2025 में अमेरिका

से होने वाले 76% आयात बिना किसी आयात शुल्क के देश में आए और अमेरिकी उत्पादों पर लागू औसत प्रभावी दर सिर्फ. 3.1% थी। ब्राजील व्यापार के बहुपक्षीय नियमों के समर्थन के बिना की गई जांच को सही नहीं मानता है। इसके बावजूद, हमने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए कभी भी बातचीत की मेज नहीं छोड़ी।

पिछले एक साल में ब्राजील की सरकार ने सेक्शन 301 के तहत हो रही जांच को खत्म करने के लिए यूनाइटेड स्टेट्स ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव के कार्यालय के साथ लगातार काम किया है। सरकार ने ऐसे सबूत पेश किए हैं जो ब्राजील पर अनुचित व्यापार तौर-तरीके अपनाने के आरोपों को गलत साबित करते हैं।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा, प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI NO. UPHIN/2001/09025
प्रबन्धक
अनूप मिश्रा
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादो का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा

अमेरिका ने अगर पावर नेटवर्क पर किया अटैक तो...

ईरान ने हौथियों को दिया ऐसा निर्देश, इस तुरुप के इक्के से डर जाएंगे सारे देश

ईरान

ईरानी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, अहवाज के शहीद बघाई अस्पताल में बच्चों के वार्ड पर अमेरिकी हमले के बाद वहां से लगभग 211 मरीजों को निकाला गया। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया कि उसने जॉर्डन में अमेरिकी एयरबेस 'अजराक' पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया। IRGC ने कहा कि यह मिसाइल हमला उन अमेरिकी हमलों का जवाब था, जिनकी वजह से अहवाज के एक अस्पताल से कैंसर से पीड़ित 121 बच्चों को निकालना पड़ा था। उसने मार्च में हुए अमेरिकी हमलों का भी ज़िक्र किया, जिनमें मिनाब के एक स्कूल में 168 बच्चे मारे गए थे। ईरान ने बहरीन में अमेरिकी एयरबेस 'शेख ईसा' पर भी हमला किया और दावा किया कि उसने हवाई निगरानी रडार और फाइटर जेट के लिए फ्यूल पंपिंग स्टेशन को नष्ट कर दिया।

अमेरिका-ईरान हमले

अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों पर अपनी नौसैनिक नाकेबंदी लागू करते हुए तेहरान, सेमनन, ग्रेटर टुनब द्वीप और अन्य सैन्य ठिकानों के आसपास हमले किए। अमेरिकी सेना ने एक तेल टैंकर को भी बेकार कर दिया, जिसके बारे में उनका कहना था कि वह खार्ग द्वीप के पास नाकेबंदी तोड़ने की कोशिश कर रहा था। इसके जवाब में ईरान ने बहरीन, कुवैत और इलाके की अन्य जगहों पर अमेरिका से जुड़े सैन्य ठिकानों को निशाना बनाते

हुए मिसाइल और ड्रोन हमले किए। अमेरिका और ईरान के बीच नए हमले ईरान के कई हिस्सों से नए धमाकों की खबरें आने के बाद तेहरान और पास के शहर पाकदाश्त में एयर डिफेंस सिस्टम एक्टिवेट कर दिए गए। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया कि उसने कुवैत में अमेरिका द्वारा चलाए जा रहे अली अल सलेम एयर बेस पर मिसाइल और ड्रोन से हमले किए। इससे पहले, अमेरिकी सेना ने कहा कि उसने होर्मुज जलडमरूमध्य में एक तेल टैंकर को रोका और उसे बेकार कर दिया, जो एक ईरानी बंदरगाह की ओर जाने की कोशिश कर रहा था। सैन्य अधिकारियों के अनुसार, अमेरिकी सेना ने टैंकर को रोकने के लिए हेलफायर मिसाइलों का इस्तेमाल किया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि उसने ईरान के अहम सैन्य ठिकानों पर नए सिरे से हमले किए। इस ऑपरेशन में कमांड सेंटर, एयर डिफेंस सिस्टम, मिसाइल और ड्रोन क्षमताएं और तटीय निगरानी सुविधाओं (बंदर अब्बास सहित) को निशाना बनाया गया। उएठळ-उडट ने यह भी कहा कि अमेरिकी सेना ने दिन में पहले ग्रेटर टुनब द्वीप पर तटीय सुरक्षा और क्रूज मिसाइल साइटों के खिलाफ 90 मिनट का ऑपरेशन चलाया। ईरानी मीडिया ने हमलों के बाद केशम द्वीप, बंदर अब्बास और चाबहार में धमाकों की खबर दी। नुकसान कितना हुआ, यह तुरंत साफ नहीं हो पाया।

ईरान ने खाड़ी इलाके में जवाबी कार्रवाई की

ईरान ने खाड़ी के कई इलाकों की तरफ मिसाइलें और ड्रोन दागकर जवाब दिया। बहरीन में हवाई हमले के सायरन बजे, जबकि कुवैत ने कहा कि उसके एयर डिफेंस सिस्टम ने आने वाली मिसाइलों और ड्रोनों को रोक दिया।

सम्पादकीय

विश्वविद्यालय तोड़ने का बेतुका फैसला

भाजपा सरकार के बुलडोजर न्याय का ताजा शिकार अब एक विश्वविद्यालय होने जा रहा है। उत्तर प्रदेश के रामपुर में स्थित मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय पर अवैध निर्माण का आरोप लगाते हुए प्रशासन ने सख्ती दिखाई है। रामपुर विकास प्राधिकरण (आरडीए) ने विश्वविद्यालय परिसर में बिना स्वीकृत नक्शे के बने 38 भवनों को अवैध मानते हुए उत्तर प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम, 1973 की धारा 27(1) के तहत ध्वस्तीकरण का आदेश जारी किया है। गौरतलब है कि इस विश्वविद्यालय को दिग्गज समाजवादी पार्टी नेता और पूर्व मंत्री आजम खान ने 2006 में स्थापित किया था और 2012 को इसका उद्घाटन हुआ। इस समय आजम खान पर अवैध निर्माण और जमीन पर कब्जे को लेकर पहले से कानूनी शिकंजे कसे हैं, अब एक और बड़ी कार्रवाई उनके खिलाफ होने जा रही है। 2017 में राज्य में भाजपा सरकार आने के बाद से जौहर विश्वविद्यालय के खिलाफ कई और मामले खड़े किए जा चुके हैं, लेकिन अब इसे तोड़ने के आदेश से सियासत तेज हो चुकी है। क्योंकि इसमें राजनैतिक बदले की बू आ रही है। प्रशासन ने अवैध निर्माण के आरोप विश्वविद्यालय पर लगाए हैं, तो उसके खिलाफ कार्रवाई के कई और तरीके हो सकते हैं। चाहे तो भाजपा इसे अपने अधीन कर ले, या फिर विश्वविद्यालय पर बड़ा जुमार्ना लगा दिया जाए, या कोई और सख्ती बरत ले। लेकिन बनी-बनाई इमारतों को तोड़ने की तुक समझ से परे है। और ये इमारतें केवल रेत-सीमेंट का ढांचा भर नहीं हैं, न इन इमारतों के भीतर से कोई गंभीर अपराध संचालित किए जाते हैं। यहां कई अहम विषयों की पढ़ाई होती है। ज्ञानार्जन के लिए रामपुर और आसपास के गांवों के ऐसे कितने बच्चे यहां पढ़ते होंगे, जिनके लिए दिल्ली क्या लखनऊ भी दूर होगा। अगर विश्वविद्यालय ने अवैध निर्माण किया है, तो इसमें छात्रों का क्या कसूर, उन्हें क्यों पढ़ाई से वंचित कराया जा रहा है। इसी उत्तरप्रदेश में न जाने और कितने अवैध निर्माण हुए होंगे, या गैरकानूनी काम चल रहे होंगे। अभी राम मंदिर में ही करोड़ों का चढ़ावा चुरा लिया गया है, तो क्या इस मामले में सरकार बुलडोजर कार्रवाई की पहल करेगी। क्या आजम खान नाम जुड़ा होना ही बुलडोजर का फैसला लेने के लिए पर्याप्त है। एक विश्वविद्यालय को तोड़ने का मूर्खतापूर्ण फैसला लेने वाली भाजपा सरकार यकीनन शिक्षा की महत्ता से परिचित नहीं है। वैसे केंद्र सरकार का हाल भी ऐसा ही है। अभी शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर ही जंतर-मंतर पर धरने से लेकर छात्रों की गूंज जैसे आंदोलन खड़े हुए हैं। इधर हफ्ते भर पहले शिक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट आई है, जिसके अनुसार, पिछले एक साल में देशभर में लगभग 8,077 सरकारी स्कूल बंद हो गए हैं। 2024-25 में देशभर में 10.13 लाख सरकारी स्कूल थे, जिनकी संख्या 2025-26 में घटकर 10.05 लाख रह गई।

शक्ति के साथ मान्यता के लिये कॉकरोचों को राहुल की दरकार

डॉ. दीपक

पर्यावरणवादी कार्यकर्ता तथा आमिर खान की 'थ्री इडियट्स' के चलते देश भर में और बड़ी पहचान बनाने वाले सोनम के प्रति आदर भाव तो है लेकिन उन्होंने भाजपा सरकार के अनेक कामों का जिस तरह से समर्थन किया है, उनके चलते सोनम की राजनीतिक प्रतिबद्धता अपने आप में संदिग्ध है। तिस पर सोनम ने बिना किसी पूर्व तैयारी और या योजना के 28 जून से भूख हड़ताल शुरू कर दी।

केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रही कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) अमेरिका से लौटे अभिजीत दिपके के नेतृत्व में छह मई से दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना-प्रदर्शन कर रही है। लेह-लद्दाख के प्रसिद्ध पर्यावरणविद और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक का नाम दुनिया भर में आदर के साथ लिया जाता है। उनके नाम से सैकड़ों पेटेंट्स हैं और उन्होंने अपने क्षेत्र के नागरिकों के जीवन को आसान बनाने के लिये अनेक आविष्कार किये हैं। उन्होंने शून्य से नीचे के तापमान में रहकर सरहदों की रक्षा करते भारतीय सैनिकों के लिये ऐसे शिविरों की ईजाद की है जिनमें रहकर हमारे जवान अधिक सुविधाओं के साथ निगहबानी कर रहे हैं। किसी भी जागरूक नागरिक और सामाजिक कार्यकर्ता की तरह देश के दूरदराज इलाके में रहने वाले सोनम को वे सारे मुद्दे उद्वेलित करते हैं और वे गांधीवादी तरीके से उनका हल भी चाहते हैं। उनकी यही पवित्र मंशा कभी उन्हें लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची (आदिवासी क्षेत्रों में सुरक्षा सम्बन्धी नियम) लागू करने की मांग को लेकर हुए आंदोलन में (जो हिंसक हो गया था) शामिल होने के चलते राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत जोधपुर जेल में 170 दिन के लिये पहुंचाती है, तो वहीं नीट समेत अनेक परीक्षाओं के लीक होने और देश की शिक्षा व्यवस्था की दुर्दशा पर उनकी चिंता उन्हें सीजेपी के आंदोलन में शामिल होने के लिये प्रेरित करती है।

उनकी मंशा बेशक असंदिग्ध है, लेकिन वे देश की मुख्यधारा की राजनीति से नावाकिफ हैं। न ही वे बदले हुए निजाम के मिजाज को ठीक से भांप पाए हैं। यदि सोनम वे इसे ठीक से पहचानते तो शायद ही जंतर-मंतर का रुख करते। ऐसा कहने के कई कारण हैं। उनमें मुख्य तो यह है कि ज्यादातर युवाओं की सदस्यता वाली सीजेपी कोई संगठित दल नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत द्वारा सोशल मीडिया पर टाइम पास करते हुए उन बेकार नौजवानों को कॉकरोच कहने से आहत हुए लोगों, खासकर छात्रों व युवाओं का सोशल मीडिया पर बना डिजिटल समूह मात्र है। सरकार के नजरिये से वह किसी वर्ग का अधिकृत प्रतिनिधित्व नहीं करती। अमेरिका में पढ़ने गये दिपके द्वारा कुछ मीम्स, कार्टून्स, रील्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) निर्मित वीडियो आदि बनाकर मुख्य न्यायाधीश के बयान, शिक्षा के प्रति सरकार की उपेक्षा आदि की आलोचना की गयी। तीन मई को हुई नीट की परीक्षा, जिसमें देश के लगभग 23 लाख परीक्षार्थी शामिल हुए थे, 12 मई को रद्द कर दी गयी थी। इससे व्यथित छात्र-छात्राएं और युवा, यहां तक कि सामान्य नागरिक भी सीजेपी से जुड़ गये। सदस्यता की कोई विधिवत प्रणाली तो है नहीं, इसलिये जिसने खुद को कॉकरोच माना वह सीजेपी का सदस्य बन गया। न तो उसका कोई पंजीकरण हुआ है और न ही वह चुनाव आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त दल है। इसकी शुरूआती लोकप्रियता से आशंकित सरकार के इशारे पर अभिजीत का इंस्टाग्राम एकाउंट सस्पेंड कर दिया गया लेकिन उनके नये एकाउंट को भी तगड़ा प्रतिसाद मिला। अनेक युवाओं ने अपने

फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स खातों के जरिये सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला। माना गया कि ये सारे ही सीजेपी के सदस्य हैं। फॉलोवर्स की संख्या दो करोड़ तक देखते ही देखते पहुंच गयी। वांगचुक शायद इससे प्रभावित हुए होंगे जबकि उन्हें धरना स्थल पर पहुंचकर इस तथ्य को तुरंत भांप लेना था कि दो करोड़ की फॉलोइंग वाले संगठन का कोई ठोस अस्तित्व नहीं है। इसलिये धरना स्थल पर पहले दिन कुछ हजार लोग ही पहुंचे। वैसे तो उन्हें अमेरिका से लौटने पर जिस तरह से दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने एयरपोर्ट पर ही जंतर-मंतर पर आंदोलन करने की इजाजत दे दी थी- वही यह बतलाने के लिये काफी था कि भाजपा ने इस आंदोलन को फुस्स करने के पहले ही पुख्ता इंतजाम कर लिये हैं। सरकार को पता है कि सीजेपी कोई संगठित या मान्यताप्राप्त सियासी दल तो है नहीं जो भाजपा को राजनीतिक नुकसान पहुंचा सके। 2011 के लोकपाल आंदोलन में अभिजीत की संलिप्तता कुछ दिन पहले उजागर हुई थी। देश को उस आंदोलन का, जिसे 'अण्णा हजारे आंदोलन' भी कहा जाता है, कड़ुवा अनुभव रहा है। उसमें घुसे भारतीय जनता पार्टी तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लोगों ने आंदोलन से आम आदमी पार्टी को बनने में मदद की। उसके बूते खुद 2014, 2019 व 2024 में केन्द्र में और इन 12 वर्षों में कई राज्यों में अपनी सरकारें बना लीं।

पर्यावरणवादी कार्यकर्ता तथा आमिर खान की 'थ्री इडियट्स' के चलते देश भर में और बड़ी पहचान बनाने वाले सोनम के प्रति आदर भाव तो है लेकिन उन्होंने भाजपा सरकार के अनेक कामों का जिस तरह से समर्थन किया है, उनके चलते सोनम की राजनीतिक प्रतिबद्धता अपने आप में संदिग्ध है। तिस पर सोनम ने बिना किसी पूर्व तैयारी और या योजना के 28 जून से भूख हड़ताल शुरू कर दी। उनकी बिगड़ती तबियत को देखते हुए अनेक लोगों ने उनसे अनशन तोड़ने की अपील की है जिसके लिये वे अब तक तो तैयार नहीं हैं। उनकी जान बचाने का आग्रह करती एक याचिका दिल्ली हाईकोर्ट में डाली गयी है। असली बात यह है कि अब तक न शिक्षा विभाग से कोई आंदोलनरत कॉकरोचों से बात करने आया है और न ही केन्द्र ने इस आंदोलन को खत्म करने में रूचि दिखलाई है। सोनम एवं अभिजीत के साथ जंतर-मंतर में उम्मीद लगाये हजारों युवा इस गलतफहमी में हैं कि लोकपाल आंदोलन के नेताओं से जिस प्रकार मनमोहन सिंह सरकार ने लोकतांत्रिक तरीके से बातचीत कर समझौता किया था, वैसा ही कुछ भाजपा करेगी। वे भूल रहे हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इसी सरकार ने अपने उत्पादों के लिये न्यूनतम समर्थन मूल्य की मांग करते किसानों को तकरीबन डेढ़ वर्ष तक दिल्ली की टिकरी, गाजीपुर व सिंधु बॉर्डर पर सड़ाया था। इसमें लगभग 800 किसानों ने शहादत दी थी; जिसके बारे में मोदी ने कहा था- 'वे क्या मेरे लिये मरे हैं?' उन्हें यह भी ख्याल में रखना था कि ये वही मोदी हैं जिन्होंने अचानक लागू की गयी नोटबन्दी के कारण लोगों की परेशानियों पर अट्टहास करते हुए विदेश में कहा था कि, 'घर में शादी है पर जेब में पैसे नहीं हैं।' नोटबन्दी, कोरोना, कुम्भ, कई रेल-सड़क हादसे, धंसकते पुल व सड़कें, एथेनॉल जैसे लोगों पर आने वाले संकटों पर (जिनमें से कई जानलेवा साबित हुए हैं) मोदी व उनकी सरकार मौन रहती है। नोएडा में तनख्वाह बढ़ाने की मांग करने वाले सैकड़ों श्रमिकों-कर्मचारियों का जिस प्रकार से उत्तर प्रदेश की डबल इंजिन सरकार ने दमन किया है- वह क्या मुी भर कॉकरोचों के आगे झुकेगी? उलटे, मोदी ने प्रधान के काम-काज की तारीफ कर संदेश दिया है कि उनसे लड़ने का तरीका बदलना होगा। एक पत्रकार ने, जिनकी अपनी प्रतिबद्धता संदेहास्पद है, अनशनकारी सोनम से जब आंदोलन को लोकसभा में कांग्रेस के समर्थन के बारे में पूछा तो, वांगचुक ने कहा- 'यदि राहुल गांधी जंतर-मंतर पर नहीं आते तो यह उनका छोटापन होगा।' इस एक वाक्य ने आंदोलन की दिशा मोड़ दी है। अब यह लड़ाई भाजपा के आईटी सेल, गोदी मीडिया और ट्रोल आर्मी द्वारा 'कॉकरोच बनाम सरकार' की बजाय 'कॉकरोच वर्सेस राहुल' बनाई जायेगी।

जवाबदेही और जिम्मेदारी से पीछा छुड़ाने की पैंतरेबाजी

राजेश पांडेय

भाजपा ने समान नागरिक संहिता, धारा 370 और राम मंदिर को अपनी राजनीतिक पहचान का मुख्य मुद्दा बनाया है। उसकी प्राथमिकता सूची में गवर्नेंस की महत्वपूर्ण जगह है। प्रधानमंत्री मोदी भ्रष्टाचार के खिलाफ कठोर रुख अपनाने की याद बार-बार दिलाते हैं। वे चुनाव सभाओं और कार्यक्रमों में कहते हैं, उनकी सरकार भ्रष्टाचार के सख्त खिलाफ है। अब उनके वादे और भाषणों की कड़ी परीक्षा का समय है।

भारत में भ्रष्टाचार सर्वव्यापी है। कई सरकारी दफ्तरों में आम लोगों के काम से जुड़ी फाइलें रिश्वत के बिना आगे नहीं बढ़ती हैं। सरकारी ठेकों के टेंडर पास कराने में धांधली की शिकायतें आम हैं। विभिन्न स्तरों पर हजारों, लाखों और करोड़ों रुपए के घोटाले हो रहे हैं। शिक्षण संस्थाओं में प्रवेश, सरकारी नौकरियों में भर्ती की प्रतियोगी परीक्षाएं सुरक्षित नहीं हैं। परीक्षाओं से पहले उनके पेपर लीक हो जाते हैं। प्रश्नपत्रों की बिक्री लाखों रुपए में होती है। और तो और लाखों, करोड़ों लोगों की आस्था के केंद्र धर्मस्थल तक घोटालों से परे नहीं हैं। यह सिलसिला वर्षों से चल रहा है। फिर भी, उन लोगों की सेहत पर कोई फर्क नहीं पड़ता है जो इसके लिए सीधे जवाबदेह और जिम्मेदार हैं। सार्वजनिक जीवन में भ्रष्ट आचरण,अनीति और अनैतिकता को सामान्य मान लिया गया है। अभी हाल के महीनों में कदाचरण के कुछ मामले सुर्खियों में रहे हैं। इनमें राममंदिर, अयोध्या से करोड़ों रुपए के चढ़ावे की चोरी और राष्ट्रीय मेडिकल प्रवेश परीक्षा (नीट यूजी) के पेपर लीक होने के मामले प्रमुख हैं। दोनों ही मामलों में सरकारी एजेंसियों ने कुछ लोगों के खिलाफ कार्रवाई की है। यूपीए-2 सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार को चुनाव अभियान का प्रमुख मुद्दा बनाकर सत्ता में आए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दोनों मामलों में खामोश हैं। उन्होंने मनमोहन सिंह की सरकार के समय टू जी स्पेक्ट्रम के आबंटन और कोयला खदानों की नीलामी में धांधली को प्रमुख मुद्दा बनाया था। वे और भाजपा के नेता चुनाव सभाओं में पूर्व यूपीए सरकार पर तीखे प्रहार करते थे। लेकिन अब मौन हैं।

प्रधानमंत्री मोदी की चुप्पी रणनीतिक हो सकती है। मोदी मन की बात में छात्रों से परीक्षा पर चर्चा करते हैं। लेकिन उन्होंने नीट पेपर लीक पर एक शब्द नहीं कहा है। वे उन मुद्दों पर ही बोलते हैं जिनसे उन्हें फायदा हो सकता है। हमेशा अपनी उपलब्धियों का जिक्र करते हैं। अपनी सरकार की विफलता और खामियों को स्वीकार नहीं करते हैं।

नोटबंदी और कोविड-19 के अचानक घोषित लॉकडाउन से अर्थव्यवस्था को जबर्दस्त आघात लगा था। लेकिन इन फैसलों के नकारात्मक पहलुओं को कभी याद नहीं किया जाता है। दूसरी ओर कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार को सत्ता से हटे 12 साल हो चुके हैं लेकिन सत्ताधारी दल के प्रमुख नेता विदेश नीति, अर्थव्यवस्था, गवर्नेंस, इंफ्रास्ट्रक्कर, कानून व्यवस्था सहित तमाम मसलों पर पूर्व सरकार को निशाना बनाते हैं। अपनी अक्षमता, गलत फैसलों पर चुप्पी साधने और पूर्व सरकारों को दोषी ठहराने का अनंत सिलसिला जनमत को प्रभावित करने की योजना का हिस्सा है। इसके तहत पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को कांग्रेस नेताओं की तुलना में भाजपा के नेता ज्यादा याद करते हैं। भाजपा समर्थक इकोसिस्टम और ट्रोल आर्मी ने नेहरू के बारे में तरह-तरह के किस्से फैलाए हैं। नेहरू का निधन 62 वर्ष पहले हो चुका है पर आजाद भारत की हर समस्या का दोष उन पर मढ़ा जाता है। संसद में उन पर तीखे प्रहार हुए हैं। नेहरू के लिए भाजपा के अतिशय प्रेम का नतीजा है कि अब सोशल मीडिया मीम्स, अखबारों के कार्टूनों और आपसी चर्चा में लोग मजाक में कहने लगे हैं कि पता लगाओ, फलां समस्या के लिए कहीं नेहरू तो दोषी नहीं हैं। गनीमत है, राममंदिर में हुए भ्रष्टाचार पर किसी ने अब तक नेहरू को जिम्मेदार नहीं ठहराया है। सार्वजनिक जीवन में व्याप्त भ्रष्टाचार को देखते हुए शायद संघ परिवार उम्मीद कर रहा होगा कि अन्य मामलों के समान कुछ समय बाद लोग अयोध्या के घटनाक्रम को भी भूल जाएंगे। सवाल है, क्या ऐसा हो सकता है। अतीत पर नजर डालने से राजनीति में भ्रष्टाचार के मुद्दे की प्रमुखता और राम मंदिर आंदोलन पर रोशनी पड़ती है। इंदिरा गांधी की हत्या के बाद उमड़ी सहानुभूति लहर के कारण 1984 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को 400 से अधिक सीटें मिली थीं। भाजपा दो सीटों तक सिमट गई थी। इस बीच, विश्व हिंदू परिषद ने राम जन्मभूमि मुक्ति यज्ञ समिति का गठन कर दिया था। फिर बोफोर्स तोपों की खरीद में 64 करोड़ रुपए की रिश्वत दिए जाने के आरोपों से अलोकप्रिय हुए राजीव गांधी और कांग्रेस को 1989 के चुनाव में सत्ता गंवाना पड़ी थी।

आजादी के बाद पहला मौका था जब केवल भ्रष्टाचार के आरोपों पर किसी सत्ताधारी दल को चुनावी हार का मुंह देखना पड़ा। कांग्रेस छोड़कर जनता दल बनाने वाले विश्वनाथ प्रताप सिंह ने भाजपा के साथ मिलकर सरकार बनाई थी। वीपी सिंह और भाजपा के बीच मतभेद जल्द सामने आ गए। वीपी सिंह ने भाजपा की असहमति के बावजूद शिक्षण संस्थाओं और सरकारी नौकरियों में पिछड़ों को आरक्षण देने के लिए मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू कर दिया। उधर, भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी ने सितंबर 1990 में सोमनाथ से अयोध्या तक रथयात्रा शुरू कर दी। भाजपा ने मंदिर आंदोलन को देश का आध्यात्मिक पुर्नजागरण करार दिया। निश्चित रूप से मंदिर आंदोलन ने देश की राजनीतिक दिशा बदल दी है। रथयात्रा से धार्मिक भावनाएं भड़कीं। देश में कई जगह दंगे हुए। 1992 में संघ परिवार की सक्रियता से अयोध्या में जुटे कारसेवकों ने बाबरी मस्जिद को ढहा दिया। उस वक्त शिला पूजन के लिए लोगों ने उदारता से दान दिया था। 2019 में सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने मंदिर निर्माण का रास्ता खोला। फरवरी 2020 में राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के समान मंदिर निर्माण समिति के गठन में केंद्र सरकार की निर्णायक भूमिका रही। 22 जनवरी 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के साथ भाजपा का एक मुख्य चुनावी वादा अमल में आ गया। यह धर्म के नाम पर तीस साल से चल रहे भाजपा के राजनीतिक प्रोजेक्ट का अहम अध्याय है। भाजपा और संघ परिवार ने मंदिर आंदोलन से फायदा तो उठाया है पर इस बात का ध्यान नहीं रखा गया कि मंदिर में आ रहे अपार धन को घोटाले से कैसे सुरक्षित रखा जाए। अनुमान है, ट्रस्ट को अब तक 3500 करोड़ रुपए का दान नगद मिला है। सोने, चांदी की इंटें और आभूषण अलग हैं। मंदिर निर्माण से पहले ही परिसर के आसपास जमीनों की खरीद में अनियमितताओं की खबरें सामने आई हैं। इनमें ट्रस्ट के पदाधिकारी शामिल बताए जाते हैं। एक ऑडिट में आगाह किया गया था कि अगर निगरानी तंत्र मजबूत नहीं बनाया गया तो ट्रस्ट की जवाबदेही और उसकी कार्यप्रणाली को साफ-सुथरा बनाए रखना मुश्किल होगा। इस चेतावनी की तरफ किसी ने ध्यान नहीं दिया है।

हिंदू जनमानस के बड़े हिस्से में भगवान राम मयार्दा, आदर्श, नैतिकता के प्रतीक हैं। वे अन्याय और भ्रष्ट आचरण से लड़ने वाले योद्धा हैं। उनके प्रमुख पूजा स्थल से दान के धन की चोरी और गबन ने लोगों की आस्था और विश्वास को आघात पहुंचाया है। राममंदिर कोई अकेला धर्मस्थल नहीं है जहां दान की हेराफेरी और अन्य अनियमितताएं हुई हैं। तिरुपति स्थित भगवान वेंकटेश्वर मंदिर का प्रसाद बनाने के लिए घटिया घी की सप्लाई में करोड़ों रुपए का घोटाला हो चुका है। वैष्णो देवी मंदिर भी अनियमितताओं की चपेट में आ चुका है। ये मामले बताते हैं कि हमारा राजनीतिक जीवन तो छोड़िए लोगों की अगाध श्रद्धा के पवित्र स्थान तक लालच और लूट से सुरक्षित नहीं हैं।

भाजपा ने समान नागरिक संहिता, धारा 370 और राम मंदिर को अपनी राजनीतिक पहचान का मुख्य मुद्दा बनाया है। उसकी प्राथमिकता सूची में गवर्नेंस की महत्वपूर्ण जगह है। प्रधानमंत्री मोदी भ्रष्टाचार के खिलाफ कठोर रुख अपनाने की याद बार-बार दिलाते हैं।

स्टेशन चमका, लेकिन रास्ता अब भी बदहाल: माननीयों की राह के लिए गड्ढों में गिट्टी, आम लोगों की सुरक्षा भगवान भरोसे

अखंड भारत संदेश

शिवपुरी। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत करीब 20 करोड़ रुपए की लागत से शिवपुरी रेलवे स्टेशन का कायाकल्प कर दिया गया। शुक्रवार को प्रधानमंत्री ने इसका वर्चुअल लोकार्पण भी किया, लेकिन स्टेशन तक पहुंचने वाला करीब 700 मीटर का मार्ग आज भी बदहाली की तस्वीर पेश कर रहा है। कार्यक्रम से पहले सड़क के गड्ढों में जल्दबाजी में गिट्टी डालकर रास्ता समतल करने की कोशिश तो की गई, लेकिन यही अस्थायी इंतजाम अब आम लोगों के लिए परेशानी और हादसों की वजह बनता नजर आ रहा है। पोहरी रोड से रेलवे स्टेशन तक जाने वाले इस मार्ग पर लंबे समय से सड़क जर्जर हालत में है। लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल होने वाले जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की आवाजाही को देखते हुए गड्ढों में गिट्टी डाल दी गई, ताकि वाहन आसानी से निकल सकें। कार्यक्रम समाप्त होते ही यह व्यवस्था भी लोगों के लिए मुसीबत बन गई।

धूल के गुबार में गुजर रहे स्कूली वाहन और राहगीर

शनिवार दोपहर इस सड़क से गुजरने वाले वाहनों के कारण धूल के गुबार उड़ते रहे। स्कूल बसों, कारों और अन्य भारी वाहनों के निकलते ही सड़क पर दृश्यता प्रभावित हो रही थी। सबसे अधिक परेशानी दोपहिया वाहन चालकों को हो रही है, जिन्हें ढीली गिट्टी के बीच से संतुलन बनाकर निकलना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हल्की सी चूक भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है।

रात में बढ़ जाता है दुर्घटना का खतरा

शिवपुरी रेलवे स्टेशन से अधिकांश लंबी दूरी की ट्रेनों का संचालन रात के समय होता है। ऐसे में यात्रियों को इसी मार्ग से होकर स्टेशन पहुंचना पड़ता है। सड़क पर बिखरी गिट्टी, जगह-जगह गड्ढे और पर्याप्त स्ट्रीट लाइट का अभाव रात में दुर्घटना की आशंका को और बढ़ा देता है।

स्थायी समाधान की मांग

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि स्टेशन का आधुनिकीकरण स्वागत योग्य कदम है, लेकिन यदि वहां तक पहुंचने वाला मार्ग ही सुरक्षित और सुगम नहीं होगा तो करोड़ों रुपए के विकास कार्यों का उद्देश्य अधूरा रह जाएगा।

लोगों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से सड़क की केवल अस्थायी मरम्मत के बजाय जल्द से जल्द स्थायी निर्माण कराने की मांग की है, ताकि यात्रियों और स्थानीय नागरिकों को सुरक्षित आवागमन मिल सके।